अगर अदालत दीवानी घा म्हकाः अपी ल या पुनसपी से सी गे खदालत दीवा नी की तामील समन वगे रहके वाको लि खा आवे तो उसकी तामी लब मूजिब दिश यत १६ सितम्बर सन १६ ६१६ करा ते रहें औरम्हकाः अपील खेरे रखदालत ही वा नी को भी दल्लात हरिरहों -

नं बस्थमार तारिख्यमंज्ञ्ही ६१ ३०६संबर्यम्बर्ध्यः खनासा

द्रखास्त्र हायरुष्य ने में साबिक हरत सतका हारन जी द्र्जे होकर शाया करे-में जाखन

महिकातमात है त से जो दर्जि मं जूरी रुक्त सक्तीम हकाः आ कियः भें आ ती हैं जमें यह हाल दर्ज हो कर नहीं आता किर्द्जित दिहंदः ने रुक्त सत दसका स्मां पह ले किस कर एक क्या त ली हैं लिहाजा मारफत सिर द्यान अपिल के जुम ले हुका म मान हे न की दन ला दी जावे कि जो द्या क्या रुक्त हो के रुजा या करे कि साथल ने साल अरें। किस कर रह त्या सत पहले ली है और क रुक्त सत रिक्रा यती थी या एक जी पर-

إستصفى سع صيغه عدالت ديو ابن المحمیل سمن وعیرہ کے واستطے لکہا مے آوا وسکی تمیل موجب مرامب ممراق نه وکرائے رمین ومحكمه اسبيل أورعدالت دلواني ك بهى اطب لاع محت ررسو-"مارسخ منظوری كاعال ببي درج بوكراما محكرات مامخت مسيج ورثوار أتى بني اوك مين بيه حال درج مرآ ت مسرواران اببل. حنکام مالحست کواطلاع دی بناوے سایل بے سال ہرمین ، قدر رخصت بسیلے لی۔ ورصعت رعاشي بني باعيوضي برنقط

(91)

(E,b)

بهبداون كي علطه فهني سبع ادراسكي यह उनकी गलन प्रहमी है और इसकी वजह यहमाल्यूम होती है कि मुखतारान अरालेतनेजोदेोपेयत अ**रालतसे**मुन رمن نامرئ الرحكي براك मफ़्रीक़े नाम व हवाले दुक्त ई अगस्त्रस مرومارہ جسکے جاری کرنے کی اونکو न्१८५३ईं जिसंके जारीकरने की उनको کو ئی ضرورت نہتی جاری کی ادبیکے कोई जरूरत नधी जाएँ की उसके उनकान نوان مین بیه عبار (که دربارهٔ میزیمن में यह इबारत (कि दरबारे तामीरत समन تحكمات صدركه مالا مالا مذربيه تتبانذوالك महक्रात सर्रांके बाला२बजरयेथानेय یماران مودکرے) اور ازاد एन वतहसीलद्र एन्ह्याकरे) भीरई जादकर्दी-क्येंगिक निज्ञामतसवाईजीपु ردی کیونکرنیاست سوانی سیصایر रसे महकाः फोजदारी बन्द्रा राजत दीवा سے کا فوحداری وعدالہ नी वक्षपीरत के वर्खिलाफहिरायतनं دامیل کے برخلاف مدامت منب بی ब्री (७६) सन् १८६७ ई- शमलकरने की مرود ہوں کرنے کی شکایت ाशकायनकी गर्दे है और इनही हरक भट्ट لی تری سیعے - اور دان ہی م^م कातको पहांसे बजरये दुका ईन्जगस्त رات كوبهاسن ندربيرح सन्१८६३ ई हिरायतकी तरफतवज्ञ ي سرو دار و مرات كي ط हिस्लाईहै कोई आम् इकानयाकि अय्त्तरीवा । ८११ र नीने मुनसफीको जी इत्तलारी श्रीसजो इता १००० ला दी बोहतो दुराल ही सही मगर्अनवान्में कैंपियतकी इंबारत नोबदा ही यह तो बिल्कु ल नावाजिब कियाकि जिसकी बजह से यहनोब्त पहोची जिहाजा मुनसफी कोलिखाजाचेदिव मूजिब हका १२नों ब्रसन्१ट्टें ई नामील को पहांसीन जामतों को ताकीर लिख रीगई है और जंमलेनिजामतों कें जी लिखाजांचे कि

ग्रतथाने दाग्नव तहसीरन | एवं क्ष्यमार्थि। सेकराईजायाकरे-इसहिया निर्माण - - पूर्णिं नि खासमुनसपीकेसमनोंकि नामी कीवहेस नहीं हैवल्कि नुर्मानावगरकीक्रि ८० १५७ में मेर्ट्स द्राप्त के के वाबतबहेसहै-ज्यलबत्तः ३ जुलाई सन्१८८८ई को मुनस्फ्रीकेसमनों की खा ्तामीलकेवास्तेहिरायतजारीहरू होंके विष्या है। विषय मार्फ़तबा ऋस्तियार्तहसील यरानऔर नायवान निजामतके कराई जावे-से किन यह हिरायतसी गेकल करी से १६सितम्बर्सन्१८६१ई.कोरोवकास्म रीहोनेपर्कि तहसीलदारानकी मार्फत सीगे अस्त्तरीवानीकीकार्रवाईनामी लातन्दुन्जाकरे-यों तर्मीमहोगईदिसन्१८ रे१ई के शे बकारमें दर्ज होगया दे कि-अरालत रीवानी याफीज दारीसे कि सीसमनकी नामील या तलवी आसामि यानकी ज़रुरत होतो वहनी नायव कश्रहे लकार्न सीगे अयुक्त तेन से होती रहे तहसील दारानदी मार्फतनकराई जावे-गर्डे किसाफ हिर्गयत हो चुकी किसी गे खदालत दीवानीकी तामील मारफ तिज्ञामतहस्त्र मुन्द्रजेबालाहोतीर्है मुनसिफानजो ईअगस्तस्न १८६३ र्द केंद्रकासे ऐसासमस्गये हैं कि मुनस भी के समनों की तामील चाने देए करेंगे

كاررواني كي مامت تحبت س مارجاري وتي وكسوفت الصيار عسيلازان اور نائیان نکل کے کولی جا ہے۔ مراق اله كورو كارب ري سيك برصب ملدا را ن کی معرفت صیغیه یلات وبیانی کی کارروانی تقیلا^ت يون ترميم بوگئي كرمراه مدا و كر روبك مین درج بوگیاسیے کر۔ عدالت ديواني يا فرصداري كسي ىن كى تميل اطلبرائيرا سيان كى *فرورت بوتو وه بهی نامیب* و المركاران صيفه عدالتيرس سبري مخصيدادان كى موفىت كرائى حاي-غرضكهما فسط إست برحكي كرصيفه عدالت درجه مالا ہو لی رہے۔ يمنو على متل نبانه داركرين كي

द्रं महकाः ज्ञानियः से १२ नोम्बर तन्१८६३ ई को जवाब निखागया दि. धरालत दीवांनी सी ग़ेकीतामील मारफ तपुलिसके कराना खिलाफ जाबिनः है आ यंदः मार्फ तपुलिस के ऐसी नामीलातक एना नहीं चाहियेजो तामील कराना हो उसकी बाब्त निजामत को लिखना चाहिये-سىنونى *متصفال* इसके जवाब में मुंस्फानने बतरसीत नकलके फियत गहकाः आत्तियः मोसूमः महक्तः अपील मवरितः ई अगस्त सन्१८ र्व ई. वन कल के फियत असलत सीवानी मोस्तः मुनसपी ब हवालः केपियन महका आलियः भवरिकः ६ स्रगस्त सन्१८६ इईलि खादेकि यहांसेव पाबंदी हिदायत महकाः आालियः तामील श्वरहुर् है अब म्हकाः आ लियः से यह इका सादिर दुः आपसि हिदायत साविकः वदुका हालपर्गोरहोकराहस्यत होनी चाहियेकिको नसे दुकाका अमलदर मदरक्तवाजावे चुनाचेकागजातमुसतद्लः मुँसू भी बरमदकराके देखेगये औरहिदायत परनजर्डानी गईनो माल्नू म् हुन्त्रादिहिहा यतनंबरी(७६) जो २६ नोम्बर्सन्१८ २७ई को जारी हुई है उसमें एक आम तोरंपर्यस कार्रवाईकी बहेसकीगई है किऐसी तामी लंसमनव वस्ल जुर्मानः की कार्वादे विलाविसातत निजामतबाला كاررواني الاوساطت نظام

अगर्तस्ती कातसे जायस्य जियादः जीमन की नजर आवे तो बकदर ज़राडि गरी जायसद जेरकुरकी रक्तकर्मावस्त्रीजायदादको मु सतसना कर्दियाजावे-

नवर्ष्यगर

ख्तासा

व्जमीमः हिस्यात नंब्रेश्मजरयः रहनी १११ प्रमु १ १ क्रियात नंब्रेश्म बरसन्१८८७ई बनंबरी६१मजरये १६मितंबरस म्१८६१ ई. बाबत ताँमील समन हायमुन संसी-

मजम्न वमुक्रमः कान्सवत्त्योबिंदरमयरे गामुद्र-वालावकान्हापिसरान छोट्ट कलालमुद्दाइलेदुम-दाचा १५/ह वाब तखतरहेन मुनिस्पान ने लिखाकि अन्द री मुक्दमःसमनव्रायतामील यानासवादी जेपुरमें नेजेगये थे-मुहरिंदनेवापिसाकिये न्रीरालिखाकि मार्फतथा नेके ऐसेता मी लहोनेकी मुमानिअत है- और महकाः अ तियः से६ अगस्त सन्१८ ६३ ई कोहिया यत हो बुकी है। के महरफत था ने दारों के सम नकी सामीलकगई जाय पसगीगई केनाम र्सहिर्यतकी तामील यानेदारन से करा नेके बास्तालिखा दियाजावे-

(14#) سے جائد و زما دہ میت (25) ي نفوا وسع توبعدر درد كري ما يوا زيرقر في ركيكه ما بتي حائدا دكومستنواكي तारीसमंज्री (८० केंग्ट्रें) २४ रिसंवरसन्१८ रेन्ड्र मार्डिक १ मार्डिक १ १४ فومبر مشتله وغبرى الانجرم واستم

(學)

(20)

نعنی۔ معنی مصنعون بقدم كانبا ولدكون رام داروج مدع - إلا وكانبالسان جمولو خطرمين رمنعنغان شداكها كاندين مقدمهمن برا لنميل نتباند سوائي مع درس بیج سکے سکے روران واليس كئة اور لكها كرموفت بهتاية کے ایسی تعمیل مونیکی محالفت ہے۔ اور فكمرخا ليرسع براكست متوودا به كويرات برمیل ہے کہ مونٹ بہٹ نہ دا ن كوميل كوائي مب يس كاري بالإيت كي تعميل كي بتا مروازي ر استسرکے واسطے لکہایاجا و

(१६्३)

(tn9) मदयन के नी लाम करायेजाने की रखोल करर رستيمن ورتفضيا جانتا وكانبي درج है औरतफ्सीलजाय दार्दीभी दर्जरर्खीस कते हैं और अयस्ततम्बराई मेजहा पुषद्गा درخواست كروسيتيم ين درعالت تتأديم لا इजराय डिगरीदाय रहोता है हर् दर्खी साडि جمان مقدم اجرا مذكري دائر سوابرح गरीदारकुरकीव नीत्नामकी कार्रवाई शुरुहोजा د خواست وگردار قرقی و شیلام ی کاردوانی नीहै बाज वक्तरेसीस्रत्भीपेश्रानीहै कि जरेडि رمع مرجا لتسبيح ليعفرون لفوا विमहोता है और जाये देंद्र जिया दः मालियत की नील ئىش آھاتى بوكەزر داكرى كومونا بوادرارد महें जातीहैं और मस्यूनको बजरवे मुग्फाया बम يأده البث كي تبلاد سرحا لي وأورد الاك हकाः आन्तियः यहउजरकरनापउताहै छीरका بررده واقتديا تحكرعا ليهبه عذركرنا فيرتام واور र्रवाई मुकर्मः इज्जरपडिगरी को त वालतहोती كاررواني مقدر لحرائدكرى كوطوات بولى है श्री फरीकेन मुंकरमः है गन हो ते हैं श्रीर अप्रात्नतका वक्त जी इस में सर्प हो नाहै इसि से सुनासि बमाल्स्म हों ताहै। की ऐसी स्त्रत्वे प्र अनिकी हालनमें जिसती रपरकार वाईहोना البيضي ويسترآ شكوحا لتماجيبط وبركار والي वाजिब्हें इसकी संग्रतकी नाकर्शामाह समतनारीकी जाया तिहा जा हिरायत ना रेबीजानी होकि -يهراتي سيعكر-يكوئي ولا ما المي وروكري كي जब कोई डिगरी स्राज्यमे ज्राहिगरी की तारा रसे जियादः की मतकी जायदाद् سيرا يا د ه نتميت كي حبا كدا والمولك सर्यून की कुर्क करावेना चास्यिकिजब इस برق کرا وہے توجا ہیے کہ حب त हार्नीलामी जाय दाद मर्यून पर्चस्पा بهار شلامی حارا و داوان میر مان कि पा जावे - उस द्शात हार्की भीयाद में ज हांसे वो ह इप्तहास्जारी हुन्त्राहे वहां सिमद मून इस कीबाबत अपने उजरानपेत्रा करें बादपेश होने उजरात के हाकिममु जाविजइस अमरकी सहकी कातकरले वे कि फिल वा के जाय शर्मरयून तारार. जर्हिगरी से जियादाः कीमलकी हैयावचा سے زیا دہ میت کی

मात हेत ने गल्ले ही दिलवाये जाने की तज वीजकी मगर्द्रजरायकेवक बंईवजहाकी डिगरीकेवक्तकुछक्जे होता है हंगामड् जर कुछ होता है फरी कैन की जानिब से उजरात चंद दर्चंद दुः जा करते हैं इस लिये बर्यक्षायं दः यह हिरायतजारी की जाती है। कि ऐसे स्वाग इझाके जो पेश्हों उनकी रस्मतो उसही रेजके निर्दि सेली जावेगी जिसरोजरावा इबति यई महि काः में या प्रराफामहिकाः बातार्स्त्रमें राय रहो- श्रीर दुजरा के बक्त तारा दुजराडिंग री की उस निर्व ग्ले से मुकरिर की जायजो।नि र्खेग हो का बतारीख़ दायर्हे मुक़दमः इजरा याडेगरी हो याकि डिगरी दार्अगर्असलग ल्लामुतद्गियः लेनाचाहेनो उसी वह्न उस उरनक्रसे उसीक्ररग्रह्मा खरीद्सके -

तार्रेख मनजूरी नबरश्चमार १४ दिसम्बर्सन्१८६३ई

खुलासा

iहेरायत बाबत कुरकी वनीलामजाय दाद्बकदर्मतालिवः।डेगरी-

बज्रधुन

मुक्दमात इज्जरपडिगरी में अकसर **डिगरी** दारानजायदाद्गैर्मन

الحت نے علی ولوائے جا يا وافتحكيم بالا دست مين د ائرسو-سي مقررك ملك جورج غا كابتاريخ والرسيخ مقدمه جراط كرى بو ياكه فوگر مدار اگرانسل علىمتىدغو يركىپىنيا ہے تو اومہی وقت اوس رر لفاسیہ اوسيقدر نطاخ رمد يسطير

مطب لبه فوگری-

(49) (22) (0)

और्मजस्ब होकर मरगया श्रीरकोई अन र्वुशतबातहकी कात से जारिरनहीं दुःश्रः ور تاسيمتوني كولسي يركيه دعوسط न बुर्साय मुनब्फाको किसी पर कुछ एवा بدتها كحام وامخت سف بتجوز افراج वो खवः घाहुकाम मानहेत ने बतजवीज़र्ष ش کونیا برمنطوری کے بہیجا-रजिमिलकोबिनावर मनज्रीके नेजा-نكرنا فلرجي دومسيط بعبدبهي ورج تؤمز मगरनाजिमजी शेसःनेयहमीदर्जतज كياكه دمس من احتاش مناني اليسو बीजाके मार्केपु लिसनेनाहक मिसिल बना وتوعد کی مرف طلاعی رسی ورج ई ऐसे व क्रे की सिर्भ इत्तलाई रपट दर्ज रो روزنا مجدبروجا ناكافي سبيه مقدمه وترب जनामचः होजानाकाफीहै मुक्दमः मुरति ذكر محكوعاليه تكحب اضروبهبين ब होकर महकाः आलियः तकजानाजरर ن برراس اظم جی کی مسلدرا م नहीं मगर्यहराय नाजिमजीकी अमलदरा كحفلا فتسب إمل فتمرك مقدات मद्बे खिलां भे है द्राकित्म के मुक्दमान رتب موسف بن اور وسلف یاتن ماک मर्ने ब हो नेहें जीरहो ने चाहिये तादिकेंडी کونی داروات اس بیرار مین سبخ ۔ वार्रात इसपेराये में द्व नजाय-ब बापिसीमिसिलक् मनजूरी इस्रएजवता بوابيري للنبظوري اخراج وتقليسل رواران أسيل كولكب كيا-मील सिर्दा एन ज्रपीलको लिखागया-أربخ منطوري तमीख मंज्री नंबरश्चमार् ENAS प्रिसंबर्सन्श्टर्ट इं खुलांसा दि स्यातबाबत ना लिशात बावेगल्लः इउस برابيت مابت بإنشات وعورغ سلة कें इजराप की-ا وسیکرا حراسے کی -मजमून इन दिनों में केई युक्त रमात ऐसे मुलाहिने में बुजरे हिंदी क्रिया कार्य कर कर कि यहर्यानने यद्वसितदगल्लेकी बाबतगल्लेकी । ﴿ الْمُعْتَالُونَ الْمُونِيلُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَعِلَ الْمُعْتَالُ الْمُعْتِعِلْ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالُ عَلَيْعِلْ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالِقُلُولُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَعِلْمُ الْمُعْتَالُ الْمُعْتَعِلْمُ الْمُعِلْمُ الْمُعْتِلُ الْمُعْتِمِ الْمُعْتَعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُعْتَعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُعْتِمِ الْمُعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُعْتَعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُعْتِمِ الْمُعِلْمُ الْمُعْتِمِ الْمُع गरादजाहिरकर्वे स्वेययराक्षेत्रेशोर हुकाम

पस न्त्रपर्श्यनकी स्यमरह्स्रमुखायना कएने कारावना गुनासिखनंही है- औरह सीवजद्से दिरायत मुनद्राः सद्राता है की गर्दी-

मिहाजागिरईकोसीसाजानोक् ज्यसस थींगीय क्रियो है मिर् एनधानेजातको सकार्रिताकी इतार्गीलाहिस यतमजरयः साविक करके नामीलकरोई जावे-श्रीरगीगईसे उसकी निभरानी कीजा । 🗸 वे जिस की जानिब से छदम तामीलजाहै। र हो उसकी निस्वत तज़वीज पुना सिव्छम लमें आवे फल फोरनीज वाजमुक्रमान कोज वालीमें नी यह चक्स देखा गया किना श्कामुन्प्रायनः डाक्ट्री नहीं करायागया चिहाजा फोजरारी में भी एक नकलवासते तामील के नेजीजावे-

तारीख़ मजूरी नबरश्चमार २५ नोम्बर्सन् १८ ६ ३ई 23

खुलांसा

दरबाब तरतीव मुक दमात फोती दगी इस फार्कियः -

मजस्त

मुक्रद्यः फोतीदगीद्तपादियः मुसमाचुना मज़दूरमुरात्तवः निजामत दोसः सेजादिरह उताया कि सीवारके साधायुद्धी विरा

ن بني - اور إسريك

اتف أفير-الفن أفير-مصنعون

وبواركيس نته خود بهي كرا

(46) (59)

वाजिबनदीहै गर्ज इससे कार्रवाई जरत द فليموسفستص होने से हैं-تارمي منظوري तारीख्यंज्री नंबरश्वमार ٥٧ وورسود ا २५ नोम्बरसन्१८६३ई रव्लासा ब ताईद हिरायत नम्बरी(४१) मजर्ये २० مريستوف أبي باب معاشينه واكري मर्सन् १८५३ई बाबत मुज्जायनः डाकटरौ سے فرتی تحیر معمولی -नाप्रहाय फोती गेरमामूली-मज़सून तहकीं कात मुकद्मात गरकीरगी-फोतीरगीकीबाबत बमु تحققات مقدات عرفيد كي وتبدكي المامية كارروابها تبانجا مبا आयनः कार्रवाई हाय धानेजात २८ भईसन می سویدا به کوسرفت گیرا کی سے تنباد دار ९८६३ ई को मार्फत गीराई केथाने हारों को ت كى كى بنى كەسب ۋىي مولى بور हिरायतकी गई थी। किजबकोती मामूली नहो لعش *كامعائنەخەردىگا يا جا و*-तब्नाशकामुन्नायनाजरूरकरायाजावे-मगरजो अमसलः इसाकिरनकीमहकाः आलियः में मनजूरी के वासी आनी हैउनके मु سمے واسطے آتی میں اوسکے ماصط लाहिजः से जाहिरहैं कि इस हि दायत की पू री प्रीतामील यानेजात में नहीं होती है अक सर गुक दमात ऐसे देखे गये। के अफ सरान धानेने यहालिखकराकै कोई अमर मंत्रात बः नही पायाजाता इजाजत रागकी देरी श्रीर नाराक मुळायना अकटरीन इंकिराया गया और जाहिरहै कि जिन मुकद्मात की नहकी اورطا مرسيمكر حربقارات كي صيفات कात होती है वोह मर्ग मामूली नहीं हुआकरती । سر تی سیسے وہ مرک^{م ج}مولی ^{نیا}ن مجرا کر

यह तफरीक उस दिययत में नहीं की गई

कि जिस में जिस टरेट के मुत्र शिक्ष के फैस
लाउस मुकद में का हो उसके सामने तस ही करों
से वयाम इकवात्नी की कराई जाय- वलांकि
मक़ सद द जराय हिरायत मजकूरका यह था
कि मेजिस टरेट के सामने तस दी कही जाने पर
मुल ज़िमको मोका इन कारका निमले और ब सरत इन कार उसका बयान इनकारी काविला
लिहाजन सम्रज्ञांवे-

मगर बाज बाज हुका म मात है न ने इसि दायत की मनशा के सम फ ने में गल ती की गीर विकेश में गल ती की गीर विकेश के सम फ ने में गल ती की गीर विकेश के सम फ ने में गल ती की गीर विकेश के स्वार के स्वार की स्वार में जिस तसरी के कर गा कि जिस की पेशी से में स्वार असमुक दमः का सारिश के या जार गा कि जिस की पेशी के स्वार में अफ सर पालिस बां री कुई ने इजहार असि यान मुकर मः संगीन की तसरी क मुंत की जिस के वां री कुई के साम ने करानी चाही तो उसने द्रा की प्रार के स्वार के स्वर के स्वार के

तिराजादुकाममात हेनको बजमीमः हिराय तसा विक मृत्तले किया जा वे किन बुशित सिक्की सी मृत्ति जमद्दे बाली मुकद्मः संगीन का वास ते तस दी कब या नके पेश करे तो बम्र जिंब हिराय तके का रैं वार् क्सरी क व कलम वंशी व या न मु लाजिमकी करदेनी चाहिये व वजह तम्र लुक निजामत दी गरके उसमें उजर व इनकार करना مقدمه كامرا وسيكيسا مسالف اليس

को बिनावर्मनजूरी लिखाजावे और असल गोर्कियाजासाहैतोरायमातहेतकी दुर्स्त्रमा يبح جواب من طوري न्महोतीहै जवाबमें मनज्री तिखीजावे + ताराख्यनजूरी त्र्नों बर्सन् १०६व दे ख्लासा नमीभः हिर्वतनंबर्ग्ध्यमनस्यः २०भावी दिः १.४.११९ ريناقال सन्१८८६ ई- दबिनतस्यैक द्कवाल मुला जिमानसंगीन-मजमून २०गार्च सन्१००४ ई० को हिशयत नंबरी (६२) रखाबतसरीक र्कबाल सलाजेमान थी संगीन जारी हो सुकी है। कि मुक रमात संगीन में जिल्ह जबकोई हलाज़ेम इक्यरतार्यातका करे तस् अलाजिमान उलिस् फ़िल् फ़ोरमुल जिम की गेबरफ़ोजरार्याना जिम पाठन तहसील दा. एंके कि जिसका जारवत या रात में जिस दरेश । किंद्र के प्रिक्त के कि राजसेना ताहु मे हैवासते कलम वंद कराने उसके इकररके पेश्र कर दिया करें औरहा किमानमजक्राबिलातवकुफ़फ़ीरन ऐसे मु लजिमके र्ज़होर अपने सामने खुर्उस मुल जिमसे वरत्वी प्रह्करालि खनादिया करें औ रवादतसदीक़ वसिवत दस्त्र खतमिसिल सु र् अलिसकरकेनकल फोजरुरीमेन्रेजरियाकी

या नहीं चुनाचि मुखतारान स्वयालत ने बड़ त्ताकाय्य पुनस्फीयहरायजााहर्की किन्नुगा रमीयाद्का उसतारीखरे कियाजाताहै किजिस तारीख को आ खिरीरकम नामकी हो वा नमाकी हो र्जरांय डिगरी में ती खाखिरी वस्ल से खंगा र भी याद्का होनावाजिव है खार अशे लंतकी गर्फतवस्ल हुआ हो खाहब तोरखुद दिया लियागंयाहोबतोरखुद् देनेलेने भें अय्लत को इस अमर पर गोर्करनाजह रहोगाकि मद्यून को इसदेने से इकरारहै यानहीऋगरद्रकररहोतेतो उसतारीख्से कियाजावे- अगरइकरारन हो वेतो अदालतसे बाहर दियागया इसके की करनेकी पार्सकेत हंकीकात करने की कोई ज़रुरत नसमजी जावे-मगर्हियायत जो १मईसन्१८६० ई को जारीहुईहै उसमें उ सकी तसरी है व तो जीह साफ तोरसे नंही है अगर उसमें तसरीहर जहाे ती तो मुनासिफान को इसमे कुल्र राक पैरानहो ता बनज्रइस लाइ ज्यायन्दः इसकी तोजीहिं द्रायतमेशे जावेतोगुनासिबहैमगरद्सकी इसलाह्वमन् ज्रीहुकाम बाला द्राहोजानीवाजिवः लियुज कागिजात महकाः अपील में बिनाबर्मनज् रिसद्रके ने जेजाब्नें- चुनाचि जबयहकागुजा तमहकाः अपीलमें पद्वेतेतो सिरदारानअपी लने लिखाकि एय अदालत दीवानी हमहेन निक्षित है। जदीक दुरका माल्य महोती है महका जातिया है है है है

بانفاق داست تواجرا روگری مین نبی آخری دھول سے شارمیا د کامونا واجیئے خوا ہ عدالت کی مول بوابوخواه بطور تودديا لما ليامو- بطورخود دسيني سليني مين ت كواس امر برغور كرما ضرور مو كا د مدیون کواس وسینے سے افرار^ع یانہیں اگرا قرار سروسے ٹونٹمارمیع س اربح سع كياجا و-ارا فراربوو

(100)

4447) -

वतहस्ति वग्रामे अलहरा यायरहेते शहनायातज्ञल्लुक्रां जिमज्ये में पहले मुक्रिश्कियागंयाहो उम्ही की मारफत शगरबकाया के वस्त की सरील वतामील भी कराली नांबेरेसान हो कि हरजगह से दोरे بافتاري زراري ديانوي برادي بو -तीनतीन ग्रहन्ः तत्रझ्कार्यस्मुकरिरकर् ا ذربیه بن عمل سبیل کو گریا ت दिये जावें और बाकी दारकी जेर बारी औरग वकी बरबारीनहों- श्रीरयही श्रमलसवी लाईगरीयातकी बाब्त जेज बीपेरावार वग्रेर्ट् होउसपरजारीरहे تاريخ سطوري तारीखं मंजरी नद्रश्रुमार १६फर्वरीसन्१८ ६३ई खलासा ت بمنر می ۱۷ ومورع ज़गीमः दिशयत ने बरी ६३ मजरयः १म المصلم بأست فا सन् १८६० ई. बाब्त कायदः इजर्याडे गरी पात् मजम्न سے دکری افتدادی او वमुक्रसः द्रज्यं य दिगरीतादारी रिष्ठ रुपये १० छाने हे पाई अजा रामसहायपु जारी ब नाम परशारी लाल व खेरती ला ا مرعاعليه والحت من الي ल कायस्य मुद्दा इलह-मानहेतमे पह वहेस प्रेम्शाई कि इजर्या हैगरीका मुकर्मः जोबाद्छः सालके रायरहोइ सतरहमराकि डिगरी दारु और मृद्यून में فأمكى طور تو وصول موا اوس كے खान्गी तोर्यरजो वस्तर्जा उसकेगा ا فرى وهول كى روى دارى كار ग्विरी वसलकी हमें डिंगरी के इजराकी لي ميواديا في رسي مو ومهار ميعاوكا मीयादबाकी रही होतो सुमार भीयाद أغرى وفيرل فأعى سيلامات काञ्जादिरी ब्रह्म स्वानगी से विपाला

(४५४३) जावे और्जोकोर्रगांवमुनफर्क एक ठिकाने के का बिल मालजब्त है लो ब श्ररह मुनहर जः बाला शहनः वतञ्चसुक्रार्कीतकरः री ब तज वीज़ तन रखाह ताराद मुनासिब अम लमें आवे मकसूद्र्स तकरूर प्रारह से यह है कि इसोजियार् ताराद्परतञ्जल्लकरार्व प्रहनः वुकरिर नही-(३) जो प्रहिनः भीरंत अस्तुक य्रमु करिर कियेजावें मोतिबर हो छोर उनका नाम दर्जी हुक्न करियाजावे और जमानत उसकी बाकायरः जीजांकरंप्रामिलिम सिलमुनाल्लकः कर्रीजायाकरे-(४) जिस्कररऐयाम मालजब्तमे तनरबाह्रप्रहनः यातगासुक एरको दि लाई जावे उसकाहिसाब मिसिलमें ज

सरदर्जरहे-(५) ना कियानव न्हसील दारशहन गीव तमालुक दारी पर किसी मुलाजिम खानगी अपने को मुकार्रनकरें बरनः मु सतोजिव बाजपुर्स सरस होंगे-

(६) अगरकोई शहनः यानअलुक्स र जाय नुकारिए से मेरहा ज़िर रहे लोउ स्का नदासक्व बंदीब्ल् फोर्न्हो नारहे-

(७) शागर के ई माहे काः शोरके ई किस्म की बाकी निस्वत किसी जागीरदार तनखाहरार्उर्की र्नामी वगेरह के है श्रीर्ड्स बकाया के काग़ज़ निजाम त

الشحة وتعلقدارى تقربري وتجوير تؤاه لاراس مسل في آو سے زیادہ لیے دا دیر حسافار مناسبررتبول-ت ارسکی با قا عده لهجا کرشا اسل متعلف کردی جایا کرے۔ ربهم بخسبس فدرابام ال ضبط مين تخوا مشحنه بإنشاق ارسبو دلاني حب وسه اوسكاحساب شن ه ادرادن نوالے کا عالم معد

बमुलाहिजा कागजात सरकार हरव परचः खबरतहसील लालसोठ मुद्द्रशोरतीला ल तहसील यार्लाल सोठ मुद्दा इलहबाबत मुकरिरकरदेनेशहनगी मोज़े शियो मडापटी क्षिश्रनसिंहपरतहसील दार नेमुलाजिमखुद को श्रीर्वस्तनकरनेजर्मिकारीके वाजहरू आाके तद्शीतातमें तक रूरी प्रहनः तत्र्यस्त्रक रार्मालजब्त्बेजाबतः हो नेसे के जिस्सेजर सिरकारी वस्र लहो ने में नुकसान सिरकार और जेरवारी गांच वालेकी जदूरमें आती है। लिहा जा हिरायात मुसर्ह ज़ेल का विल इज ग्रेंड्रे. (१) अगर्कोर्ज़मीन जुज़वीकाबिल

तबती हैतो उसका इंतजा भवजर्थे तहरीर मुचलकः वनवि प्रत परेल पर वारियानरेह किया जावे ऐसी जमीन पर प्रह्नः मुक्रिर कर्मा ज्वर मही-(२) अगरसालिम गांव हैतो पांचरूप ये पीहजार-आम रनी के हिसाब से प्राह

लिहाजरहोकिअसलनगांवर्सहजारकी जमाकाहेतोबाहिसाबमुन्दरजः बाला४०) रुका तश्रस्तुक्सरमुक्रिश्निकियाजावे बिल्क बलिहाज़ इंतजाम ब्रतारादगाह बार मनासिब तश्राल्लुकस्रामुक्रिरिकिया

नः मुकरिराकेषाजावे मगर इस अगर्का

ال فبط- م بلاضطر كاغدات سركار حسب برجيخه - إ الل سوتبه مرسع ميثورتولال بدارلالسونب مدعاعتيية مامت مقر يني تتحكم موضع كسومرا بتي ا وروصول كرف زرسركارى والم مردا كرمتنصيل تسلين تقررت عنة قلقدار بطراب فسالط بوسه مركرمس وا ول بوليمن لفقهال مركار اور زيرواري كانوداك كىظبور من أنى هى ابندائدايات مفرحرفيل قابل اجرابين-(۱) اگرکوئی زمین سبنروی مت بل

المنظی سے تواوس کا اسطاء فرائے توہر محیکہ و نوست مٹیل مٹوا رمان وہیم کیا جا مافرور نہیں -کیا جا مافرور نہیں -فی مزار آمدنی کے ماہے تو یا پنج رہیں فی مزار آمدنی کے ماہے تصنیفرر کیا جا ہے - مگراس امرکا کھی اظ رسیسے کہ مثلا گا نو دہل حسار کی

ما تعلقدا رمقرر تمهاجها وس بلکه بخه زانطف متجدد د ما بروار ماریمی معتقدار مقرر کسیاجا دیسے 8

मजमन

फोजदारी व निजामतों में जोशसानब सीगेलावा रसी इसाते हैं उनकी चराई कारूपया राज से दियाजाताहै मगर्दरखारत मनज्री ज्राचराई के साथ को र्ऐसा नक्ष्रा नहीं आताही जिस से हाल जामदनी छोर् सर्च काजाहिरहो-

फोजदारी स्रोर्जुं मले निजामतों से हमरा ह्नक्श्रमाह्वारी र्ख्याजात के जो बिनावर मनज़्रीज्ञाताहै एक नक्षा हर्ख नमूनामिन सलकः के आना चाहिये लिहाजा फोजदारी और जुग ले निजामतो को वितरसील नमूनामि नसलका श्रीर्शेबकार्हा ज्ञालिखा जावे। के माहरवांसे इसकी तामील करेने-

नमूना नकश्। चराई एसान लावारिस

म्हकाः बाबत क्या प्रक

९४ नोंबर्सन्१^{८६}३ई

काययः तकर्रीश्रहनः वतस्र खुक्यार

اوارني الي بين ا وعي جوالي كاروسولي حال آمدتی اورجیع کا طاہر ہو۔

وترتب ومبيع तरकीं बरेजिस्टर्-मजमून जोहिस्यत नंबरी ११६ सन् १००५ ई बाबत कवाय रतलनी मवाहानके जारी थेउस्ती द १८) मेंबाब तर्तीबरेजिसटर झज़री गवा हान के दिय यतदर्ज है मगरसररागन ऋपीला लिखते हैंकि दरयां क्र से मारत्म दुन्त्रा कितामीलत रतीबरेजिसटरकी किसीजगहनहीं दुईनमू नारेजिसटरकाजोदर्ज कैपियत है नेजकरह कामको नामील की तवज्जह्दिलाई जावे-चुनाचिजवाबमें सर्दारान ज्वपीरनको मन जूरीं लिखी गई नम्नारु जिस्रप मवार मवारम् सन्दर्भः नान्द्राभ अन्त्र त्रम أريخ منطوري नबरश्चमार १२ नोम्बर्सन् १८६३ई ख्लासा चराई मवं प्रीलावारिसका एक न केशा माह्वारी आया करे

तो उसमें तसरीक इजहारात की बहेस है सर्ह त तहरीर इबारत तसरीक की कुछ नहीं हैं सो द स के बासते को ईतरीक: मुकरिर हो जा बेदिस बजगह यकसा कायद: रहे-

चुनाचि हिरायात मुन्दरमैसदरको देजा प्रयानो गो वसमें यद सराहत नहीं की गईही कि द्वारत नस्यी के इसही मजमून के द्वारा प्रद र्ज माने मगरजो मजमून कि विनाबर तस ही के द्वारात दर्ज है असका साफ मन प्रायह है कि इज़ हा गरिहंदः से हा कि मत्तरही ककों और उसपर बाद नस दी के के दस्त खत कर दे ऐसी स्र रत में मिला तहरीर द्वारत के सिर्फ दस्त खत कर देना ठीक नहीं हैं—

जाने कि जा मले दु का म मात है तको मुत्त ले कर दें कि व मू जिव हिस्स्यात साविकः दू जहार अपने एं कर अंगर अपनी निगरा नी में तहरी एं कर वें व वाद दूरिर इन हार के दू जहार दिहन्दः को मुना कर नव कि वो ह इक रार करे तकि मेराध ही व यान है तब उस पर इवारत तस दी क कर ने इजहार दिहन्दः के लि ला कर बादत हरिरत हिस्स के अपना दल खत कर दिया करे-ने ला राष्ट्र मार तारिस्त म जारी

मज़ीद्ताकीद्तामीखदिय्यतनम्बरीश्रह्तन् १८८५ ई-बाबत कवायदत्तस्वीमवाहानव

(11) (7 5) युजारी सालानाके इसकी वावत सुफस्ति ल रिपोर्ट दर्जकरे किएक सालका पिछला काग़ज़ व मुजिब हिरायन के महाफिज दफतर ने छांट दिया और इसकरर रही काबिल फरोर्ड्स बराम र दुई मान्के जसके फरोर्ड्स व नीलामकीबाबत्हुका सादिर हुन्द्रा करेगा-

महिसमात मानहेत को बिनाबर्ता मी ल लिखाजाके ओरतहरीरहो कि इबातिरायस न्१८६४ ई से इसका द्जरा अमलमें लाया।

नबरश्चमार नारीखमंजूरी द० १२नोम्बरसन्१८६३ ई०

जावे

खुलासा

जमीमः हिरायत नंबरी दसन्१८६३ ई.व १६६ सन्१८६५ ई. बाबत तहरीर इवारत तसदीक दजहारात-

मज़ सून

सिरदारान अपील लिखते हैं कि एक मुक दमः में नाज़िम जी शेरवा वा ही ने द्ज़हा गतप रम दिस्त खत ही सिच्च कियेथे द्वारत तस दी क़र्ज न ही की थी दसका सब ब प्रजातो यह लिखा कि हा किम की दस्त खत ही तसदी कहें - द्वारत के लिखने का किसी हिरायत में दुक्त नहीं है चुनाचि हिरायत नंब्र एसन १८०३ ई १६ दसन १८८१ है को देखा गरा د با اوراسقدرر دی قابل فردخت لرمد عن لا إحلا

مست المصنه فهیمه ایت نمبری پرسشاه و ۱۹۹ مرهشده ۱۶ باب تخریر عبارت نفیدین اظهارات-

مسرواران امیلی ملینمین کراکی قدر مین ماطر می شیخا و اقی سے اظہار ا رصر شخط می شبت کے تبیر عبارت قدر ای درج بنین کی ہمی اسکا سبالی جما تومیہ کو کہ کر حاکم کے و شخط می تصدین میں عبارت کے لکنے کا کسی مانت میں عبارت کے لکنے کا کسی مانت

तुनारि र्घकेवास्तेयहतरीकः माल्महोता हें कि जिन माहिक मात में कि दफ्तरकी छोंटही चुकी हैया आयन्दः छांटखतम हो जायतो व हां के मुहाफिज दफतरका जिमाः एक्वाजावे किनोह हर्साल एक साल गुजि प्रताकेकाग जात को बम्जिव हिरायत छांटके हां रियाक रे मस्लन अपील में सीगे फ़ोज दारी के मुक्द मात सन् १८८४ ई तक ख्रुटगयेहैं न्त्रीरन्त्र रात्नतसीगेके सन्१८ ६० ईन्तकतो मुहाफिज़ इफ़तर्सन्१८६४ईभेंकागजातमुक्दमात फेंक्जयरी सन्१८८५ ई. ग्रीर मुक्दमातं अदालत सन्१८८१ई छांटदे- दूसीतरहसन्१८५ईमें मुकर्मानकोजदारीसन् १९८६ई- और मुकद मातन्त्रदालत दीवानीसन्१८९२ई की छांटकरे जिस्ते पहनतीजाहोगादि जिसक्रर्अस्तेका कागज तमामवकमाल दफ़तर्में रहनाचीह केमोज्दरहेगा छोराजिस कदर जियादः अर सेका होकर्बेकार्होजायेगा वोहकाबिल छं टकेहरसात्न छ्टजाया करेगा हरमाद्वारीपर हाकिम महकाः अहा फ़िज़ दफ़तरके कामकी परताल करालियाकरेकि आया उसने काम छांटद्फ्तरका भी किया है या नहीं और्क या है तो किस कुदर्श्यगरका ममें कमी देखे तो मु नासिव हिंदायतक रदे छोरमा इवारी नक प्रेमें द्भकानीसिर्फ इसकदराजिक रदर्जक रदेकि मुहाफिजदफतरनेकाम झंटकानी।कियाहै श्रीर इरतता मसाल पर हमशहरिपोर्ट फार

موحكيسيريا أينده بوبانط ختم موحاور لمروه برسال ابك سال كزشته كزكانندا لوموحب مزامت جهامط كيجيانك ے سٹال اسل میں صیفردوں اری کے مقدمات المحيث المؤثث كرينط لوين عدالت صفرك نشاء مك- توموا وطرم مير <u>و المين كاف ا</u>ت مقدمات فوحداري مصيدانه اورمقدمات عدب المراء ومانط وساسيطرح فواداة مره مقدمات فرحداري كشث لا ورمقدما عدالت ويوانى مششاه كى جيانك كرے. كيه منتحاموكا كرحستدرع وسر كأغذتهام دكحال ونترمين رمناج إسمي اور ميفرر رياده وعوصر مكارموها وسيألوه فابل حيانك والمقدر ذكرورج كود لامحافظ فرك كام جبانث كابي كيا اوراضام سأل يرعمراه ريورط كاركزاي

मजमून चो किमहक्ताः अपील व अय्लत की वानी फाज़दारी मुनसफी के दफ्रतरों की छार हो नुकी है युनस्फी के रंफ़तर्की किसीकद रबार वाकी है जिसकाका म अर्जा जारी है औ रनिजामन प्रेखावाटी व सांजर्भें भी छांटरफ तरकाकाम जारं करदिया गया है जुनादि दर याञ्गसे मारत्म दुन्त्रावि महकाः अपील में मुकदमातसी गे फोजदारी के सन् १८ ६॥ ई. तक और मुकद्मात अदालत दीवानी के सन् १८८० ई तक के कागजात की छाट ह र्र्ड्हे और अयालत में संबत् १६४६ तक के कागजातस्टेहें और फोज दारी मेंसन्१६ ८६ ई तकके कामजात छांरेगचे-श्रीरमु नसफी में सम्बन् १६४४ तक के और सब किस के काग्जात छ रगये-इज एय डिगरी की अमसल: कि सी करर वाकी हैं जिसकी छांट होरही है-अगर किसी कदर अरसे तक पढ़ कार्वा एए हिंग ई विला खांट केरही तो जिसतरहसे कि अव इसकी जकरत पेशशाई श्रीरवस्त्र कसीर तरह सेजसर्त पेशक्रावेगी-इस वास्ते वर्ष आयन्दः कोर्कागदः मकरिरहोजाना वहतरमालू महोता हैता कि वक्तन फवकतन इक्तर की छांट हो। एडिनेना ८ तीर्हें और नतो कागज बहुन सर्प कीज हरतह

يوندمحكمرابيل وعلألت دبواسيلة الدوفرون كياس والرمحكم إبل من تقدما صيغه توخداري مستم ممكنه ويك ا درمقد مات عدالت دنوانی {منشداح المحافظة الشجيئي مولى ورفوهار محان المماية ك كركاء ات بماستركنے

श्रीर्जवाना न मुलाजिम बेंड शुलिस दे पसतः कद्नहीन ऐसे ज़िया रः कदके आद्मी मितन सकते हैं और पेमानः अब्तक तोकोई मुकरि रः नहीरुजाञ्यगर्यनासिब होते पेमानः युक रिर्करियाजावे जो साद्धे पांच फुटका होना नाहिये चुनाचि द्रया क्षकिया गया। केइन जवानों का बुमूजिब पेमानः के क्या " रहैतो तिखते हैं कि द्रमा भ बख्णा का कद पांचुकुर साहे पांच इंच्छ ग्रीरनने खांकी पानकारमाढे ४ इंच्छ है जिस्ते ज़ाहिरहै कियह हर्दो जवान बम्जिब पेमाने के पूरे कर्के नहीं है मगर्चू कि अबतक को ईपेमा ना मुकारिर नहीं था और र्गामवर्का सि र्फ आध रंच्छ कम है रसालिये इमाम बर्बा की तो मनजूरी लिखी जावे जीर नने खा पेमानः सेब्हुतकमहे इसालियेकाविल मनजूरीके नहींहै जीर आयन्दः सादेपांच फरसे कमकद केन्द्रादमी बेडे प्रातिसमें मरती नाकियेजा वें फोजदारीको वास्ते तामी तको लिख नावे तारीख मनजूरी नम्बरेश्रमार १२नोंबरसन्१८६३ई० खुला सा हिर्यनवाबत ह्यांट र्फतरमहक्तात मात्हत

بداري كوواسط ممل المحتنظوري

(36)

दरमद्रहना चाहिये अगर्कोई तकसीम لسي عدالت بن كمقيت بمشامب नामः।किसी-अदालतमें कमकीमत इस्हाम्प يرميش بوتواكسيرما فاعده احسن पर्पेश होतो उसपर्वाकायदः अखन्ता تاوان كى كارروانى كرناجامية اور वानकीकार्वार्करना चाहिये श्रीरेजीस بوك ده كاغذ يرمواره مو تو وه اگرى दा कागृज् पर बटवा ग्रहोतो वोह अगर्वा اجسيرة قا نوان مذكور لكها ألي موكاجية द्रजराकान्न मजक्रके लिखागयाही باعت مي نهين كيب جاسبے كانہ गाजबतोसमाञ्चतही नहीं। किया जायगान مثها دت وتبوت مين لياجا سفي كا -ادر शहादत व सबत में लियानाय गान्त्रीर جوت نون مذكورسيسيت تركا لكهابوا जो कानून मज़क्रसे पेशतरका लिखा दु ميو گاڏا وس پر کو ئي اغراض نه سوڪ आहोगोतो उसपरकोई ऐतराज नहीस केगा-ارنيم منظوري लारीख़ मनजूरी नंबरश्रमार ३०अकत्ब्रसन्१९५३ 30 A) tre .सुलासा बेडेपुलिसमें सालेपांचफुरसेक्षमकद्केश्वार भीभरतीनकिये जार्वे-كة دمى برتى نه كئے عادين-मज़ स्ल नक्षो भाहजूनसन् १० से इसे मुसामिया। । । वर्षा भारती । वर्ष _{اما ن}م شن وننی خان کو درج لفت न र्मामवस्या्वने खांको दर्ज नक्त्रे मुलाज़ि मान बेडे पालिस करके फोज दारजीने मनजू । १०० दे रीवाही श्रीर दोनों जवानों को विनावरमुलाहि अपेष्टर १ जेश नेजा-चनाचि पस्तः कर्णाल्सहोक्राना भज्रकियेगयेथेभगरफाजयंजीने मुकर्शिक (९.ग्रंग्डें) र्रयहों लिखाकि यहस्तवान बनिसवता فيراكريدي المالكي المالك ا

र्रावास के बारेमें इस एय के साधमहिका अपील मेमनजूरी चासी कि पानं दी कानून के लिये एक र्षतहार इस मज़म्न का जारी हो ना चाहिये कि जनवरी सन् १६ रिश्रई से आय इः का लिखा दुः शा ऐसा तकसीम नामः किती पूरेकागृज्यर इस्तमनशाकान्न इस्टाम्य होजायज्ञनहीसमजाजायगा श्रीरन ऐ से का गृज़ की कितन्त्रन समान्त्रत हो गी और आयन्दः ऐसाही अमल दरामद अदालतों में रहना चाहियेकि आमलोग पाबंदी कानून केकारबंदरहें -सिरदारान ऋपील ने अंप्रपनीरायमें लि खाकि जब कान्न इस्टाम में यह अमूरद र्ज हो चुके हैं कि काग़ज़ सादाकी तहरीर अदालत विजीए नंही करेगी पसअबद बारा इपत हार जारी किये जाने की जरूरन नहीं माल्र्म होती बम्राजिब कान्न इस्टाम्भ अन लदरा मद्रहना चाहिये अंदरीस्रत इज राय दूप्तहार्की बाबतजी एय मुरन्नारान अस्तत्ने दी है ठीक न्हीं है बाकीएय द

> र्सन्१८६३ ई॰के महकाः आलियासे र्सतसबाव किया-जिसपर् जवाब में लिखागया कि जबनक सीमनामे की बावतकान्न इस्टाय मजर गासन्१८६१ ई-में सएहते हो बुकी है तोव म्जिवइसके जुमले अराल तो दें अपल

در فوارث کے بارہ من اس را کا محكر ابل سے سفوری جاہی کرا بندی قاتو لئے ایک ہا راس ضمون کا جاری برنا چاہئے کومبزری می<u>امی است</u>امیدہ كألكهابوا ايسالقيسمامه كرجويوكاعا سن منسك فا نون المستمامية بهوهامر بنين تمجما حاسقے كا اور نہ اسلى كاف ز ى قطعساً سماعت ببوكى- اورآسينده ايسالتي لرا در آمري د التون مين بالبيئ كدعام لوك أبيذى قانوك ر رہیں۔ ران ایل نے ایم کے رکاما ب نون مسلمب امور درج بوسط من كوكا غذماده كى مخسريا ت بزیرانہین کرسے کی لیس اب كل درآ مرمبراچا بيئے- اندرين صورت रलही जीरबजर्य कैफियत प्रक्रब

(45) मज़मून می تراین مرحی میمن ک (46) बाक्रस्मःश्रीनारयनगुद्द्-चिमा न लाल बिगररण मुद्दाङ्लः दावी बदातूर खुले रहने तीन द्रतिबारा- मुनासिफ़ों ने रो अगर् मुनद्रज्ञः ज़ेल की मनज़्री मुखताए न अदालत से नाही थी-् (१) एक यह है कि कानून इस्टाम्प मजर्यः सन् १ बर्द १ ई में तकसी म नामें की तहरीर के लिये का ग़ज़ इसटाम्य बर्गरहक्षीसदी एंक रुपया मुकरिर्किया ग्या है बिलमकता एक रुपये का काग्रज मुकरिर होनाचा हिये किसालिये कि जो का यदा इल्ल **राय दुज**री य काग्रज इसटाम्म से मुक्रिरिही चुका है उस काःतर्मी म व तन सीख कियान ना मुना सिख नहीं है (२) दूसरा यहां के आम लोग काय दे। १०८७ व्यक्त की पाज़न्दी नहीं रखते वतो रखु दकोई साद काग़ज़पर तकसीमनामः लिखवालेता एग्रिश हैं कोई इ्हाम्प परालिखवाता है मगरका ग़ज़ कम बेश की मत का होता है को ईबही में ही वरवार स्र्वकरलेता है और दनह ऐसीकार्वाई दी यह है कि ऐसी तहरीए तपर ऐतराज नहीं होता बलाकेजब्ऐसा काग्र मेप्रहोताहै उसपर अदालतों सेलि विर्धार का मार्थ का मार्थ का मार्थ का मार्थ के साम के साम के साम के साम के हाज़ होकर तज़ बीजें सादिर होती हैं-मुखतारान अदालन ने दरखात्त्र । कार् व्यलको तो नामनज़रकिया और दूसरी

منيعين ورشاره منصفون مندرمه ديل كيمنظوري فحاران بمفررب أج كى دېروكونو برين صا درېولى بن-وتونامنطوريا- إوردو

दर्भाक्ष करके त्यान कि गई हो बलकि ता वकतेकि कोई शरक प्रारिक वारंदा त नहो ऐसे हालात उसकी जानिव से ब यान किये जाना मुमकिन माल्यमनंही होत द्स मुकद्मे में मुलजिमान को दोहोस ल केर्की सज़ादी गई है और उमराव सिंह नी मसावी सज़ा के क़ाविल है गगर चूंकि इ तकी वं खबरी से बरमदगी माल की हुई हैई निये मुनासिब खयाल कियाजाता है कि दी गर्युलानिमान सेनिस्क सजाउस को दीजा वे इस लिये उम एवा संह एक साल केंद्र हे और फोज दारी को लिखाजावे कि आय न्दः जब किसी मोके परजरुरत मुकाफीक सर्किसी मुलाज़िंम कीमुना सिव मालू महो तो अवल महकाः भानियः से बाजावि तः ननजूरी हासिल करलेना चाहिये बते। खुद् विलामनजूरी महकाः आलियः के ऐसी कार्वाई जाबितः के खिलाफ़ है तारीख़मनजूरी नब्रश्रमार् २५अक्तूबर्सन्१८ ५३ई 99 खुला सा

बज़मीमः कानून इस्राम्य मज्रायः सन् १८६१ ई-बाबततहरीर तकसीम नाम जात व कराविल कबूल अवालतहोने नहोनेके-

(44)

(थथ)

लेना चाहिये दकाम मातहेत वतोर खुद बिला मन्जूरं महिनाः स्नालियः नजबील् मु आफ्रीकस्र नहीकरसकते-मज़मून वयुलादिजः मिसिल युक्तरमः सामान युद्धा ने मुहाद्लः अपीलांट- बनाम गनेशी लाल ब्रह्मन मुद्द्रिसपान्डन द्व्वतचे री ४८६/रु व वरमदगी मालजाहिर दु आंकि उमराव सिंह की मुन्नाफ़ी कस्रकीवाद कोई मनज़्री वाजावितः हासिलनहीकी गई थी श्रोर सिर्फ उसकी मुखबरी श्रोरनि ग्रा दिहीसे और माल बरामदहोनेसे पुलिस ने उसको काबिल मुन्त्राफ़ी मुतसबिर दर्ज करदिया और फ़ोज द्रार्जी ने उस की मुखा भी कसर बरी करदिया हालां कि कायदा यह है कि जिस मुल जिम की मुखाफी कस् र्व वजह मुख्वरी व ग़ेरह के होने वेउस की मनजूरी अनल माहिकाः आलियः से हासिल करली जाती है बिला हस्लम नज्री के कस्र का मुख्याफ कियाजाना गातहेत से खिलाफ़ जाबिते के दुन्त्राओं रबयान मुलजिमान हेउस का प्रशिक वार दातासरकः होनाजाहिरहै अलावा इस के जो हालात उमस्व सिह ने वयान किये श्रीर व म्जिब उस के वरामद्गी माल ममह कः केड वे वीह ऐसे नहीं हैं कि किसी जर्ये से

برممن مدعى رسسيا ندنث عظ المعاك ومرآمدتي الطاس ت مذہبی سے ورمال مرآمد موس تساوسكو فأبل معافي متصور ردیا اورفوحدارجی سنے اوم) می قصور بری کر دیا - حالانگرفاع^ا سے کرمیں ملزم کی معافی قصور ارص ى وغيره كرمولى سعي اوسكى بطوري اول محرعا ليهسه خام رليي أيسي بالصول منطوري ے تصور کا میا ٹ کیاجی ا مامخست سي خلاف ضا بطر ا در ربای طزمان سے اوسکا لى بولى وه البينين بن كرسبي در ليبه

मुलज़िमकोरेकर्पानी पनिगया-पुलज़िम नेजब महणफ़ल तरेखिळंड पर्सवार्हीकर भयह्णकड़ी जो उसके हाथ में थी और दीगर असवाब के वहांसे फरार हो गया-स्वारने अगराज तम्राक्जब उसका किया मगरवो इस वार्था और यह पेयल था गिरफ गारी हे नाका स पावरहा और अनजा मका र एक साल की कैट निसवत उसके तज वीज हुई-

चूंकि यह नाकिस तरीका चालान का ज़ाहि रक्ष ज्ञाकि जिसकिसी जुलाजेम के स्वव्य केंट वरोर ह सवारी होती है उसी पर उस को सवार कर के चा लान कि माजाता है सवारी से अलहरा चालान अहल में नहीं आया लिहाजा मुनासिव है कि विनावर इन्सदाद आयन्दः चालान मुलजि मका अलहरा हिरासत जाबिते में कि याजाय और उसकी सवारीका जुरागाना जुमले थाने दारान विडिपटियान को मार्फत गीराई के ब मूजिव उसके कार वंदरहने के लिये लिखा जाने-

नंबरश्रमार तारीखमनज़री ७ई २२अक्कबरसन्१८र्ट३ई॰

.रवुलासा

अगर्किसी मो केपरजर्रतमुत्राफ़ीकस् रिक्सीमुलजिमके होतो अब्बलमहक्तः आ लियः से वाजाबितः मनज़्री हासिलकर

اكرص تعاقب اوسكاكما مكرمشوا ربنبه باجاوسسے۔

(4a) (4g)

(44) (68)

युक्तदमात बाब्त आसामी चेले खवासी औ उ रजायदाद्चेले खवास की हो उसका तसाप्राप अयलनसेन होजोदीगर जायदाद जानी किसी चे ले खवासकी मोरुसी या मकस्वः हो उसकी म माअत अदासत दीवानी से की जाने की मुमा سركنى حانكي مالعت مبري ہے. निछत नहीं है -तारीख्य अनजूरी नब्रश्रमार الراكوبرسولاء (0) **१**४ञ्जक्त्वरसन् १६६ई ye (Ke खुलासा युल ज़िमकी सवारीका चालान मुल जिमके वा अध्येष्ट्र अध्येष्ट अध्येष्ट्र अध्येष्ट्य अध्येष्ट्र अध्येष्ट्र अध्येष्ट्र अध्येष्ट्र अध्येष्ट्र अध्येष्ट लानसे जालहदा किया जावे-मज़मून निज़ामतरेनीइलाकेबीकानेरसे एक मुल تطامت رسي علاقتهكا نيركواكب किम देवत्नातारनामी मयः अपने मालवन्नसवाव केकिजिसमें एक ऊँरजी उस्कायानिज़ामतशे كے رحبین ایک اونٹ بھی اوس كا खावारीमें नेज ने की गर्ज से थाने खणाने चालान بنانطامت سخاوا في في بجولي وص कियागया- असनाय गहमें फेज़ उद्दीन सवारकी निर्ण हैं के प्राप्त कार्या कियागया- असनाय गहमें फेज़ उद्दीन सवारकी हिरातसे फरारहोगया श्लीरसम्बद्भवाक्तये की निर्मा हिरातसे फरारहोग्या श्लीरसम्बद्धां विकास किया है। योंपेण जार्कि सवारनेशपनी रिज्यू के रेजा है। सवारीतोलीनहीजोमुलजिमकाऊँरथाउसे ए वले आसनपरखु द्वेठिलयाशीर्आगलेश्राम् हैं। हर्ने क्रांसनपरखु द्वेठिलयाशीर्आगलेश्राम् न्पर उसको विठा लिया गहमें पानीपीनेको लिये [न्ये रूप्ये प्राया ती उतार श्रीर खुर जी उत्तर हो एक र की नके ला कि में के की नके ला कि में कि की नके ला कि में कि की नके ला कि नके ला कि की नके ला कि की नके ला कि नके ला कि

वरश्रमार ताराखमज् _र९२अकत् बरमन्१८६३ई

जभी में हिदायांत नंबरी(१२) मजरियः १६मार्चसन्१८६३ई:वनम्बरी(४३)मजर् यः ३० मई सन्१८६३ई- बाबत समाञ्जत नालिश्गतखवासचेलोंके-

मज्ञम्न

व मुक्दमः राम कवार्युमा प्रताख्वासहर नार्यणाजी खिलफ़खवास रामकिशोरजी युद्द्रिंगनिश्नवश्मियाव एमजानकी दास ना वालिग़ पिसरानराम किशोरजीव विलायतमुस्मात धंनी वास्तरेमुस्पतिहम लि

रावा इसत्क्रगरहक बाबतजाय ्दार्मोरुसीव मकस्वः व सवव म ख़बूतुल हवासी प्रर

मुख़तारन अद्गलत दीवानी ने बजरक

कैपिंघत ४ अकत्बर्मन् १८ रें ३ ई॰ यह इसत सवाब कियाकि ऐसे मुक्रमात चेलान की स माञ्चत कीबाबत मुमानिञ्जत आचुकी है

न्त्रीर वालिदः फरीकेन वजुभरः खवासान

के हैं ज्यदालत इसमुक्रदमे का फ़ैसलाकर

सकीती है मार्नही-

जिस्पर्जवाव में लिखा गया कि जो दिय यत दरबारे समान्त्रत मुक्दमात चेत्ने खवासा नजारीदुई है उसका मनप्रा यह है किजो

يبديدا اليث كمبري (۱۴) مجرس

۱۹ مارچ مسافره دام و زری (سالم) مجرمه بسرمني مسوواع بابت مسساعت اً لت تخراص حِلون کے

رام كواركات في الموارين عي

جائرا وموروتي وكمويريم مخبوط الحوامسي بدر

مخنأران عدالت دبوا فيسف بزرميه

جارى بوكسيم وسكا نبشا دبيه مركاج

(4/4) (68)

इन किज़ाय मीयाद रहेन मुरताहिन नेना لے قسین مالا محامی کی و کری صعی लिश् करके कक्तमाला कलामी कीडिगरी ل کی اور بدرخو است मुनसफीसेहासिलकी और व दरख्वा نبقي الاكلامي مفسدم ربعبيغ स्न कञ्ज मालाकलामी मुक्र माबसींगै احبسدا دوائركيا . इजग्रायराकिया-مصفون نع مخاران عدالت युनासिफोंने मुख्तारान अय्लत्यी د بوانی سیم تصوا*ب کیا کوہنسگا*م वानीसे इसतसवाविकयाकि हंगाभद्रज اجرائد گری نبین مالا کلامی ش کارروالی राय।डिगरी,कबज़ मालाकलामी मिसिख कार्वाई खतळपीइप्तदार जारीहोना चाहि येकि अगर्किसीमो केपर दावी शका पे शहोती لئے کہ اگر کسی موقع پردعوی वनजीरमुकदमातकाप्रीनाथजोहरीबाजा बताउसमें तहकीकातव तजनीज़ साद्रकर नेका मोका हासिल रहे और बाबत हक खालि كحقيقات وتحويزها در إنسكاموقع عالمام साव बका याव जुर्माने की भी के फियतें जारी ت حق خا تصدر بقاما رجرانه وربي ى مواكين كفلش كارروا أي مني दुआकरें कि खालिस कार्रवाई में जो दरपेश हैं रफ़े होजाय-مخذران عدالت ديواني نياس رآ मुखतार्न अय्लत रीवानीने द्सए سے اتفاق کرکے اس کولکہا بسرداران यसे इतपाक कर के अपील को लिखा सिर ایل نے ہی اس راہے سے اتفاق کی او दारान अपील ने भी दूस एयसे इत फ़ाक़ कि या औरकागृजात इसतसवाब के लिये गहि काः आलियः में होजे-عب لبيمن شيح चुनाचि जवावमें लिखागयाकिजबरी रूप् प्रिंग्य युक्रदमेकाणीनाथजोहरी के दावे प्राक्षाकी नजीरमोज्द्होना खुद युनसिपीकी तह रीरमें मोज्दहै तो फिरम्बाफिक इसके میں موج دہیں تومیر موافق اس کے अमलकरना चाहिये--2-615,4

(य)श)

खतबजाविता (जसरी होना चारि ये ग्रीर बाजारिका तास्त्रेन लेना चाहिये امت الموس محمدي المستم इबतिदाई में ओ मुद्दा अलहने हस्त काय Vos il Joseph स् साबिक ७७) हवये का काग्ज़ इस्सम तहरीर खतमे लगाया यह उसकी गलती है-भीर्अएल काग्जात नेज कर्यहा से दूसतस बाबिकिया - चूँकि रायभिरदा रान ऋपील की दुरुत्त थी लिहाजामनजू रे लिखी गई जोरतहरीर दुजा कि वाके र्जो ज़ियादा की भत पर्वत रहेन लिखा गया महलिखवाने वालेकी गलती है-ग्रदालन के इका से ऐसा नहीं किया गया जैर अबिक्र खज्ञा वानकी कार्वाई में अय्ला इस वेशी कीमत कामज़ को भुजए दे इसलि ये अन्नाच। कीमतकागज़के सादानका लि كالياجا نامناس याजाना मुनासिच है। तारीख़ मेनज़री नवरश्चमार् देशकत्स्वरसन्१६दे 93 .खुलंगसा हंगामइजरायिशिक् कुमालाकलामी। विश्विष्ठ गरि कुमालाकलामी। विश्विष्ठ गरिक कुमालाकलामी। विश्विष्ठ गरिक कार्रवाई खतछ पीके इजरा المضرباركابواجا يبير वद्रमतहारका होना चाहिये भाजभैन वज्र्ये खनग्हेन मतेब्या संबन् १६०७ | 19 जायदार् खेरातीधोवीकीम्हमुद्रांतापिसप्रेली व्याद्वीदेहां च गलां अस्ट्रेनहो करता मिपोद्य موره رابن كفيف الن اي اوراد करिंश यरतहेन के कच जे में रही और वा

(93)

कों कि अव भी जव जमा खर्च नवी स 18 कलक टरी अपने खड़र्म जमा खर्च अ दालतेन का करता है तो बोही नतीजा नि कलता दे नम्बर्धमार् 13) श्वासितंव्यस्नश्टरें अर्द्रे अगर कोईश्रेक इसटाम्य मुकरिरः सेज़ियार कीमतके कागृज पर्तमस्तुक लिखावे भगर उसकी बाकायदा न छपावे तो बेंह की मत कागुज़ मुजरानहीं हो भी-تا عده ا وس سے تا وال भीरहरू कायय् उससे तावान लियाजा वेगा-मनमृन निज़ाम्त हिंडो ने में रामकरनजोशी टोडा नीम ने मस्नलाल जोशी की निसब و در مهیر نے مدن لا احوشی کی ا त गुखवरी की कि नाम्बुंरदःने गियारह सो स पये का खत रहेन जो ७९) रु के काराज़प रहे उसको बाजा बितानही छ्पवाया-माजिमजीने बितर्सील क्लिमेज्कू रसिरदार्ग अपील से इसतें सवाब किया कि इसे का तांचाम लियां जावे या नहीं और लियाजावेनो किस चाफ़िक किसलियं कि क्तंबनी फ़ीसदी एक रूपये के का गुज़पर्ख तरहेन लिखाजाता है सिर्दारान अपील ने अपनी पहरा यलिखंकराके

यालनेनके वदस्य देते रहे कि हरजन हो

हिसाब को लिखा दिया जावे औरनाजि كو ادر بردو د اللي كو دا मानको और हर्से दीवानी को बाजहर كرجوطب رلقيرا ورانسطت الم ترتبيب दे कि जो तरी का छोर इंत जाम तरती ब का गंजात हिसाब वार साल जर नक द्है ज ا وس مین ما لکل تغییب دنتیب دل समें विल कुल तर्गेयुर वा तब्दुलकी کوِئیصنسه درت تبین سے، اور ن कोई जरुरत नहीं है और न की गई बरसू रहिसाब वा रूपया दीवानियों में आतारहें सिर्फानिजा मतों में इस बात का इंतजामिक यागयाहै कि हिसाब कि ताब रूपया अदाल وكم المتبرج ولسعب والتين كا دمور तेन सीगेका जमा खर्च नवीस अध्ल तेनका जिमारहे क्यों कि जंब उस काम के लिये जुदागाना ऋहेल कार मुकरिर कियागया हैतो फिर्कु इन र नहीं है कि चोर् अपनाकाम अंजाम न देवे औरक लक्टरीसीग़े का नमाखर्च नवीस अपनेख डर्मे अदालतसीगुकार जमाकरलियाक रियोरजबरु जमाकरेपाखजानेमेनेजन केलियेइरसालकरेतीबाजरकभइधरकी **थिश्होर**ग्धरकी इधरबर ग़लतीर्द्यकरिया **जिसी इसपरना जिमें के विदेश नों के लिह** शीरगोर रखना बाहिये कि सिफ़ै अमरमज क्रीबाला के इंतजामकी गर्ज से यह बंदीब स्तजारीकियागया है और जो तरीका नेजने रुषयं वरोरः का हैवाई वदस्त्ररहेगा और हरदें। दीवानियों को यह भी लिखाजा वे कि खंडरा वास्ते इनदिराजनमाख़र्च सीगेश्र

(4))

ta 53.

कुछ इंतजाम नहीं दुआ अवयह हि مسعب كالأوي فنحب زو ركب كرفوا معدد साव सीरो कलकटरी अलह्दा रख कर्निजामत वार्हिसाव तैयारकरने بوكسنا فسأعب دعسار का दुक्त होगया कायदे हिसाब सेहर برای مساب مین سیابی یا فی एक हिसाब में साबिक बाकी दजे हो درج ميوالا داجب سبے علاوہ اسط ना वाजिब है अलावा इस के यह हि مير يحساب ميسرمانه ومبانه فزحداري साब जुरमाना वयाना फोजदारी मख كمحشكوط مبورسب بن بسبت رعتين وولإر ख्त होरहे हैं बदुत रक्षें दुहार केर فيسديا فتنكي ومعسافي كأجسيع متنده याक्तगी व मुकाफ़ी के अमा सुदः र رمبتي مين بهبت مسي سواست المنتهب हती हैं बहुतसी सिवाय अमानतज سے اول تو امبری صاب मा है इस से अबल तो अबतरी हि كى بىر دوس سے زيادتى روسايا साब की है दूसरे ज़ियादती रिज्ञाया متصورسي ترسر فقعان سركارى मुतस विरहे तीसरे जुक़ सान सिरका لسمية بدمه واسيع وصولي صاب براء विसंबत् १६३८में वस्ती हिसाबदुत्रा جوفت حسيط نه وعبسره كآسفين है जो नक़ श्रेजुरमाना वरोरह के आयेहीं وه پرهېپ نه اسن*يضاب بات عد*ه वोहव वजह न आने हिसाव बाकायरा واحت لهناين مجسك اورمرا وكلي مجبندي दाख़िला नहीं दुचे ग्रीरउन की जमा बंदी روسید دهنوان سے لبے لب रपया वस्ल होने मे मुस्ततवी है बाद मू يلامنطه كاغب استفام فرماياحا وت लाहिजे कागजात इंतजाग फरमायाजा वेकि इरुसती हिसाब की हो जावे छीर که درمسسی صاب کی بوما وسے اور أبيث ومنسل من مقس مدرس आयन्दा तामील में नुक्स न रहे-جن ایجه حراب برای امرکالب चुनाचिजवाबह्र एक्अयर्कालि گی ای ایکفنل پوری اس کی खागया एकएक नकल प्रीड्स की हर एक निजामत और हर्से दीवानी में नेजदी مراكم لزآل مت اور سرد ودلوالي بي जावे और जिसबात के बासते कि गुहनमि مهجدى عا وسع اورس الشكاوا म दिसाय ने इसतसवावाकी का है उसका ار نعاصه ام کا بواوسکا नवाव वज्ररये के फियत सहत भिन

	(१३२)		(144)
रही श्रीर इसकी साबिक बाकी दुरस्तव सही निज्ञामत कारहो जाने के लि पेदर रबाक्त महक्ता श्राल पा मेकीगई मगर	दार्यन होता पासम्बत ९६४ थे में इकम अञ्चन अपनि कर्यार किसी ज्यार क	र्वत महसीलराकर - इसी तरह बर स्तूरहेगा - इसी तरह बर स्तूरहेगा - महक्ते हिसाब से पह ले रवा जाया है महतिमा हिसाबको लिखां जो के	अभारतहसीलात मज़क्रारक्षें नीरहेगा कार्रेशाई द्वाकरेतहसीलों के वास्ते पुहर्र किर्ण के कार्या के कार्या के कार्या के समुर्दे पहकाम करदेना पुनास्वनहीं किर्ण के कार्या के कार्या के समुर्दे पहकाम करदेना पुनास्वनहीं किर्ण के कार्या के कार्य के कार्या
in the second of	راص بریابها میدان بری مومود است ارسی امراه استور به در ایسان این امراه استور به در ایسان این امراه استور به در ایسان این امراه این ایسان این ایسان این این ایسان این این این این این این این این این ا	ماب به ایم موت فرصاری این می بادر کاری به این این کاری در این کاری کاری در این کاری کاری در این کاری کاری کاری کاری کاری کاری کاری کاری	الكفيدان ناكوره بن بي بريكا الايران بواكر يمكنيد في مواسط المجاوري بي بريد المردان بواريد كام وي بريد المردان بي بريد بريد بريد بريد بريد بريد بريد ب

(4)

्र विमानरवर्ष पति हिराहोगावहां मुह् हिवानो के दारवन्न रव्जानहृत्वाकरता हेइसी निर्णा के कार्य के कार्य के कि कि रिर्ट्रें इसकानश्चकं निज्ञामनसेकरी निर्हे शयन्दा भोकार्रवाइंका रहनामुनास | भेगार्थ हर के निज्ञानि गिर्ट | निर्मान के जिल्ला के नेजीना वैगीया निजामत में रहें गी नी निज्ञामतसर्मे नैजाकरें हरमहीने की आमदनी वरामूल आमदी जा जावेगा ने बचुज़ नरवेड़ा खोर्गलती है हैं हैं ने ही गर्म हैं हैं ने ही गर्म हैं विवह किपह्यमलद्रशमद् निज्ञाम काकलकरोका कागनश्चीर एवर्डासाय हिन्न १००० कि हिन्दि । नामरहेगापाउनतहसीलो में जी कि | बाहै औरअदाल है नकी आम दने और तुन | दिन हो गां के जिल्ला है। बाहि खोर के जाए के जिल्ला है जिनको बुढीसत्य अरबुपारात दियेगपेहैं वियमेरवर्डे मेर्जिकती है इसही तरह बर्स्स्य रिंग्ट कि गिरिंग हैं में हो के में रिंग्ट के मिन्न र क्योरकुद्धथसल्बी नज्ञरनहीं आती अस्त । एर कें एर म्हें वने जो हिसाब महिवारी वशाशामाहीब डिंड केंड के क्रिक्ट के कि का महिवारी वशाशामाहीब डिंड केंड के क्रिक्ट के कि कि नासनाति बर्स्त्रजातारह "

-				१२०) 						1	(144))		
	इरवताम स्वामाही पर्मसीरक्म स्कू	फागनसुरी असेशुमार्की नावेगीन्त्रीर	[र्वजमास्यामाही युमारहोगी या	बिसाम्ज्रीनहीं रीजातीहै पस तारी	मुजिबहुबनरीवानी वाद्शशमाही	र्सरेयह कि अप्रमानत सी गो की रक् मव			1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1		लिरबाज्या याहे वहीं नेने जाये गाव्या	अदालन वर्गरः वस्तिहोगे वह जहां से	गरेः हर्सन हरीर्थं पीलन फोनहारीन	त्रियक यह कि र्कु मञ्जूरमाना बल बाना व	, नाजिमजीगंगापुरवहरोश्रमरप्रम
					हेरीवानीसेदर्याक्षकरलेनाचाहपे-	र्सरेयह कि अप्रानत सीगं की रक्तम्ब इसका यहाँ सहाल दर्या क कर्ना फिन्नल	तेन की अलिहराहें	है महकोहिसाबसमी एक शारत अदाल दिन के कि का दिन के कि	सिवाकीरिकसी जगहसे नहीं हुवाकाती दिन के निर्देश कर्मा कर्मा करा है।	एसारक्रमकी तलबीसीगे अदा लतेनके - एर रेड ने एर प्रिक्टि	स्ते लिय्वाज्यायाहेवहीं नेजाजायाष्ट्रीर	वील मेरहें ने ख्रीर्जहां से जनके बस्तके वा	हमेशा दर्जहो कर जमार जु के नबी संकेतह	सीगां अदालते नहें वहरवड़ी अदालते वमें	ना ज़िमको वा ने रहे कि जो रक्तु ममुतब्रद्धके
	1000		Jan Sales Single	معوري مين دياي سيمين ال	المجرف م وقول معتب سيراني بن المعول يوديون بورمات وماها بمور	ارتا تیان که حل دراوت کرم		1 1 2 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	سوا اورسی مکست بین موال ف یک	المين مقدم لي مقدم لي مقدم لي من الم	लिरबाज्यायाहे वहीं नेने जाये गाव्या सि लिर्बाज्यायाहे वहीं ने जा जाया । जी ए हैं हैं हैं हैं हैं हैं ने जे जाये गाव्या सि लिर्बाज्या है वहीं ने जा जाया है के हैं जो जाये हैं	विक्त मेरहेंगे खीरनहां से उनके वस्तकेवा - كالمراك - المراك	गरः हरेन हरीरे अपीलन फोनहारीन हिमेशा हर्न हो कर नमार्ग केनवी संकेतह ८०००००००००००००००००००००००००००००००००००	الي مير مندم المورد على المرام	जानिमजीयंगापुरवहराञ्चमरप्रमाणिमको वानेरहे किजोरकुममुत्वयद्भके ज्यान्त्राहर्गान्त्रहर्गान्तिवान्त्रहर्गान्त्रहर्गान्त्रहर्गान्त्रहर्गान्त्रहर्गान्त्रहर्गान्त्रहरम्

(0)

नहींकर्रो जोर्ज्यवतककार्रवाई वस्म मिहराउसहीकेनाईर्मेयहसर्वालानंतह हैं क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट किर्जा क्रिक्ट केन | लर्ज्जमात्मुन्रजेसद्श्रीहेलकारसीत्र| रीर्करताहै जापकोर्ड्सर्सीगेमेजमा कियाजावे क्कित वाके हों भी कि एक सीगे में वस्न की क्लकरोकेतश्रज्ञकरहोहं इसमेयह दि الميم من الماي المعين المين المين المعين المعين المعالمة ادود وسر مسموس المع مان و كرامك معيندين وحول لحصبائ

	(114)
सन्भसारकरने हैं अनस यह कि सीगा मनमें यह काम नारी रखना पसन् कियाग निर्माण के देन हैं के समस्ति के स्वासन के से वह हिरा पन है कि नस्ति याहे कि नमारवर्षनं निर्माण के पह हिरा पन है कि नस्ति स्वासन याहे कि नमारवर्षनं निर्माण निर्माण के देन के वासने अने वासने के निर्माण के पह हिरा पन के देन कि नमारवर्षनं निर्माण के पह कि मार्थ के वासने हिरा में के ना को के ना के से इस निर्मान के के ना के से इस निर्मान के ने के ना के से का में के ना के से का में के ना के से का में के ना के से से का में के ना के से से ना वासने से कि अपेर निर्मान के पह काम कि का में के से का में कि यो ना ना है इसीनरह में कि यो ना वासने के पह का में कि के से से के से से का में कि यो ना ना है इसीनरह ना निमकों सी निर्माण के के से के से के से के से के से से से के से से के से से से के से	मिलिसहल्का बारीकुरेकी पहरारह्या नामिमको स्निखा जाबे कियह दररह्यासात्तु कार्या कर्मा कर्मा कर्मारहेकी पहरारह्या कर्मारहेकी पहरारह्या कर्मारहेकी म्हारिका कियह स्ररह्यासात्र क्या कर्मारहेकी क्या क्या होता है क्या होता है क्या क्या होता है क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या क्या
المن ارتبی اول بیراسیف این مهاری بابالی ندیا با سیم اوس این	الم المدي مولى المواد المراد المالية المواد

|विकी मंजूरीहोनी चाहिषे और हिदाय विक्षीर आपन्दामगायाकरे - विश्व किसी | गण्या में किसी होती | गार्ट के किसी मामद्रागायानहीं रन-विनयस्ति । कोरकुममालकी रकुममेर्वचमचहोकराह्मी रीष्ट्रिकेट र्रूट्रिंग रिजिंग्डे कामित्याज्ञावेश्वरेष्ज्रोध्यकसर्थदालनेन । क्षेत्राक्ष्यदालनेन विसीगंश्वदाक्तेनेमाह्वरिवश्यामाहीवसाल् १८५७ कं के अर्था १९५१ के के अर्थ ना इंगाइस इत्त्रज्ञामसे असलीमतलब पहती द्रिंद्धी के कि के कि हैं। जो धीर ।किशहनकार् विस्कानका विमोबारहेउसो 🏳 ८००/६००० ५०००/६०० तमामृहवाकर्ताहे उसी तरह आयन्। जीहो दि एई ०६ दे लिस अंदर् १ रिप्ता के -000 LB

(\$\$\xi()),	(174)
हसीगेकलकरीये ही जावेगी- नाज्ञिमनीसांन्य यह नीयुक्ठ नेहें किव्हां पास्यवत १५ ४ ६ की सम्बत १५ ५० सी गेऽपदाल तेन में रवर्डा कलकरी से पकड़ी नायगीयान ही जीर गोशवाराश्यामा हीसल्तनमाम नेवा को की नेसे साल से पकड़ी जावेगी-	जमाद्गराये सरमं द्रीसरी ७ परस्वाईके नियेजा वे नीतनर ब्राह्मरी ए निकलस्त निहे दर्सकी मंजूरी हो नी चित्त स्वाह्म निव्यास्त निहे प्रेक्त मंजूरी हो नी चित्त हो पर स्वाह्म सीगे खहान ने नजी इरस निक्त स्वाह्म सीगे खहान ने नजी इरस निक्त हो से हो जा ज्या का ज्या
हसीगेकलकरीसेदीं जावेगी- वाकर- वा	जमार्कराये खरसं श्रीसरी छे परस्वाई के विकेत्सम् विस्तरहसे कि अव तक्तसी विकेत्सम् विहेत्य — ७०००००००००००००००००००००००००००००००००००
مع الرون یا سمت ۱۹۸۹ میندعدالمتی ا من ورج میکوره کرده کاری بین زبان ا می اینده می و بینی ۱۹۴۷ او میگیری از این می اینده می و بینی ۱۹۴۷ او میگیری از این	مان ایم میشوداس میا کلایا کرده ایم این این این میشوداس میا کلای سود این
Continue of Section of Main Continue of the section	الفرد من المن المن المن المن المن المن المن ا

(4)

नानिमझीसवाईनै पुरदरखासकरते हैं। पहरूरखासकाजिमजीकी गहज़िक्त विद्यात नहींहै- विद्यात करें हैं। विद्यात करें हैं पहरूरखासकाजिमजीकी गहज़िक्त विद्यात करें हैं। विद्यात करें हैं पहरूरखासकाजिमजीकी गहज़िक्त विद्यात करें हैं। विद्यात करें हैं विद्यात करें हैं। विद्यात करें हैं विद्यात करें है विद्यात करें हैं विद्यात हैं विद्यात करें हैं विद्यात है विद्यात रुपया परस्वने संध्यानिज्होगा " सिराप्त मुक्रिंग्होना चाह्येजो शर्ब्स रूपण मा करा येनो उस्से बाबत परखाई के कुछ ज्ञमाक्यांक्यार् १ चां स रुपया से कमज किर्मया पर्वनेके लियें आह्वारकाश है और मंकाविल मंज्री के हैं-निस्यानाने औरजो ५७ रुप पासे निपारा करतेहें इसही तरह निज्ञानिज्ञामनों का लि। - द्रार्थिय केंद्र केंद् 1. Kajo 3. در سادون ميران کوليد زياقور it his to continue

(१५४)	(117)
नानिमजीशेखांबाटी यह ची द्रखांल करते हैं कि काम जमार व के वे तिख्यांस तैन के पास ज़ियादा है १७ माह बार्स मद्रगार हो ना चाहि पे	पाश्रग्रेजीमहीनीसे गानिमजीशेखावाटी नेराबाटी मान प्राथ्यवर्षके पुरस्याक्षकरतेहें कित प्राथ्यवर्षकात्त्वील फोतेदारमे रहता है अब श्रापन्दा असहीकेत ह बीलमें रहे गायाजमारव चेनवीस श्रदाल ते नेकीत हवील मे श्राप्य चेनवीस श्रदाल ते नेकीत श्रदाल ते ने के नहसील में रहेगा तो स्कर संद्रक श्रीरहो हो जुला की मंजूरी हो ती चाहिये-
नारिममीशेखानाहै। यह मीर्रक्षाल पह रर्शन्ति नहीं मेन्रहें इन्हरतनहीं	पाश्चगंश्चीमहीनों से स्वारं माल हरपाछीर खरड़ा बनह बीलजमारवर्न क्रिकेट हों हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं से स्वारं के बासे पहां के किस मह बीलजमारवर्न क्रिकेट हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं से स्वारं के बासे पहां के किस मह बीलजमारवर्न क्रिकेट हैं
موجه و چومان کوی خورنایین - پیرورخاست ، طرجی کوت بل تطوی کاستین می گذاشد بخیر بادی میلاسین کاستین می گذاشد بخیر بادی میلاسی کاستین می میکاری که این موری این کاستین می میکاری که این موری این این میلاسی	من م
٢٠٠٤ تا ١٥٠٤ ت المرابع المرابع المرا	TO CONTROLLED ON THE CONTROLLED ON THE CONTROL OF T

| फ़्तरीबानी सेनानानार विकेहोता हेवह अवतक मार्फत्रीवाती मगर्उसरक् मके साथजोतक् शातक्सेत हैं के के के के कि कि के कि के कि के कि के कि के स्वाजाने नेनाजाति अववहत्त्रसार | एकुमानका हो उसमें कलक्दी सीगाकी रक्षेत्र कि के कि के कि कि कि कि के कि कि (१) जोरुपपाक्तिकाम कियेजाने एक्न् |ब्रिट्स्र्रमार्फ्तरीकानी के रक्जाने मेजाजा | रिक्ट्रिंग्रेव्रेच्रिंग्रेट्रिंग्रेट्रिंग्रेट्रिंग्रेट्रिंग्रेव्रिंग्रेट्रे प्रदेखनेल इसतस्वानकरते हैं पुर-सानर मालपुरा सनाईनेपुर गंगा क्ररांन्ह कहा नेना नावेगा॰अबतक मार (२) माह्बारीशकामाही सालनमाम ह || बद स्तूर मार्फ़ तरी बानी केने जाजा बे-मझिमजी नोराबाटी रोसा संबाईमापो फेत रीचानीके ख़ज़ाने चेनाना पाकरेग||मह्मणेखरर्जन होनाचाहिए (४) तरतीवरबरडाकी हिन्दीमही नोसंद्वनी हिन्दी मही नोसंबर्स्त्र रहेगो प्राप्त्रामह्क्नाहुक्षपीलसेवार् सम्प्रहर्∏महक्नः रीवा नी सेवर्स्त्ररुपायेगाः यामार इतन्त्र योल के श्राप्ता पावरस्त्रसहकाः रोबानीसेश्रा (١٨) ترتيب كرده كانبير من المستوري [بندى مينون سن بسنوري -رى مايوارى شىمايى كالعامين | ئېرىنى موث ديوانى كۇنېچاچاچا-(4) مراه محاريل سع بعد ثبت | محد ديواني سعيد تورائيا-1002 Les 15-2-SIDA TO STORY OF CALL المجيى وراواتى دوسهال مادموا روزه كما ك بيجا جا وسع كا انبات س المرابوره مولى عيور كمكا ور 182-516600 مونت دیای پیامائے۔ · chesispands とうで 1

» ፕላኤ

निजामतं में पांबादमें वास्ते खदालनेन के पसंबर प्रीतनर्श्वाहणां हे जीर अहालतेका जमा स्वर्चनवीसहै ने क्यों नहीं सब काम अश्ल नेनका उसके ज़ि म्मेवारी मेरक्वाजावे जीरजो मुगालता रक् मनेजमाहीनेमें ह्वाकरताहै किश्वदालोंने कारुपपामालमें जमाहोजाताहै ग्रीर्वरसो उसका ख्रानबीनवीर पाविन्हणान रुपयाकी सरगरदानीं हुवाकरती है बहसब रफे हो जावे नाज़िम्नबाद पर्तालके स्वरङ्गश्रदालतेनपर रोज़ मर्रह इस्तर्वत किया करे श्रीरजो हप गा सदर में नेजने के का बिल हो वह बजर पैफेहर स्तञ्जलहरा २ भेजानावे ना निमहसकेबर **खिलाए नहोने दें जो जमा खर्चनवी सहसके** बररिक्लाफ् अमेलदरामद रक्वेंगामस्नुजि बतदारुक होगा श्रीरना जिम जिम्में बार्स - शुरुमाहश्रायन्हासे इसका भंकाजाबेगा श्रमलद्रा मदरक्वा जावे ज्ञांबाद१°जूनसन१८६३ई°कोयहरूकमजा सम्बत्१६५० पानीं शुरूसालशायन्दासे किपाजावे श्रीर इस अरसे में हुकाम मात हनको जो जो अमूर इंतज्ञामतलबन्नोरमुक्तबह्रस्याक्षतलबमाल्म हों बह हर या क्ष करलें चुनाचे : हक्का ममानहत

ने जोश्रम्रद्र याफ्न तलब लिखेवह हस्बज़ेल

है और अन्का जवाव उनके मुका विल में तहरीर

कियाजाता है

ت من تبابو من واسط عدالتين کے ایزا دکیا کیالیں وہ پوری فراہ پانے ورعدالتين كالمجوج ولميسيع توكبوك مسيه كام عدا نمين كاادم جهان من اور یابندگان رو پر ذیل مین اوراد نظاجوار مقابل من تخريكا جا ما بعد

· CITI) (१२१) समर नेमें दुशावारी और मुगालतहवाके हो . तारीख़ मंजूरी नम्बरशुमार • १३ सिताबरसन् १६६३ खुलामा-जमीमह हिदायत नम्बरी(४६) मजर्यः १६मई (८०) अनुष्ट (११) उर्गे क्रां सन्१६६३ई बाबत जुरा २ करने काम जमाखर्व كلكرى وجود فيشك नवीस्कलकरीवज्ञुडीशल-मजमून नहरीरनिजामत साचरसेजाहर हुवाचा विका । ए र्राप्ति के न्या है मजमावरवर्षसीग्रे कलकरी जीर सीग्रेजुडीमा सका मरवल्तहे खोर नमारव चैनवीसअहाल एए पर्यं में हुन है नि नैन खर्ड़ा सीगा कलकरी से एक सादारवरहे। १००० विकास किया कार्या के निया करा किया के सादारवरहें। मेंनकल लिखनेताहै और रंपया अदालतेन مین کفتل نکبراتیا ہے اور روب بیعدال सीगे काहरदो की तह बील में रहा करता है - टिन्डिश कर के हिंदी कर के कि चुना चि जुमले निज्ञाम तां से इसका हाल द्रणा है । विद्या व्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्या महोकर सर्दारान न्यपील न्योर हरदो दावान। एन १०० १ मार्ग । प्राप्त न्योर हरदो दावान सीरे मोहतमिम हिसाबसे रायलेनेकेबाद१ई । १५ अर्थ ट्रंथ ५ १ ८ व्य

मईसन१८६३ई॰ को यह हिरायतजारीकीम डिंडेड के न्यू मूर्य क्राम ई थी कि काम और सपया जमा स्वर्चन वीस ए क्षेर एं एं के कुन कुन कि कि कलकरी श्रीर खदालतेन का अलहराखलहरा र्या र र के र दे हैं। रहाकरे एकका दूसरे से कुद्ध वाम्तान रक्त्वा उर्ए कि के कि कार् वावेहररोखपने र कामके ज़िम्मेवार रहें औ अध्यक्ष

1)

(p

करें क्यों कि पेशातर सिर्फ एक जमा स्वर्वनबीस एन डिंग्से के किया है।

بردواسناس كامك وم रण्यपनान्त्रपना स्वरहा मुहरी मुरस्वरकरका - एडिप्टी क्रिंग्डर्स हो।

स्न१८८३६॰ बाबनतहरीर प्रेस्से मुक्दमात

मजम्न साबिक अज़ीं १४ अगस्ते सन १८८३ को हिरापर जारी हो चुकी है किजबकोई मुक्रमाबाद रहेकी कातका विल १ सला माल्य होवे नो सबसे पहि ले भेसलाउसकां क्लमबन्दकर दिया जावे निस में बानात फ़रीकेन अमूर तनकीह तर्दीद तजवीज़ हाकि मदर्ज हों वग़ैरः मगर् देखाजाताहै नो मात हनमें इसकीतामील प्राती प्राप्त करा है है। रप्रमहीं होती और फ़ेसला लिखवाने में प्रीतव ज्जुह नहीं की जाती है यानी उज़रात फ़री के न कामु फ्रम्सल नीर पर नसलीम बनरदी दें के सां यनसिएयह नहीं कियाजाता श्रीर इसी बजह संश्वकसर्वाहलमुक्रमातको वेवजहमीक मुराफाकरनेका मिलजाता है कि जिस्से नाहर बक्रुश्रदालनवाला रस्त का फ़िजूल सर्फ होना हेश्रगर्फ्रोकैनकेकुद्धीउज्रातकातसिक यह पूरेतीरपरतज्ञबीज़में कर दियाजावेते।प रफ़्रीकुनांकामयाबकोयुक्जायश्रमुराफान ह्नीक्रीनरहेद्स निये मुनास्न माल्महोताहै कि नुमले हुक्का ममातहतको लिखानाने किन रबक्कुभ्रेसलेकेइसतरपृष्रीतव्ज्ञहरक्वीजा वे कि भरीकेन मुक्रमाके क्झीउज्रातकातस प्रियह बाज़ वीरपर्पेसले में करियाजापा करे गर्सपानी लिहाज़रहे कि स्सीतवास्तर्वारत नहों कि जिसमें मनलबनी फीतहोजावेथे

ابق ازين مهار اكست مسين الربية حارئ بوحلى سبير كرحب كوكي مقدمها مدا وس كاقلميندكرد بأجا وتسمين ت فرلقين امورمقيح طلب تبوت ترديد رحا کم درج مون ونعیرو کرد بکهاها ما ب له لکېراست مين پوري توه لترابل مقدمات كوميوميمو قع مرا فعكر نبيكا کھا تا ہے کہ جس سے

मुकदमार्तोसीरोलकरी कान्योरवसके प्ररेसी अहासत दीवानी में तथ्यन्तुवहै कि नाज़िम नीने रूसी वेजाबा कार्रवाई की छोर सरदारान अपीलनेनी इसपर सिहाजन किया-सिहाजाबमजूरी मुराफाञ्जपीलांटनजावज्ञ नहतकलञ्जरमकीगई ञीरवनव**स्तुत स**रहार नञ्जपीलनाजिमदीसाको निखागपा किउन रहारकेजज़रदारीकानसिष्यह बसीगेदः सक्रीकरें इस्से फ़रीक्नाराज़ मुराफामह कों मजाज़ में करके अपनी चारा जोई करेगा हां अगरसी ग्रेकलक रीसे किसी प्रीक्की नम्बरीन। लिशकी हिदायत हो श्रीरवह म रीक हिरा पत पायतह सीगे अहा सत्री वानी में जम्बरी वा सिशकरेगा तो जो वाजि बहोगाबह सीगे अहालत से फैसला होज मगा - यहकार्वाईजोश्यवतक महक्तात मान हतमेहुईहै सरासर खिलाफ जाना हुई है बिलकुल कलग्रदमकर्दी जावे भ्योर हर सरदारा नभाषील को यह नी लिखा गया किषायन्दा इसतरहपर सर्भरी नज्रसे भैसला मुक्दमात कान किया करें नजानी ज्ञान हत को श्रज्ञ सपजाबादेख लिपाकरे नारीरव मंजूरी (&^) (&°) ९३ सिनम्बर्सन१८८३ खुसासा

ع میدند عدالت دیوانی مین تعمل سے ، ما ظم حی ایسے میسا بطد کارروانی کی اور برداران لي في بني المركاظ كيا-لبذا بنبطوري مرافعه اميلانث متجاونر مامحنت كالعزم ككتين در ومعامسرداران ايل مرکو تکها ک کرعذر دار کی عذر داری تصفيد بسيغ كالأى كرن اس سے درلي باراض مرافعه بحكرمي زمين كرسكه اميني حاره فِر بِي كُرِيُّ - إن الرصيف كلكرمي سي كسيميسه الت كوندي التش كيدات دالست ديوا نئ مين تمي ناكمشس كرسيه كالوج واجبه به کارروانی جرانیک محکات ایحت مين بوني سيمير اسرمنه لانصن الطه بولىست بالكل كالعدم كرديكاك ا ويم ردا ران اسل كوبيدى لكباكم مفىرمات كأنكياكرين مخادبرالخست ا زروست منا ليارد كيرليب اكرين -نارنج منظوري ب منبری ۲۵ مجرم می ارا

होसकतीहै-

R

मज़मून

वमुलाह्ने भिसल मुकद्मा कहीराम वमुहरी बाबम्हाजन सरावगी उज्रदार्ष्यपीलांट सरकाररीतन्तमधारमं (१) चन्द्रजालस्राव गीसाकिन छेन्न मुद्ज से हरसपाइन्ट उन् रदारी बाबत चस्पां होने इक्तहार्नीलामब मकानमर्ह्नावमुक्रमें वकाया प्रकारी ज़िंमागी चांद्लाल - ज़ाहर हुवा के वमुकर मेंवकायायतादादी ५०॥ जिम्मणी चन्द्ला च निज्ञामतरीसासे विनावरदस्ल तालुक दार्को लिखागमा जवाबमें नासुक्रार ने लिखा किवाकी दारला वारिस मरग या मगर्मकानातउसके मीजूदहें 'इसपर्नि ज्ञामतसे हुक्नगपा कि इनमका नात पर्इप्त इशान भिषादीपन्दरहरोज् चस्पांकरो चुना चिजवत अल्लु के से इश्त हार चस्पां हुने तो द्सउज़र्द्रीने वाबतर्क मकान के पहज़ र्रारीकी किनिसकोना निमनीने बसीगे अदालत दीवानी मुन् प्रस्कृकागृज्य रापर करके बिना मंजूरी उज़रात फ़ेसल कि पाओ र्वमुरापे उज़रदार सर दारान अपीलवेसी नजवीज़ निजामतब्हालक्खीं यलं किकापरे केत्रम् जिय इसउज्रहार्का ब्याम् व मिस्च बकायावसीगे कलकरी गाजिमजीको फैस लाकरना चाहियेचा यह किया किञ्रसस

ركاري ومكى جارولال- طابربواكا لكباكيا جاسين تعنفدار يفرنكري اطرجكوب الرا

नक्षायादीगर्काग्जातवगैरः की तर्फ पुरवातिबको मुनबज्ञह करतेहै तोस्से मीके मर् अकसर्यों दर्न तजवीज़ किया करते हैं (कि देरवीन कश्युक्ता पा इज़ हा पुल जैंसाकि आजही मुकरमः नारापराव हें मंग्नीरामवम्हा देव बनारापराश्च गर्वाल मुँहई बनामराजमलवल्द माह नेनिन की सुबाल मुद्रार्श्वसहरसपा उन्ह अपील बहाबी अहमता मीर्वारता के देखने सेवाज़ह हुवा चूंकि यहतर्जनहरीर जवान ऊरदू मे निहा यतनामीज्ंश्त्रीर रिवलाफ **राव**श्रहालनहे लिहाजा हिंदा यन जारी की जाती है कि जुम ले मुजन्बिजीन श्रायन्हा श्रपनी तजवीज़ है सामें को मुखातिवकरने के लिये रसे मी के पर र्श्रल फाज मुन्द्रजेवाला का द्स्ते मालन किया करेंबलकि रसे मोके पर अगर ज़रू रत देखें नो यह लिरेंबोकेर किफलां कागृज्ञ यानकृषा वगैरः केदेखने से वाजेहोगा या उसमें एसाल रवाहेर्सका दूरा र वालं रहे लम्बर्शुमार् तारीख मंजूरी (४५) ११ सिनम्बर्सने १८६३ई॰ रवुलासा जिससीगेसे कि कार्रवाई नीलामकी होती हो उसहीसीगे मेळ्यल उज्रदारी श्रीसमाञ्चत

الميسيموقع براكز بيان درج مجويزكير لرست بمن (كرد كميونفستدفلان ياافها ولا جيساكرآج بي مقدمه ناراين ولد كمني لم ومها د نووناراین اگردال مدسع منسام راج مل و لدموین للوسوالی باغلىد رسسيا فرمنط البيل برعوى خمينب بارذسنك ويكينهم واسح بهوا مرکز می**ار** ربخ مرزبان ار دومین نها-ماموزون اورخلاف عدالت س لبذا مداست حاري كي جاتي سيم كرجل مجوزين أنبذره ابني مجو ميزمين کافخا طنب کرشائے سکے سکتے اسسے موقعی الفاظ مندرجه بالاكامستعال نكير أربن لمكداسيي موقع براكومنسيرور لببين توميه لكها كرمن كه فلان كاغذ لفيست وفيرهكي ويكيني سيرواضح سبوكا باارسين ايسالكها بواسكا بوراخيال ربيوس تارشح منظوري 4.9 ى مىيغە داول عذر دارى نبى سماھ

१२४ मह नीबाजेरहे कि अगर मह जदी इतज वीज का दिल इत्मीनाम्। बितनहों गी तो निजारत खारकी निस्बत मुजाहमन कर नेकाजी दरबारको अरव यारहा सिलहें उसे फिर्ज़मन में लाने से कोई दे है इसके मानेनहोगी न (२५) अबनोकवायदनारी कियेनाने हैं व ह शरत महहे ज़ीर दरबारको जायन

किसीवक्कमें उनकी तरमीम या नज्रसा नीकरनेका अस्त्रियार है खोर अगर रसाज्ञ हरीमालू महोगा कि रवारकी सारबद्धामद् मोक्फ़करदीजावेनो

द्रवारकोइनकवापदकेबातिलकर देने का नी अरिव्वयारहे +

तरीख्मंजूरी नम्बर्शुमार् **२**भ्जगस्तस्त२८६३ हट

ख़ुलासा

नजाबीज़में एसे ग्रलफ़ाज़ कि देखों क नांनक्शा पापुनां इजहार। जोरिक्सा प्राब अदालत बनां मीन्हें भापन्रा नलिखेजावें-

तज्ञाहरहोनाहे कितजाबीज़ मेंजबिसी। ए

دفعدامهم ببدلبي واضحربه كالمعيومة تجاويزت بل طريان نامت بهون كي تو ی رت کی از کی منبت فراحمت کرسنے كاجودر ماركواخت بارحك ل سبح أوسع ببرعل مین لانے سسے کوئی وفعہ اسک مانغ نه مهو گی۔ د فعہ(۵۷) ابہوقواعدجاری کو ہے مین *ده مشرطیه مین اور در بارگو آمین*ده سی وقت مین اونکی ترمیم یا نظر تا تی لرنے کافہت یا رہے اور اگراپ سروری سلوم بوگا که کمیا رکی اخت ورآدموفوت كردمجاوس نو ساركوان قواعدك بإطل كروسينيكا بی افست ارسیے۔

أرتح منظوري براكست السياية

نجا ونرمن اليسه الغاظ كد (و كميوفلان نقت يالنان اظهار، جوشلات داب عدالت و نامورون مين آسينده نه لکیجب وین۔

अमुलाह ने अमंसला महक्ने जात मानह

होमसतीहे ज्योर हर एकतनवीज़ के दक्षें सिलकी तहित मंज्रीमें रहे गो क्यों किय ह पसन्हों हो है किजो अद्ल हुक्नी विलाख़ द गरजी या विलाकस्य अमल में खाई होड सकी निस्वत सज़ा मके दत्त जवीज़ नहीं हो जी चाहिये

२१) इन्सम्बद्धहलकेको वास्ते देखने का ग जात हि साबरेख वेबाबत बरामद खा र वकाग जात हि साब चौकी राज वावत रका गीरवार हर वक्त इजा जत रहे गी और वह अपने नक् को जात को उनता दाद से मु काबला करले गा कि जो बाबत बरामद व रवान गीरवार मज़कू रके का गंजान म ज़कूरमें दर्ज हो गे ता कि इन्स पे करान

यागया -(२२)हरहिन्दी सरिश्ते सासंके रव्तमपर इन्सपेकरानको मुफ्सिस रिपोर्ट अपने अपने हल्केकीबाबतसाखतखार इतिजारत अन्दक्षनी व बेरुनी को जो उ

गज यह रर्या प्रकरसकै कि मुनखिह्न

क्बरामद्खार्के कोई फ्रेबतो नहीं कि

ससाल में उसके हल के में हुई है महकों ज्ञालया को नॉसल में पेश कर नी हो गी १२२१ नकलि रोगेर्ट हाय मज़ कूरा वरिव हमत

साह्य फ्रीडन्टबहादुर इत्तलाश्रन मुर सिलहोगे -

موسکتی بن اور سرا کید، بخویز میسد کونسل کی تحت منظوری من رمیلی کیونکه بهبرسیندیده سب کرجوعدول حکمی الاخود غرصنی یا الاقصد و علی مین آئی میواوسس کی نسبت کشارست قید مجو نر منیب بن مونی حیاسیدئے۔ دفعہ (۱۲) انبیار محلقہ کو واسطے دیکینے

دفعه (۱۲) البيكتر حلقه كو واسط ويكينه كاغذات حساب ريوست بابن برآند كبار وكانمذات حساب جركى راج بابن روانكى كهارم وفنت اجازت رسكي ور

مردا می کہار مروقت اجازت میلی در ورائی گفتی ت کواون تقدا دست مقاطِد کرسلے گاکہ جو ہائی مرآمدورو انگی کہار ذکورکے کاف ذات فرکور

مین درج بونگه تاکه السنبیگران را جهبهد دریافت کرسکین کرمنعساق

برآمد کہا ۔ ہنین کیا گیا-مفر مدور مناسب

پرالسبیکٹران کومفصل ریورٹ اسپنے اسپنے علقہ کی ابت ساخت کہا، ویجب رت اغدرونی ومبیرونی کے جو

رومسس کی اومسس کے طلقہ مین میر تی ہے محکمت الیب کونسنل مین میشیں کرنی ہوگی - (دفقیرہ) نول ربورٹ ای ندکورہ مجدمت صاحب رزید

بها در اطلاعاً م سل موسكے-

होगारेलंबे इस्टेशन परलेजानेकी इजाज तरेगा औरउमंकसाम किसी मुला नि मचौकी को इस निगरानी के लिये जेजरे गा किखार मज़कूर उस्अपसर केरेलवे को किजो बास्ते खानगी के खार्के वेने का मजाज़ हैं सपुरंकर हिपागया-१६ जिन कित यात से हाल में खार हा सिल होनाहे वह एसी जगहवा के होते पायेजा नेहें कि जिस्से मालूम होताहै कि कितयान मज्ञक्रभें जो खार पैदा हो नाहै बह इस्टेश न स्लवे श्रासलपुर ही से निहायतवश्रा मानीरेलवे में खाना हो सक्का है इस निये रबारके बरामद इस्टेश नरेल वे मज़कूर रमहरूदकरदेनी चाहिये श्रीरश्रहालया नरेनवेताकी दीश्वहिकाम सादिरकरें ग किरवास्त्रनके किसी खोर इस्टेशन **भेरवाना होने न पावे अगरवा द इस के** किसी ग्रीरेस्ने इस्टेशन या इस्टिश्न होते कि प्रिक्री क्या मुख्ये व्रामद्वारकीकार्शिईदकीर मुनासिव सम दें गी तो मारफ़त रज़ींडन्सी के वैसाबन्स वस्तकर्ने के लियेश्वहालया नरेलवे से द्रखासकीजापगी-५२०) नोकोई रिक्लाफ कवा पर ग्रजन म्बर् नाभम्बर ९३ व ९५ वं ९७ व १८ व ९-६ वार्वाईकरेगा बह मसनू जिव सजा होगा श्रीरइससज़ की बाबत छः महीने तक्की केंद्र पाजुरमाना पाहर्रोतजवीत

موم رہوسے النیش پرنیجانے کے احازت وے کا دورا رہے سا ہوکسی ملا ز جوی کوس گرانی کے لئے بہتجدے گا لذكهار خدكوراوك والسيطيس كوكرج واسطےروانگی کے کہا رسے کیے کامجاز بي سيروكرد ياكيسا-وفعه (۱۹) جن قطعات ماس ل مو ماسي وه السي طبيروا قع ہر بی یا ن حاتی مین کر حت مول سے كفعات مكور من ح سي مناب إماني ول من روان موسكنا بي لهاري مرآمر تمين يوي فدكور يرمحده وكروسينا چاہئے اور اغ لیان ربلو۔ ے ورکردین کے کدکھاراوش ی اور اسیشن سے روانہ معرفت رزئينتي سكے ويسا بزوب د دخوامست کمائرگی س ے کا وہ ستوجیک زا ہوگا۔ اوراس كسنزكى بابت حبب بسيني *- کی قب دیاحسبدا ن*ه با همرد و مجویز

(£9)

تمترواكو في اطلاع بركي برميسول نين नम्बर् कोई इत्तला चौकी परमी स्लनहीं हुई तो बहरवार चौकी पररोक लिपाजा पगा श्रीरश्रप्रसर्नीकी उसहलके केइन्सपेकर कोरिपोर्ट करेगाचीरइन्संपेकर मज़कूरफी रततहकीकानकरेगा और मुक्द मा की निस्**बततज्ञबीज़करके** मुन्तज़िभराहरारी केपासवास्त्रेमंजूरीके नेजरेगा-१७)ज्ञुबदारायतमुन्दरजेद्करारनामेनमक सन१८ 9र्द् • ध्रफ्सरान मुख्लिफ़ चोकी हावाके कुलिर पासन हाय तिजार ती इलाके जैपुरको यह हमेशा निगरानी रखनीपड तीहे किखारीयानमककाविलखाने के किसी श्रीर जिन्स के नामसेन ने जाई जावे श्रवद्रसपेकरान मज़कूरकोर्वासकर्रस ग्रमरकी हिफाजन रखनीसाजिमहोंगी किरवारीया नमककाविलखाने केखार केनामसे न लेजायाजावे-१८) जब खार उस चौकी पर पहुंचे कि जिसके क्रीववहद्स्टेशनहें किजहां सेरवार्रेस में रवाना कियाजानेगानो अफ़सर्नोकी खारकी सम्हास हस्ब हिदा यत मुन्दर्ज का मंदा नम्बर् ११ करलेगा श्रीरजब्रस को यह इतमीनान हो जायगा कि सिवा यस्वारके बोरीहायमें औरकोई श्रीनहीं हैनो साफ तोरपर चोकी की मुहरउसप र्करदेगा छोर बादउसके खार मज़कू रको जिसके साच्यरवन्नाची की राहरारी

مونى تووه كهارجوكي مرروكسلطيعا والكا مورث كرست كا ورانسيك مذكور فوراً ت کرسے کا ادرمقدمرکی لسنبت ر منتظر ایداری کے یہ بالزائط مندرميا واراء مششرا المنسال محتف جوكع سبته با بوشخار في عسلا في المستيركها باجاور دیل عین روا نه کیس**ا جا** د ئەرجوكى كېساركى مېنبالىمىپ مرات مندرصرقا عده نمراا كرليكا اورسب او كويد اطمنيا ك موماً سيكا كرسوم كما وري اسعين اوركو تي تتويني کو م<u>ت ب</u>سایته روزه کی را م

जाल साज़ी सेवने हुवे खारको नां जिमके सपुर्द करदेगा जोरना ज़िम मुक्दमें की कार्रवाई शुस्करके अपनी तजवीज़ की रिपोर्ट महक्ते ज्यालयेकी निस्क में करेगा-(१४) हस्ब हिंदा युत मुन्दरजे का परेनम्बर ९१रवारकी बोरी हाके हर दरिम पानी चोकी परवरवक्ष पहुंचने के समहान कीं जायगी चोरहस्व हिदायन मुन्दरज़े का पदे न मंबर ९१व ९२ न नी जे के गुरार्धि क्कार्वाईकीजायगी -(९५) श्रगर्खार् सचोकी राहदारी पर किजहां हस्वका परेनम्बर् १० रवागरी कीरपोर्ट नेजीगई थीवक परनपहुंचे गीतो अफ्सर चोकी उसीवक्रइन्सपेन रको इनलादेगा भीर इन्सपेकरमज़्तू र् उसरवारकी तलाशी में फीरनरवाना होगा क्रोरं अगर हमराही याहमंराह पान खारने जाल साज़ी से खार्का मु श्रायना चोकी परनकराया होगाते र्न्सपेकरमज्कूर मुजरिमपामुजि रप्रानको सज़ा दिलाने के लियेवाज़ा वते कार्रवाई करेगा औरवहरांग्स यद्रे मुन्त्राफिक कुर्क कर सिपानापण १६ अगरकोईरवार किसी चोकी पखा पाजायगा कि जिसके फ्रोख़ की नि सबत हस्ब हिदा यत मुन्दरजेका पदा

جلساري سي سفي وسف كواركو ماطم كى سيرد كرديكا ورناط مقدمه كى كاررواني تشرمه كركابني كخويزكي ربورط محسكمة عساليسدكونسل مين دفعه رام ا اجسب عامت مندرجرت عده انبرااکها رسکے بوربہائی مردرمیاتی جوکی يربرونت يتبخف كيستم سنبهال كيجانيكي اورصب براث مندره وت عسده تمنیب مراا و ۱۲ نمیتی پرسکے مو^ا نن كارروا في كرمب نيگي-وفعد (۱۵) اگرکها را دس جوکی درداری كرجهان مست واعده منيرا روانكي كي ر پورٹ ہیجی گئی بھی وقت برند کیتھے گی توالسنه حوكى اوسيوفت السنبيكركو اطس ع دسے گا اور السيكر مذكور المسس كها ركى تلامشى عين فوراً روانه مبوگ اور اگر ممراہی یا ہمامیان کہا، ليجلبازى سيعكب دكامعائرنه جرى برنكايا مردكا توابسيكير فذكور بسرم بالمجسراك كومسزادلاك كے لئے باعث بطه كار روائی لرسطاكا اورده كبارتا عده سكموا في مسرن کرلیب جائے گا۔ وفعر(۱۷) اگر کو تی کیا رکسی ج کی مراایا جائے گا کوم کی نسبت صب موامیت مندرجب من سره

जानेगावहसारटी फ़िकट दे दियाजावेग इसराइसितदकी इत्त नाराहदारी के करी वतर्चोकी पर्की जायगी ख्रीरउसमेंड स्वार्स का नाम कि जिसके खार्स पुर कियागयाहै खोरवह रास्ता कि जिसरा स्ते सेर्वार्जावेगा शोरनाम इस्टेशन कि जहां सेर्वार्वज़र्येरेलरवाना कियाजा नेगा यह सबहालर्जिकपाजावेगा-(११) रवारमज़कूरकेचोकी राहदारी परपहुं चतेही अफ़ सर्चो की रवारके हर बोरको एक खाले से किजो हर चौकी पर एक वा जायगासमहालकरलेगा-९२ बाद्कामिल नीर्से यह इनमीनानकर तने कि बोरे हा यमें सिवाय खारके छोर कोईशीनहीं है अप सरचीकी बादवस्त करने प्रामूलीहासिनराजके एकर्डना यापास रवारको भ्यागेलेजाने के लिये दे देगा और उसी वक् एक तहरीरी इतला ^{अपालेक्रीबतर चौकी पर्दसमज्मूनकी} नेनदेगा कि समहालकेवक्उसकीदा निस्तमें को ईशे मुक्तबहबोरी हा पमें नहीं ज़ाहर हुई-९३) जिसस्रतभेंबोरीहायमें कुल्ली पाजु ज्बीखारी पाई जा पंगीनो अपसर्ची की राहदारी उन अवारवासकी निसबत कि जिनकीसपुर्गी में बोरी हापहोंगी बाज़ाबने कार्वाईकरेगा औरइस

عاربار تفكث ديراما وبكاأسس داد العراباري لخ تربية ويصفح اورادس مين اوس لاسيت اوروه وامستدر ومارية سے کہا رمیا دسے گا اورا مسامیث بهان مص كمار ندر بدرنل رواز كالماوي يست ل درج كيسا جا دست كا -وقعه (۱۱) کهار مذکور کر حوکی وا بداری تبنیخ بی است دوکی کباری مرادره کو ا کمپ اُ است کرموم دی میردکها جا و بیگا منبال كرك كا-وقعه (١١) تغيد كامل طورست يبلطونيان كرك لر بریے اسے مین سوا سے کہا دکے اور لونی *شنیه بین سیرافسروی بعد دصو*ل أسنط ممولي فكالنطي ابك رونه ياياس كب ركة وسمّح لبي سنصسك لتح ويونكي اوراوسسی دنست ایک تخرری اطلاع الطلي قرمب شرحوكي براس مضمون كي بهيجد يعظ كرمسبنمال كوفت اولى دانست بن كوئى شيمتند درى عمين بنين سايرسوني-وفعد (۱۲۳) خمس حورت مين آوديها كمين كلي باخروى كبارى يائى جائيكي توانسهوكي را بداری اون شخاص کی کسنبت کر حنگی برد كى مين إرى إست بوك كى إفنا بطه كارروان كربكا وركسس

क्रीरनबाजाबितेकार्यवाई करेंगे श्रीर यह ख वर्क्वेंगे किउनको मुना सिवसज़ादी गई्य नहीं-(८) सास्त्रसार्केहरमीसमकेख्नमपर्स्स वेक्रानमञ्कूर्नतीजा मुखायना किया र्हायखारकी रिपोर्ट अपने र हलकेकी निस्बतकीनस्लमें करेंगे और स्हीत फ़सील पैदाबार्रवार हरहर किता और पिक्दार्बरामद रवार्वं करकीरे मौजूदाके नीपेशकरंगे-(र्ट) जागीर्दारानवदीगर् जिमीदारानकि जिनके मक्वू जात में अलाहिदा २ कित ज्ञातरवारहों गेउनको **हिसाबातस**ही हु वे दावार् रनार् किनो उनकी हर शाराजी मन नुजे मेंहोगा चोर्नीज़ हालात मुतला हिन फ्रोसुखार्किजो सालनरमें पैदादुवा हैर्यने होंगे और इन्सपेकरान मज़क्

र्केपास्त्रेजने होंगे-(१०) जबकनीरवारकीकोई मिक्दार्रिष्रा याराजयाबाहरके खोपारीकेहाय फ रोर्बकीजायगीतो श्रसल मालिकको ख्वाह वह जिमींदारहो याराजकीतरफ़ सेनहसी खदारहो एक सार्टी फिकट राजकेंद्रसपेकर्से हासिलकरनाहोगा किजो,खारमज़कूरके सापरहेगाधीर अप्सर्रेलवेको कि जिसको रवार्वज़र येर्लरवानाकरने के लिये सुदुर्विपा

وفغه (۸) ساخت کبار کوبریوم مٹل میں کرین سکے اور حیب ولغ يدا واركب ارسر سرقطعها ورمقوا برآم كب رو ذخروموجوده كبي میش کرین گے۔ وفعه(۹) حاگرواران و دیگرمیندا لہارمون کے اول کوریا یا ہے البرمين ببدا بواسه ركين كے اورانسپيكوان ندكور كے ياس بسی کبارکی کو بی مقدار عائيكم رنواس مالك كوخوا ه للارمبوا كب النعكيث راحك لاست ماسل كرنا يوكا كر بي سع کوکوم کوکسی ر مذرور یل روا نہ کرنے کے لئے سپردکیا

1.

(१०२)

(4) (93

ر فی جاہے گا ایک کلید بنی ہو کی کھر कर्नी चाहेगा एक नवित्रत लिखदेनी होगी ن مُلان كايابدريك किजिसीयहें सनिगरानीका पाबन्द रहेगा كة ورى بسع ياعلا مندكب ركي المص किंचीरीसे यात्रह्मा। नेया खारकेनाम से اوسکی اراضی مقبوضه مین کونی نمک **उसकी शाराज़ी मकं वूज़े में कोई नमक** وال كما ف محتنا ما والديم سماره केविसंखानेकैनबना याजावेड्सबारेमें ا من المار من من كرجو ماكيرا हर्गफ़्लतकेपादाशमं किजोजागीरदार إزمينارس موكى سلاك مختصطر पानिमींदारसेहोगीं संज्ञायसख्तुर्भाने كي يي وسع كي اوجب كروار كي الماضي कीदींनांबेगीओंर्जागीर्दार्कीयाएजी مقبوضهمن جوبساحث كرباركا ومسكو मक्बूने मेंनो सार्व खारका इसको इस तहकाक होगा उस्से नी वह महरू मकर् أسبحقاق بوكاإدس سيسبى ده محروم 'दियाजायगा كرويا وإستقتى-(६)मवाज्ञातं खाल साईमें जिम्मेवारी ما*شخالىبالىُمين دا* मज़कूरेबांना परेंस्व पटवार्यान पर دارى مذكوره بالاميس وبتواريان برر र्क्वीजायगी श्रीर भागरवहकाविलस جا وبكي إوراكروه قابل سنراء जा गंफलत करेंगे तोवह हकूक परेलाई محية تومه وحقوت بتيسلاني वपटवार गरीसे नी अलावेसज़ाके महरू وينوارگري سوسيعا وه मकरहियेजांयगे-کردسنے جا میں گئے۔ (७)बमूजिंबइक्रारनामंनमकसन१८७**र्च** وفعه (٤) مبوحب اقرارنا مهرمك فك ثداع के जो हो इन्संधेक टरान हर बार्की तरफ़ کے جورو انسپیکٹران درما رکی طف सेवास्तेमुखायने किपारहायनमकब سے واسطے معائنہ کیار ہے تا न्दशुंदहके मुंकरर हैं उनका यह खास كے مقرر من او كار حياص फ़र्ज होगा किञ्चपने रहलके के कुल कित आतरबारको कमसेकम चारबारसाला بباركي كمراز كرجار بازكسال لمن मुग्नामनांकरके खासतवज्जुहके साथ ريكيف اص لوحركرما تتبريم ومليين जरमानको गिरफ्राएकरेंगेअनकी निसबत द्या है। है। है। है।

खारका सही रक्षाधीर उसके नमकी मा देकी किस्म वर्व्बी तह की ककरके प्रहरि स्तमज्ञूरभेंदर्जकीजावेगी श्रीरद्वसः हरिस्तमे पहनीजाहरहोगा किकोनको नसे किनचात खार जागीर में हैं औरकी नकीनसे किनश्रानस्वार्यालसाईहैं-रके (३) फहरिस्तमज़क्रके नैयार होनेही स्वरि सेउसके सहतकी निसबत इतमीनान कियाजायगान्त्रीर्वाद्उसके साख्नुखा के बारा जारी करने की निस्वत उन कि नज्यातमें हुक्तजारी कियाजायगा कि जहां सिर्फरवार पेदा होनाहे औरवहांखा रीयानमककाबिस खानेके नहीं पेदाहे। ताहे हरिकते स्वार्भे जिसकदर कियार रवारके बनाये जासके हैं उनकी ताहाह उस्हुक्नमें कि जिस्सेहर्किनेखारमें सारव्रदारकी इजाज़तरीजा पगीदनी की जायगी-(४) बिलाइजाज़नकोन सलजदीद कितल तिक यार्वास्तेवना नेरवार्के नजारी कियेजा वेंगे और जा यह कि यार हाय रवारनहीं बनाये नांयगे इसका गरेकी जोकोई अंदूलहुकी करेगा उसको

सज़ा दी जायमी-

(५) हर्जागीर्शर्या जिमीदारको किले

अपनी आराज़ी मकबूज़े के अन्दर्सा

र्बरवारकी इजाज़ तद् रवार्से हासिल

میں درج کھا ویکی اور اِک سے میبہ بہن لیا ہر موگا کہ کون کو ا مين الرسائير مين اور الم كون كون ست قطعات كهانط لعيائي بن-دفعہ (۱۷) فہرست ذکور کے متاریج سی درمار سع ا ومسكے صحت كي نسبت اطميه خاك كباحا وسيركا–ا ورلعباليكوساخت كماد کی دوباره جاری کرنے کی نبت اون مظهات مين كم حارى كيامب أميكا كجبال ريت كها رب إبرة اسبيرا ورويان كهارى يا نكريت بل كهانيكه بنويج بيا ہے۔ برقیطے کہا دیوجے بغدرکیا رکہا كحصاسكتيبن! وكمي تعشداد المرس كرسس بوطوكها رمين بانفت کهار کمی احب ازت دمیجانگی درج م- بلااجازت كالسل مدروه فعيل لياروا مسطع مناستے کہار سے نبجاری كنطيط ومنيكا ورزا يدكميها رتاسي كها ئے مائن سمے -اِس عوه کی

(ईई) नारीरवमंजूरी नम्बर्शुमार् हं७ (44) (**E**9) १७:पुगस्तस्व १८६३ई॰ खलासा واعديراح والناديث وانكراري رياست هيوركها دك نمست. पासनजेपुरखारकेनामसे -मजमन नक्लतरजुमा मसद्धिरेक्वा यर बरायर्न्सरार تعتل ترهيمسوده قواعد مبرك النادلي عالي كي رى ازبياست جويد كها في نام سے -नेजाने स्वारी अज़िर पासतजे पुरस्वास्केनामसे द्रेष(१)जनावबन्दगानग्त्रालीदामइकवालह وفعدن حباب سرد الفالى والمرتأله كي की यह मर्जी हुई है कि रुक्षी पासनसे बरामर مرضي بيوتى سيت كماس مياس रवारकीषोर्सारव रनारकीनिस्वत अवनकी كيا إلى اورساحت كبارك نيت ابنك जोचुनाहमनहोग्हीहै वहउदा दीनावेड्स بومرا المديم بررنى سريده دادبها دمجا शर्तपर्कि विस्तर्वारके साथ रवन्नाची إس شرو بركاعب كها وبيم कीराहदारीव सारवी फिकट इन्स देखा दर्गा टिर्मी मार्गी अनहो उसको अहालयानरेलवे रवानगीवे لبنوار کوایا لیان رطوسے روائلی کے वास्ते कबूलनकीं-(२)कुवलइसके किवास्ने उटाहेने मुज़ाहमत रिंग् रे प्रिंगिक १००५ बाबनबरामद्रवारके अहिकामजारीकि एं रेट्रिट रेट्रिट है येजावें स्क फेहरिस्त उन मुकामान इलाके जीयरकी किजहांजहां रवार इसकररहोना हो दरबार में में पार करानी जापगी हरिकता ربارس بارك الحساسك - برقعه

कराईजाने जगर फ़रीकेन या कोई फ़रीक मौजूदन पावेनो बिलाइनजार् उनके नाजि र्वउस्नाकारतामीलश्रंजामकरलें श्रोर कमन्त्रजकमदोशर्सम्बहिल मुहल्लेको शहादतंमीके पर्तलवकरलें मगर्उस्ना कार्वना जिर्इस अमरका पूरा र्याल र क्वे किक्बल अज़बटवारा के फ़हरिस्त जा**यदादकीजो पे**त्राहुर्द्हे यामुरत्तवकी गईहे उसको मोकेपर मुनाबिक करके इसन्यमर्की तशरीह करलें कि कौनकीन मकानातमुन्द्रजे ५ हरिस्त मक्बूज़ामद्यून डि गरीमेश्रीरकोन २ मकानातमक्बूजाउज्जरहार् नकेहे जब इसन्यमरकी तशरीहकरलें तवपा नेबटवाराकेइस्तरहतेयार्करें किमकाना तमक्बूज्ह प्रीकैनकीवह ही की मनहों जो **दीगरहिस्सेदारानकीहै** अगरकमनवेश होतोरेखनाचाहिये किकोन २ मकानात कमीवालेको दिलाने से कीमतबराबर हो सक्कीहे औरबटवारे में यह नी लिहाज़ र क्वाञावे कि मका नातमक् बूज्ह मद्यून बहिस्सा हिस्से दारानवमकानात हिस्ते रा रानवहिस्मामरय्ननश्राजावेंक्पोक्षिकार्ति? न्तन्त्ररसेकीजायदादगेरमंक् वः मुशातरकः मे हर्भाविज्ञ उनमकानात से भनिसबापेदाकर रितीहै अहतियातं को ईमोका एसापेश आजा كرمئة ن متغسل مو تو يولميس كي वेकिमकानमुक्पलहो वो अलिस की

ازكم دوشخفر إبل فحكمه كو وقع پرطسلب کرنس مگرا د المنسداس امركا برراحيال كهين كانتبل ازملوا روسكة فبسيرمت جائدا و ي جرمينس برنيسيد إمرتب كي كئي بح - *وموقع برمطس*ا ب*ن کرسکے إ* امر کی مشر سے کرنس کہ کون کون لوگری مین اورکون کون مکا ناست رسح کرلس با نه مجواره کے ا غنونسه فرلفتن کی وه سی قمیت حود رداران کی ہے اگر کم وسٹ مولو د كيبناج اين كون كون مكانات کی والدکو ولانے سے قیمت برابر موسکتی ا ورمواره مَن بيسه بني محاظيم مقالنست عرصه كإنسا مأ وعرشقوا . كانست براكردى احيانا كرنى موقع ايسابيني آجادے

में मद्युनके मका न मुक्यूल कर्जाने पाक्र दारके गैर हा ज़िरहों ने या उस्ताका रको कर्य ननहोनेकी वजहसेखकसरदेरहोजापाक रतीहै जोरबाहम जदालत वसुनसफ़ीब इमारनके फिजूलबारबारतहरीरानका इजरा हो कर कार्रवाई नावीक में पड़जा नीहे इस लिये इस किस्मकी नामील आ यन्दाहस्बज्ञैल तरीके से हो नी मुनास बहै-जबबटवारायातरव्मी नाकराने कीज़हर तहो नो अहिल मुकदमा से एक फेहरिस्तमु फ़्स्सलजायदादकी हारिवलकराई जाया करे पाउनकी तसदी करने मुरत्ते व करली ज याकरेबारने यारी फहरिस्तके उसकी नामी लकेवास्ते अरालत सेजहां कार्रवाई रर्पेश हे एक नारीख़ मुक्र्र्यकी जाकर महक्काः इरानव प्रीकैनको इनला ही जावे महक मः इभारतको हंगाम मुनले होने तारी ख सेउसनाको नामी लके नियेहकमरेकर क्नलभ्यन नारीर्व सुन संपी या अइरालन को बबेरनाम उसना इसलारे नीचाहिये-ओर्ग्यगरकोईवजह स्सी पेशन्याजावे कि जिसके। तबबसे उसनाकार्तारीख़म्झ क्र^{रपर्नामी} जनहीं कर सक्ता तो वेसी इत्तल देनी हो सी ना कि अप्रयन्वार्सरी नारी खुषु कर्रहोजाने औरबतारीख मुक्रिह ना जिर वरवबर्नवीस्त्रवालतयामुनस्पीकामप उस्ताकारकेमोके परनिजवाकर तामी स

تنوسفيكي وحرست اكثر ويرموح کے فضول بار مار محسد مرات کا انجسرا ہوکر کا رروائی نقویق میں ٹیزیب تی ہے كئے اس منعم كي ميل أيند جسب بل رلقیسے ہوئی شامیب ہے۔ حب طواره باتخمین پد*کر اسکی فسسرور* بوتوائل مت دمه سعامک احالادي واشل كراني حاياك ياا ونكى نصنديق ست مرتب كرليجا ماكرك ر ت*نا ری فرمت کے اوسکی فی*ل کیے وا مسطے عوالت سی حمان کارروائی درسش سے ایک ٹاریخ مھ ت وفرلفین کواطلاع دیجا کے نتبيا راز ماريج منصقي ياعر مام اوستااطلاع دىنى عامة ندلور برهيل ميس كرسك ترويسي طلاع रे से नहीं हैं कि जिनका महकाः श्रालपात कड़ नला न रेना मुनासब होक्यो किउनका नश्रञ्जक की कभी सी गेड़ लाके गेरसे भी हो जाता हैं फोजरार जी ने बज़र ये के फियत अश्रगस्त सन

जवाबमें फ़ोजदारी को लिखागया किस्सी अमसलेका दरजा बदरजा महकनः ज्यालया

में भागा मुनासिवहै -

नम्बर्शमार नारीखमंजूरी र्हर्द १० अगस्तसन१०६३ई०

र्वुलासा

कायदाबाबन नरंतीव पाना बटवारा उत रवमीनाजायदादके -

왕

मज़मून

बाज्बक् मुक्रमानइजराय डिगरीमें मार फ्तज्रसनाकारान महक्तः इमार्व अदास तदीवानी बमुन सफीमें बवजह्ज जररारी पानेबरोना पानर्वमीना जायरार मरप् न कातेयार्करायाजाना है उसकी नामील السي من المرسي المرسي

نسن مبسسر "اریخ منظوری ۱۹ ۱راگست می ۱۹

· خسسال صب ت عده بابت نرتیب پانه مبلواره رخمنیدهٔ جب مدا دیکے۔

مسسون مفروقت مقدات اجرائدگری مین مفت اوستا کاران محکم ارت عدا دیوانی و منصفی مین بوم جسند داری یا نیم تر با تخدید جسبا رکاد مدیون کا اینسار کرایا ما تاسیعی اوس کی تسا (F

८६५

र्जिसतजवीज़ कीवहालीका हुक म दिया ાર્ (૪) वसके सिर्प्रसक्र स्विख्ने परही इकत फा निकयाकरें कि फुलां तारींख़कीतजवीज़सी ہے مکراوس محرمز کا गेसेइनफाक् है बल कि उस नजवीज़का माह لممن بقير الرنج اصفتاركم मलनीहकमभेवकेदनारीखद्ख्यसारकेसा य लिखाकरें खोरनबदीलवनन्सी खनजा رومود سي لكرجيسا ياكرين बीजसीग्वीसुरवसिर्वज्रह् भी सिर्वजापा اكريوا محستم كاسغا بطرنبو ويحاطلاي करैं नाकिफिरइसं किसमका मुग़ालनः नहो مسندا بکاران کی کرالی س वे इनला याबी जुप्तले अहलकारा नकी कर नी नावे श्रीर्वास्तेश्वागही श्रीर्तामील नुम न्हुकामवषहिसकारान महकमातमातह नके एक नक्लइसकी महकाः ध्वपील में ने दिए ए ने नदीनावेताकि एसाक्नी पुगालनः वाके وا تع بيور नहो أرم سط ري तारीमंजरी नम्बर्यमार् اداكسيصيفاع es Ex ६५ १०खगस्तस् न१८५३ई खुलासा ज़मीमाहिदायतनम्बरी(६०)मजर्यह ५व्यगस्तसन १८६३ई॰ बाबत मुक्दमात वरदा फ़रोशीवगेरः किद्रजह बदरजा मह कमहञ्जालया में जामा करें-मज्ञम्न भन्यास्त्रसन १८६३ई०को यहहिदायत। ८०० नाम विश्वास्त

र्द्ध

बमुलाहजे निससमुक्रमः बच्चलाल मुह्र वनाम मालीरामबालिगृव शिवपर्ताबब हमन मुश्मरी मुद्दाञ्चलेह दावा हक्दूकान मुबर्वा जे हुवा कि इस मुक्दमें में सीगे से भन्नल एक नज बीज़ मुश्राधर हिस्मिस्कि पेजानेदावा मुद्ई नारीख़ १७ खगस्तस न१८६२ई॰ को हुई थी और इजला सजुमले प्रेमबंरानसेड्नफ़ाक् कियागयाया बाद में बमंजूरी उज्रातसक फ्रीक्के सीगे सेतारीख १२ जोलाई सन १८ ६ २ई० तज वीज्ञ साबकः तबरीलकीगई श्रोर्दावा मुद्दं दिगरी कियागया भोर्इसही तजवी ज मुशांश्वर दिगरी दावा मुद्दं से द्जलास मगर्द्रकममें हवालातजवीज् १० खगस सन१८६१ई० सेइन फ़ाक्करनेका निखा गया जो मुशंखर दिसमिस् कियेजाने हा वा मुद्ई के ये ज्यगर हक् ममें सि नारीरव परही इकतफ़ान कियाजानाओं रयहनी लिखा जाता कि जोतजबीजुसी गा मुशाधेर डिगरीदाना मुद्दं हुईहै। लिहाज़ाजुमले**अहिलकारा**नसरिशन सिकरदेरेट इसका पूरा लिहा जरक्वें कि जबइस किसमकी नबदीलवतनसीख तजावीं नमें हुवा करेतो उसवक्र जिस नज वीन्से इजलासमें इन फाक कियाजावे

1-1

(भूम **६३**)

407

(ई४)

मकानबय यारहनकरेन्त्रीर मुप्तरीय मुतिह क्रिंग्डर नतवायपहीयाजो मकानां ननीं लाम किये। जाने उनमें तवायम्बोलीबोलकर खरीद करेतो उसमें नी श्रसर इस हिदायतका पड़े مرامت كالخرنكا بالهبن गायानहीं-जिसपर्जवाब लिखागया किजब फिर्के तवासफ्केनामकी ख्ना छपी केबाबत पह हुकमजानुकाहे किवाद् हस्लइजाज़तन ह्काः आसियः करो तोनीलामभेनी चुं वि परवानाराजसे दियाजांनाहै बिलाइजाज़न महकाः खालियः तबाय फ्केनामजायस द्मुनक्लिनहीं हो सङ्गी ग्रज्ञ इस तजकीन से यहहै कितवायफानकी एसीजगहबूरवा शनहोजावेजहां गिर्स्ती खोर खपाल शर रहते हैं क्यों कि उनके कुर्बवजवार मेर्सिं किंगी के के हैं कि कि के कि اس كروه كى بودو باش ببت المناسج रोहकीबूदबाशबहुतनां मुनारिबहै -नारीखमंजूरी नम्बरशुमार Ęb १० अगस्तस्त सन १८६३ई खुलासा अहिकाम इजलांसजुमलें मैमबरान में सि र्फ़नारीरवनजवीत्रसीगाकेइन्द्राजपर्ही इंकतफ़ान कियाजावेबलकि महस्त भी इरव सार्के साथ दर्ज हुकम कियाजाप

की जानीहें कि भी ने की का प्रत का री के हैं लहा दरसी में नुदे या नको दिला पेन जावें को किउन के दिलाने से इन्त जा म का प्रत कारी का जाता रहिताहें मारफ़त गीरा ई के जुमले अफ़सरान पाने को इसकी इ चलादी जावे जोर ना जमी जोर न हसी क दारों को जी इससे मुचला कि पाजावे

नम्बरशुमार तारीख्मंजूरी ६३ १० जगस्तसन १८८ वर्ड

खुलासा

ज़मीमः हिदायतं नम्बरी(६६) मजरयः ३ज्न स्न९८ ८२ई • कि बिला इजाजने महकाः स्नालयः नीलाम में की नवा पफ़ों के नाम जायदार मुंक्किलनहीं हो सफ़ी

मज़मून

३जून सन१८६२ई० को यह हिहा पन नम्बरी (१६)शा पाहुई थी किजो मकान किनवा प प्रवरीदें उसकी खन छ पी मुनसफी ब असा लनसे बिला इजाजन महकाः ज्याल यः के नहुवा करें मुख़ारान अदालत दीवा नी ने बज़र पे कें फ पन अश्वास्तस्त १ व व नी ने बज़र पे कें फ राम दिगरी मुसम्मान किश्व नी जो जह दुरण महिरा में यह इसतस्वाव निक्क कि जो कोई

مسل صب را صب را می مجر: سار دون مینند باری از اس محبر: سار دون میسلام مین بهی طوا کفون کے مام جایلاد منسقت الربنی می میرسکتی-منسقت الربنی میرسکتی-

سرجرن المحالة الجيدان المرى (۱۳۹)
مثانع مبونی بنی که جومکان که طوالفت
منسده ین اوسکی خطوبی صفی وعدا
سے بلا اجازت مسلمیسالب رکے
منبوا کرسے۔
مخت اران عمالات یوانی نے بذر لویہ
کیفیت ، راکس پرسوی اور مقدم اجرا

ر میک در است کسته به مقدمه اجرا در کری سما قرشنی زوج درگا تهره بریم استصواب کیس کرچو کوسسائے

6 4 4 5 أريح منظوري तारीख मंजूरी नम्बरशुमार والمست سودراء ७ ज्वगस्तस्**न** १८ देवुई० ई२ खुलासा مینون کی کامشنکاری سکے بیل واوی मीनों के कांशत कारी के बे ल दाद रसी مین عرب ان کو نه دلاسنے جا وین _ में मुद्देयानको न दिलाई जावें-राकुर्बहादुरिसंहजीरानावन नेवाबनगुजा निर्मे कार्याहरी रहमीनगानश्रमाडः अमसरवरवारः की टिकांग्रानश्रमाडः अमसरवरवारः की शिकायतकी यी कि मुसम्मयान सद्दाशीए ग्री के प्राप्त हैं है नंदा बीकी दारानश्रमाख्नेता सका वत कारी के । उन्हों में कि है। जो कि कार्य के विकास कारी के होवेल घे अप सर्ने मेडः खाती को बाब न्यारी के वाल तदादर्सी जर चोरी अपने रोबस् दिलवा हिंगी कर ने हों हैं हिंगे पह अफ सरका बिलमी क्र फी के हे औ एर गट के छ ए एंड रवेसवापस चौकी दारों को दिलाये जाने केलायक हैं-जिसपरशीराईके मार्क्न व्यक्सरसे दर पास कियाग या तो उसने यह बान किया किवेंल जबरंची की दारों से नहीं दिला ये विश्वाप गये बलकि उन्होंने अपनी रजा मन्दी से एंड कंग के हैं। दिस्ये-अभीर्श्जीनाभा होनेके दः माह पहिले से जराग्यन ची की दारों ने छोड़दी (११) के के प्राप्त के की दारों ने छोड़दी بتى جنا پخ اطلاع اسكى باقاعده كيرا ني كو थी चुना चिइनलाइसकी बाका परेगी। دىدى گئى تتى -सईको देदी गई ची-अन्दरी स्रत पह श्राम हिदायत जारी

ग्रफ़ज़ूनी पेदाबार्काराज़ी उन चाहान केज़ पेसेहें जोरजंब चाहात के पानी कीपेदाबार कातखनी ना होंगपा तो असल की मतचाह नसंबचतनहीं होती - खीर्जोजागीरहार न् भयां वगेरः हक्की यतकी नां जिया करते हैं नह हिस्सा ज़मीनं की दावार साला ना के हिस वसे सः चन्दरसूमदारव्लकरतेहें नादाद चाहानवाके देह किनन्यां तन्त्राराजीकोको ई मुस्तगीसज़ाहर जीनहीं करता - श्रीर एक रक गांवमें बीस पन्वीस बलिक सो पचासचा हाननी हो नेहें - उसका तरव्मो ना पैराबार देहसे अलह दाहो या जीर उसका ज़ररस्ंम लिये नानेकी नादाद फीसबहुत कु इबढ़ना यगी-श्रीरइस तरहपर मुक्दमान खनापसार

श्रीरइसनरहण मुक्दमान अना पसा र ही फिकटकी स्रतहे "इसपर गीरहो कर हुकम मुनासिंख सादिर फर्मा याजावे-जिसपर जवान में सर हारान अपील को लि खाग या किचाहात आबना भीरिफाह आ मके लिये हो ने हें एसे चाहात से कोई न फ़ा दुन यावी चाहबनवाने वाले को मक स्दन हीं हो ता इस लिये एसे चाहात की बाबत रस्म नहीं ली जानी चाह ये "हां जो चा हात आबपाशी के लिये बनवाये जावें उन की रस्म ली जानी मुना सिव है "

ننبرو نی میدا واراراضی اِن جابات کے ئے مالی کی مورد شہ یالی کی مورد كالخنية بركبا تواصل فيمت جالات بحث بنين موتى - اور يوم اگ سے مرحند رموم داخل کرتے میں - تعداد چانات واقع دبه پرطعات اراصتی کوکونی تنفیت طاہر ہی کمبین کرا-اورایک يهى موسقين اوسكامخينه ميدا واردبيه ما شاقطا سارتنا وم بنين لى جاتى جاتان جوجابات أبياشي كم الخينوا في حادين اولكي رسوم لیجانی مث سبے۔ -(0)

£7

मजमुन

तारीख १० जूनसन१= दं रई • को इस्तसवाब नाज्ञमजी हिनडोन पर यह हिदा पतजारी हुई थी कि वह मन्द्र शीर कोड पान कि जो सरका शब्हों उनके की मतका तरवृभीना हो कर ज़र्रसूम हस्बजाबा लिपाजा वेगा-बादइजराय हिंदा यत मन्कूरः गांनिम जी सवाई माधो पुरने मारफुत सरहारान अ

पील यह इसनसवाब किपा कि चाहान का तख्मीनाहोकर्रस्मलेनाकाहुकम किन

चाहात के वास्ते हैं

आपाउनचाहातसे मनलवहें कि जोकोई प्र संअपने काऐकारखानकी के बास्ते पानी लेनेको द्रंथी के किए हैं है। बनवायेपातमाम रिखायांके पानी पीनेको

बनवायाहो

जीकाशन कारी मेंबाके हो खीरउन से आव पाशीहोतीहो-

अग्रस्त अवनके वास्ते हुक महै तो बह तरहे

रही दूसरी स्राउसकी पहके प्यनहे कि आब भाशी अ राजी के चाहात मज़क्रह भे हो ती है और तख्मीना पेदाबारू म राजी। 1966 का मुवाफ़िक नेजज़मीन चाही के हवाकर

أطم حي مبنسة ون برمه نهوتی ہتی کہ وہ مٹ درا ورکو جسیات کرجو مركارى منبون اذنح قميت كالتخديرو

ذررموم مسب ضابطر کیا قاویگا

السكاكه حالأت كالحمية

كونبواك أنامرعاياك يانى سينيكو سترا إميو-

या उन चाहातसेमक्स्रहे किजोअग كالشنكاري مين واقع مون اوراويش

آب ياشني موتي ميو-

नाहै - एसे चाहात का तख़सीनात्नागतका रिष्ट्रं क्यारे के के प्राप्त मा

अलहरा अयतक नहीं हवा कि मिलिये कि

जीवावत ऐसीनही है कि जिस्से एसे मुकद्मा तका हरजाब दर्जा मृज्री के लिये जाने की ज सरतरक्वीग्ईं हो अग्रमर्जी हुकाम यह ही है किबर्दा फरोशी के मुक्दमान नी कि पहजुर्म निहायत संगीनहे मंज्री के लिये श्रायाकरें नोष्त्राम हिदायत इसबारेमें जा रीकीजाय लिहाजा भीजदारीको जवाब में लिखाग या कि मुक्दमात बर्दा फरोशी के रसेन हों है कि जिनका महक मः आलपानक इ नलानदेना मुनासबनहोक्यों किउन कार अञ्चक्कनीर सीगेइलाका गेर्से मीहोजा नाहै जोरसिर्फ़ रसेमुकद्मातवर्दा फ़रो शीपर मुनहस्रनही है बल कि जिसमुक्द मः में किइन्तलादिहीं सहकाः खालपः मु नास्वव मस्लह्त माल्महो उस्की इत्तल देने भें कोई हर्ज नहीं है - और सर्वारा नष्ट् पीलको नीइसका इनका लिखी गई छोर तहरीर्किपाग्या कि हुक्काममानहन् की जीइस्से मुनलाकर दिपाजावे तारी ख मंजूरी नम्बर्शुमार् र्अगस्तस्न १८^६३ई० €6 वुलासा

وانبس لكب كساكه

(५१) ई१

मजमून मिसल मुक्दमः मुसंमा हनुमानवल्ह्यमाना अधिकी व क्षेत्रमान मानी साकिन-वाकसू मुद्दे बनाम् मुसम्मातान नश्ली वननीतवा पदान वकान्हांव बिर्धामाली साकिन खेंजन मु इग्ड्लइ-इल्लन प्रेंग्स्न करदेना मुसम्मा तक्रोटी दुखतर मुद्द को नां जिमस्वाईजे पुरने बाद्तजवीज १८५ रवरीसन१८६३ई॰को बिनांबरमंजूरीफो जदारी में जेजी फ्रीजरारीसे० मार्चस्न१८५३ई०कोइ सह्कासे॰ त्रसलवापिस करही गई कि मुकद मातबर्दा फरोशी के पहां तक मंजूरी के लि ये जाने का कोई का यदानहीं है मुनां सब है किसाजाबा अपनी तजवीज अरब पारीका इजरा करे जो परीक नांराज़ होगा बाजा हा नाराजोईकरेगा-चुनांचिफ़ौनदारीसेदर्याफ़ किपाग पा किएसाकीनसाहकप्रमहकतः आल पह सेनारी हवाहै कि जिसके बमूजिब इस मि सलकाननेजना फोजरारीसेकरारदिया जाकर मिसलवापस कर्दीगई-जवावमं फ्रीजदारी से

سبدوك بالحن جاكسو يرسيعر مآمان نابهی ومنی طوایف ان وكانها وبردع مالى ساكن الينس مرعب إعليب علت بسنسروخت كرونيام بعاة چهونی دخت ر مسع ک مرموا نی سبے پورٹے بعد توز ما-بروري مسه والهوام ونامنظوري توحب داري من جنيجي-کے سے انسل والیں کردی گئی لەمقدات برده فروشى كى بيانتك منظوری کے لئے آنے کا کوئی قاعدہ تبین مماصيعي كمه باضابطابني تجونزلفتياري كا اجراكر وجوفرلت اراض بوكا بامن ابط عاره جولى كرسے كا-مِن بخه فرحدار ي سنة دريانت كماكما كانهبين فرجدارى سنصة قراردياجا سل داسس کر دی گئی-निरवायायावि देशीं में के किरवायायावि वर्गा है किरवायायावि कोई हिरायतबरदा फरोजी के मुकरमात

मुलनिमानपरज़ेरदपे (१६) प्रसिस्तजरा यमजो मुनाबिक्द फे. १५०० ताजीरात हि न्दहें जुर्मका यम कि.याग याहे खीरइस दफे केमुबाफ़िक् जुर्मकावकूष्या खासमुसाफ़िर खाना इस्टेशनरेलवे पर हुवाहे कि जिस्रु कामकेवक्रश्रामीवाबतसमान्यतं खोरतज वीज्महक्मे हाजावे मुतिल्लक्हे अव पकी निक्याजाताहै किञ्चापन्दा केवास्तेराज संरसाइन्तज्ञामकर्दियाजायगाकिर्स किसमके मुक्दमान की तहि की का नवसमा ष्प्रत बिला इत्तला ब इस तमज़ा ज महक्ते हा ज़ाके अदाच तहा पराज में कार्वाई नहीं हु वाकरेगी - लिहाजाफ़ीजरारीको लिखा गया किश्वा यन्दा इस कि समके मुक्द मात कीसमाज्यनचौरतहकीकान विलाइतसा महकोरज़ीडन्सीन कियाकरंग्रीरइत्तला केलिये महकाः खालपाको लिखाकरें-

नम्बर्शुमार तारीखमंजूरी ६० भवगस्तसन १०६३

खुलासा

इत्मानवरहा प्रशेषी वनी ज जिन्मुक्रमात मंकि मह्काः श्राल पः की नस्लको इनला देना मुनासवनम स्ल्हत हो उनकी इत ला भहक महत्रा ल पह को देना चाहरे

جرائم بونطابی وقعه (۱۲۰) تغررات من ميحنسرم فائم كياكيا ميصا ورأس وفعه کے و قوعہ کی بابٹ س*اعت*ا ور كيرمفدما في تحقيقات وساعت تنمزج محكمت بزا بنين بواكرے كى ليذا فوحدارى كاكباكيا لرآبیزه اس سے مقدمات کی رزدنسئ نكياكرين اوراطسلاح في عليه كولكس اكرين-"اربخ منظوري يأليدكر دميناجها سبيئر س

इस्लियेनक्लइसकीसीग़ेकलकरीमें दी जावे ناريخ منطوري नारीख्मजूरी नम्बरशुमार् الست المست २ अगस्तस्न १ ८ ६३ई चर खुलासा जव किसी जुर्मका वें कूछा छन्दर मुसा फर्चाना हद्दृस्टेशनरेलवेकेहोतो फ़ौजदार**जीउस**कीतिही कीकानवस्माञ्चन बिलाइत्तलाव इसनम्ज्ञ महकाः स्जीडन्सीन कियाकरे - जीर महकाः رمن - اورمحكم واليه كونيا مرطلاع لكباكرن ञाल यः को बिनांबर इत्तला लिखाकरें ⁻ मज़मून भिस्ल मुक्दमः कंञ्जानतवा पष्साकिन सं सार्द् ज़िलासहार्नपुरमुद्ई मुहम्मर रसहाक्वसुनान्खां मार्वूज्या بيارسني لال عسب رور مرع عليهم रेनालभफ़्क्रमुद्दा ग्राले हुम-उ्ज्ञतमुलाजमस्रकारीबनकर्तला لينا إور وم كاناتيميد शीलेनाओरधमकानां मुद्देयः को بنت ف سدز مرد فصد (19) बतीयन फ़ासिर्ज़ेर्दफे (१६) फह يت جرائم مرح عديه ارتسي مساجع रिस्तजरा यममरज्ञू *वा १७* मईसर् ^१३ महबनः रज़ी डन्सी शर्की मेनलब की गई थी यन्त्रीरबार्मुलाहजावज्रस्येकेष्यत २२ जोलाईसन१८५३ई०इसहकमसेवापिस न्त्राई कि मुलाह्ना मिसल मुर्त्वः राज से ضحيح بالميح كمعالت فوحدارى والمتح वाजःहोंताहे कि खदालत फीजदारी राज ले

14)

北

बुह ही का विज्र हे बांद्द् खतामगीयाय्वक बन्दीके दूसरेशर्भका दरवल हो सक्काही रिपेन्ट के किंद्र सर्रारानअपीसने जीअपनी पहीराय ज़ाहरकर्केमहक्ने आलियः सेइसनस्व बिकया किहमारी रायमें जीता मिया द चकवन्दीक्बज़ाउसहीकारहिनाचा हिपे कि जिसके नाम चक बन्दी है बाद मियाद चक बन्दी मुद्द् क्वज़ा पासक तहें चूंकि यह अमर्कोई ज्रूरीन हीं किता। याद चक वन्दी क्वजा मद्यून कार्रिहेशा राज़ीपर्रहे श्रीरमुद्रुं डिगरीरार्जिसके ह क्में डिगरी हो करना तिक हो गई है अरसे नकमहस्मरहे महपूनकेनामसेइस ज्मीनका चक मुन्त क्लिक स्के मुद्रीडी गरीदार्केनामबांध दियेजानेमें तुक्सा नसरकारकाकुछ नहीं है जिसनरहमद यून रूपया जमा कराता या अब डिगरी हार्करातारहेगाओर अलावे अज़ीं इ सही किसमके मुक्दमें फ्कूलरहिन राम नरायन ब्रह्मन पुर्द् चुनी सालबुहरा मदा यलेह मेंविक हसबुल हका देनवाप र्सन१८६१ई भुन्तकिलकियेजाने की तजवी ज़ हो चुकी है अबकोई वजह नहीं किइसमुकदमें में मदपूनके नामसे नकमुनावि लनकियाजाचे चिहाजासर्दारान अपीस को जवाब लिखा जा बेखीर नुकि इन कालनाम् की कार्वाई मुक्याञ्चिक सीगे कलकरीहै। 5.65

تے میں تھی اسمعاد جا تبعندانس بيحار سناج سينغ د حکند می مرعی متعد اسکتامی

रॉपेमें उसकाचकबनाम डिगरीदार् मु प्रट तिक्लहोकरक्बना दिलायाना सङ्गाहै-

मजमून

वमुलाहजे मिसलमुक्दमागनेश पिरोहत साकिन निवाई गुहर्द डिगरी सर कान्हा दावाइजरायि गरीद्खलयाबी १२ बीचा आराज़ीज़ाहर हुवा कि डिगरीदार्ने तहसील निवाई में दावा १२ वी चा न भी न का ब मुकाब ले मुद्रा यलेह दायरकरके डिगरी पाई खीर मुक्द मानातिक होगया डिगरीदार मुक्दमां पर्करके द्रवल याबीका रयहज्ञामीन जिसकी वाबतमुद्ईनेदावाकर्के डिगरीपाई है सम्बत १ र ४२ से सम्बत् १ र ५ ईतक चकव न्दीमें बनाम मुद्दायलेह बंधी हुई है जोरम द्यपनः हीका बिज़हैं-नहसीलंदारने नाजिमजी सेदर या फ्र कि नाजिमजीनेश्रपनी यह रायिल खकर सरदारान छ पील से इस तसवाब किया किचक बन्दी का बसी गे कलकरी यहकायहाहै किसम्बत १६७२ से सम्बत १६५६तक जिनकेनामचकबन्दीहोगई अप्रोरेनिसकेकबने मेजगीनहो ज्योरवह । हीनमीनकास्तकरता हो श्रीर रूपयारा हिंग्योर

برو دفتهندولا باصلتابي

होनी चाहिये। के किसत रहसे मुलजिम पर हर हुवा ग्रोरे उसंकी हिरासतका बन्दोब स्तक्या क्या किया गया पाबा वज्दबन्दोब स्त हिरासतके फिर् मफ़ हरी क्यों कर वंक्य में आई अकसरत हिकीकातसे माल्महुव किबन्दोबस्तिहफाज्तका नाकाफीहोता है जिस्सेमफ् इरीवकू यमें ज्याती है लोकेन तहिकीकात कुनिन्दा वजह मफ़र्रा ओर कमीबन्दोबस्न हिफाज्ञतकीतरफ्तवज्ञ हनहीक्रते इसस्बबसेक्स्रकु निन्द गान सजायाब नहीं हो सक्के खीर्यहवात नि हा यतबद्नज्ञमी श्वीर्बर्नामी की है लि हाजागीराईको लिखानावे किइसकावन्रे बस्त मुनासिवकरना चाहिये छोर जिनलो गोंका क्सूर्पायाजा प्उनकी निस्वत सख्तदारकहोना चाहि पेबगैर गफलत ख्रीर् सहिल इनकारी श्रीरक्रमी बन्दोबस्त हि फ़ाज़त हिरासतके मुल ज़िम मफ़रूरनहीं हो सकता

नम्बरशुमार् तारीरवमंजूरी ५८ १६ जोलाईसन

खुलासा

अगर किसोको डिगरीदरवल याबीज़मीन की मिलकर नातिकहोजा मध्योर निसर्फाज़ भीनका चक मर यूनके नामवंधरहा होतो एँ १

۵۸ مور میرستان میرسید میرسر میرستان میرسید

اگریسی کودگری دخلیا بی نرمین الرکه اطق موجاوست اور تصنور کاتیک مدلون سکنام ندجردا مو 10M

कोरकारमवादी कुई में एस। अमल नहीं अगरं विड्सतहरीर् से कोई नका नुक्सान नजरनहीं श्राया मगर्इस लिहाज से कि सबजगह इकसां कार्वाई रहिनीचाहिये जुमले मह्कात मात हतको इसकार्वाईके इजराके वास्ते लिखवादियाजावे -जवाबमें सरदारान ऋपीलको लिखागया विबाज्कातिवान इज्हार्जो बक्लम खुर्तह शरकरना इजहारका लिखने में फिज्लहैंइ म्केशामइनराकी नहरतनहीं समकी गई तोजहां इसका अमल द्रामद है उसको जीज रीर्रवनाकुछ न्हरनहीं -नारीखमंजूरी नम्बरशुमार् १७ जोलाईसन१६६३ 419 ख्लासा हिदायनदर्वाच इंनाजा मम फ़र्री मुल वि

मानजेर्तजवीज्

मज़मून

भासामियान जेरतज्वीज्ञकी मफ्स्री जि स्तरह कि साविक्बक सरत वृक्प में आती पीवे सीही फिलहालकसरतवक्षमफ स्री मुल आमान नेरन जवीज की पानो से िंगे कि होरदी है और यह अमर मुतअल्लिक इन जामगाराईके हैं बर्वक्रमफ़हरीतिहकी नृत्

मुनासिब था कि ररखास्तडन रवला पिकरा यादारके सा चाइसकी तथारी हकी जा य मगरन वहां हुई न न म्बर (३६) पर हुई इस बास्ते श्रमल र रामद् मुख्ति फ्तोरपर श्रदाल न हा में हो ता है इस बुक्स के र फे के बास्ते हिदा यतका जारी हो ना मुनास व है कि जो शारह की मत का गज़ जिसपर न कल कि राय नामा लिखे जाने की हिदा यत इन ख ला में दर्ज है उस के ब मूं जिब श्रम ल रर मद रहिना चाहि येन लिश इन ख ले में शर्द गरहका श्रमार ना दिन सम्बर्ग है

नम्बरशुमार तारीखमज्री ५६ १२जोलाईसन१०६३

खुलासा

इज़हार् परकातिबङ्जहारके नाम दर्ज होने की ज़रूरत नहीं -

ધ

मज़ भून

सरदारान्धपीलनेवज्रपेके फिपत
२०ज्ञन सन १०६३ई० इसतसवाव कि
साधा किज्ञमले महक्मात मातहत में इ
जहार परनामका तिब इजहारका लिस जाताहे इससे यह मालू महो सक्काहे कि
यह इजहार फलां शरूसका फुलां वक्का

04

प्ह

शरहकागज इस्टाम्पनकूल किरायेनामजात मज्यमून

XX)

हिरायमञ्जरवला प नका नश्य जिस्ता पारान नम्बरी (४० सम १००० ई ॰ जो जारी दुर्गम में शाहकी भतका गंज इस्टाम्य नक् किराया नामा जो हमराह अस्त्री हावा ना लिश इन स्वला हाख़ि लहोगा इसतरह परहर्ज है कि अगर किराया ना मा ॥ या ॥ आने के का गंज इस्टाम्य से कमकी म तपरहो तो उसकी नक्त ॥ के का गंज परहो करवश

मूलअस्नी हावा हार्विन होगी -अोरुप्रगरं किराया नामा ७ के काग्र न्से जा पद

परंहोनो भक्ताग्जपरनक्नहोकरशामिलश्चर जीहावाकीजावेगी -

कानूनइस्टाम्पजोमुरनवहोकर् सन १८८१

ई॰मेजारीहुवा उसमेंकाग्ज्ञश्चरजीदावासुक् द्मातद्रनित्विष्मकानानकीतादादवम्जिवहि

दायनमञ्जूरावाला र्नाख्तायकालिसीगई-मगर्उस मुकाम पर बाबत नादाद कीमत

काग्जनकूल किरायानामजात दर्जन हीं दुई - ज्योरकानून इस्टाम्पमें वनं बर (३६) जो तादाद कीमत काग्ज

इस्टाम्य विनांवर नकूल रस्तावेजात पावही या फर बगेयह जो हमराह ध्यरजी रावे के सारिवल हो विलम

क्ता आढआने के का गज़ परद

ر ابت المحاسط من الرابه والان مبری (۲۰ است مناع جوجاری وی این شرح متبت کا غذاستامپ نفار کوانیا

سرح میت تا عداسسامپ تفل دایگا جوممراه عرصی دعوی النس استختالا داخا سرمحا اس بطرح مردرج سرکاگر

رایہ نامہ مراہ رکے کا فذائشائی سے کو مبت رموزواسکی نقل ارکے میں کا در اور در افرار کے

ادراگر کرارد نامه ۸ رکے کا فدستارا برمو تو ۸ رسے کا فذیر نقل موکرشا مل

قانون استامب جومرت موکرانشها من جاری موا اسمین کا عدع ضدوی من جاری موا اسمین کا عدع ضدوی

مقدمات اعلائره ما سای عدوم ا مراست مدکوره مالا انحلا کے لکھی کئی۔ اور میں میں دور میں اور

نول کرایه امعات درج سب بن مولی - ا درت نون متاسبتن

بمبر(۹۹) جونعت الرصيت كالت استامب بنا برنقول دستاويزا ائيمي الب د وعنره حوسمب راه

اسی اب ردوعبرہ جو ہے۔ وفنیرعوے کے دائش راب

-4-6

म्बरशुमार् तारी खमजूरी AR भ्जोलाई सम्१०५३ई ख्लासा हरहाकिम मुजन्जिको मुल जिमका इक्हार मुफ स्सिलत हरीर करना और उसके उज़रानकी सप्ता अनकरनाश्रीरस**नूतवर** पतलेनावाजिबहै-मज्ञम्न चंकियह तरीकः दीक नही है कि जिसमहक्ते में जो मुल ज़िमंसज़ा पाब हो उनका बवाब न लिखा जानेश्वीरउनसे सबूतवर्यतका नपूंछाजानेश्वी उनकेउज़्रातनसुनेजावें-बिहाज़ा १थाम हिंदां यत जारी होनी चाहिये किहरहा किम मुजिब्बाको मुल ज़िमका इजहार मुफ्ससलतहरीरकर्नामुनासबहै खोरअसके उज्रानका समाञ्चतकरना श्रीरसन्तवर्यत कालेनावाजिनहे अगरपुलिस ने सबस्किसी हा किमके इजहार निष्रते मुख्तिमको तस्री ककरायाः श्रोरबाद अज्ञां वह मिसल मुरत्तवहो कर्यस् हाकिममजाज़केरोवस्क्रीसनहके वास्तेश्वार्तोयहं मुनासबनहीं है वि।उसीन सरीकपर इक्रमा किया जा वेबन कि वा जिबप हहीं कि उसका इज़हार मुकर्र लिखाना ने नैसाकि अपरनहरीरहुषा तारीख मंजूरी नम्बेशुमार प्रजोलाईसन१^{८६}३ 44 खुलासा न्मीमःहिदायननम्बरी४०सन१८८७ई० वार्वत

16 Y

. 41

(44)

निखागंपाहे जीरउसपर्खमनदराम रहे ओर जिन्म करमात मेश्रसल केंद तज्ञवीज्ञनहो सिर्फ जुरमानाही हो प जुरमाना श्रीरहादरसीहो नों तहरी रहीं مات مين اگر بغدا د بيرمانه तो उनमुकद्भातमें अगर नारा हुनुसा اور مقداد زر دا درسی صه ه नान्त्रोर्ताहाद ज्र दादरसी ५० ५० اغدر مو تونعبوت عم तक या उसके अन्दरहोत्रो बसूरत अस्म श्रद्गयनुरमाना यान्रदाइ रसीके हो ب كى د تركى مقدا رست रोमहीनेतककीकेंदकी मिकरार्से मि مدريا ده نبوكي पादकेंद्र जिपादानहोगी खीरजगरज्ञरमानाव सार रसी ५७) चारचारमाहतक की मिमा शेमियार र जियाङ्गानहोगी च्योरव्यग्यताद्राद्ञुरमानः वस्त्स्सीसेजा पद्रश्रहा सीसीरुपपाहोत्वाभियादकेदछ द्यहीनेतनसेजा मद्भुश्रोगीओरदर्जरहेकिहादरसीसेवहदादरसीमु रादनहीं को ब मूजिब इस्तूरके जिम्मेवारान मीके चेकराईवातीद्वैद्योर्जाऊपर पहुबाति स्वीगई 'किजुमनियादादरसी ५ ५ ५ ० नक हो तो बस्रता अरमभ्यस्य केरोरीमाहतकस्माग्येक्त्तनकी जही न्स्तीहैसीइस्सेमुगर्यहन्हीहै विक्राक्रीस्तर्स्स याञ्चमीनेके एवजसे सजायके दरोगाह दीजाय ब लिममलाच्यसका यहहै किवलिहाज़ तादाद जुमिनां श्री साहाद दारसी के तजनीज सज़ासके द की रोमाहकेश्रस्र रूप्यदूर कीनाप-دوما وستصاندراندركهجا كس नम्बरेशुमार • ५३ तारीखमंजूरी २८जूनसन१८८३ई

खलासा

तशरीहतादादभी याद केंद्र स्वज्जुर्मा नाबदादरसी

ध

मजमून

प्यकसर मुक्दमातमात हतमें जब किसी, की निसबतब पादाशजुर्म सिर्फ जुरमाना कि याजाताहै तो उसके वास्ते के रई पैमाना ताहा सज़ायकेद रुवज़ज़रमाना मुक़रिर्नहीं है मुर्इ लिफ् नोर्फ् कार्रवाई होतीहै भ्रीरव्यगर् किसी मुक्दमें में जुरमानां के श्रलावा दाद रसीका भी हुका होता है तो अमल दरामद इसतरह पर होरहा है कि बरवज़दाद्रसीके सज़ायकेद एवज़जुर मानासे चहारम हिस्सा वेदकी तजवीज़ हुवा क्रतीहै हालां कि किसी हिदायत महकों । श्रालयहका यह मंत्रायन ही है किसज़ा य कैद श्वज्ञुरमानासे चहार्म हिस्सा श्व ज़हाहरसीकीतजवीज़कीजापाकरे-जबिकसीमुक्रमे में स्नामकेर श्रीर सुर्म ना की सज़ाकी जावे तो बसूरत श्रहम श्रहाय जुरमानां के असली केंद्रकी तादाद से उसके चहार्महिस्सेतक सजा पकेद सवज्ञजरमा नाहोसक्रीहेजेसाकि फर्रिएत जरायमं में

(سربر)

(美3)

XX

बमुकर्मे गरोाञ्चानरायन वगोविन्दनरायन पिसरान जोशी जो हरीलाल मुद्र अपीलांट गुमाशनान्त्रोकाउमांदनजी मुद्दा पलेहरस. पाउन्ट - श्रपीलबनाराजी तजवीज्ञ्यहाल नदीवानी बदावे १८२७) सरदारा न अपील नेबज्ञरयेकेपियत १८ज्ञ सन १८५३ई०प ह इसनसवाबिकया किइसमुक्दमे में इब्र दाईतजवीज़ पेशीठा कुर्ष्यजीतसिंह जी सरदार अपील सेहुई- मुनक्तीगोबिन्द्सिं हजी सरदारने उस तजनी ज़सेइन फ़ाक् किया मुहम्मद् अबदुलवाहि द अली खांजीसर दारनेबइस्तसनायसूदइनफाक्किया-बार्में नज़र सानी के पेश होने परकार वाई ताम्मुलइसमें यह है कि जासागुरुहुई -आयाइस नज़रसानी की तजवीज़ टाकुर खजीन सिहनीहीं दे दजलास में जो हर्न सत परहैं हो नाचाहिये पाओर किसी सरदार की पेशी में नी हो सक्की है अब इसबारे में जै साराज लिखावें उसमुवाफिक तामील की जावे चुनांचिजवाबमें यह लिखागयाकिजबन एस मुक्दमः हरसहसर्दारान अपीलकी पेशीसे नेहुवाहेंनो प्रिरतजवीज़ दररब्रास्त नज़र सानी के जिये वाकुर ष्यजीत सिंहजी के इन्तजार में मि स्लका मुलतदीर रवना कुछ ज़रूर नहीं है वाकी दोसर्दाराग अपील जीतजवीज कर्सकते हैं।

افتي تورثز

प्र

चूंकि अदालनं दीवानी केनाम तो अन्दरीं वाब २६ अपरेल और ३ अपरेलसन १८६३ ई॰ को यह दुका जारी हो चुका है कि सिवाप रहिननामां भीर् बयनामा श्रीर पुन्यपवके कि जिनकी र्वत छ्पी का र्वा सक्त नून जारी । हे दीगर्वसायक्ताञ्यां कि केाईकापदा अन्दरीवाब महकनः अप्रात्निया से जारी हो र जिस्टरीनकीजांचे - अवबम्जिबहुकन २१जून सन १८६३ई॰ बाकी जुमले महकमा न मातहतको लिख्दियाजावे कि सिवाय वयनामां वर्हिनामां व पुन्य पत्र जिनकी ख़तळ्पीकां खासकानूनजारीहे दीगार वसायक्तान्यां किकोईकायदाञ्चन्दरीं । व्याप्तां विकारिकोईकायदाञ्चन्दरीं वाव महकाः आलिपह सेजारी हो र जिस्टरीन करें-

तारीख मजूरी नम्बरशुप्तार् २७ जून सन१८ ६३ई **५**२

खुलासा

मुक्द्मे में जुमले सर्दारा नश्रपी लक्षिपशीसे वजवीज़ होजाय तोदर्खास्तनज़ र्सानीमेंबर्नजार्एकसरदार्थपीलकेजो मीजूदनहों मुक्दमा मुलनवीनहीं रहिस्क एएए वाकी दो सर्दारुष्परी खतजदी न कर सक्के हैं मज्मन

ی کا خاص قا نون جاری بی دیگر

\$0

इजहार्किसीचजहर्वासकेमहिज्ञप्रपनी जिद्जीर्खुद्सरीसे अपने शोहरके चरजा नेश्रीरजसकेपासरहिनेसेइनकारकरतीहै तोरसी हालतमें उसन्द्रोरत बीनिसबत ह स्बकायदामजरपहरिपास्तहाजाबावत अरू बहु कमी सज़ाय तजवी ज़केर की जा**के** फोरन वह खोरत बिनाबर ईफायसजा हि रासनपुल्सिमंकर्री जाती है कि जिस्से औ रतको फिरतवरील गज़ हब याख़ुद्वुशी व्गैरः पर्शामादाहोनेकामीकाहीनहींमि लता जीर इसही सववसे यहां कनी रसी स्रव वक्षयही मे नहीं आई - जी रजव किली سے عدول حکمی التہ ی रत एक मरतवे सज़ाय अदूल हुक्ती पालेती हैनो फिरदरवल ज़ाजयतकी बाबत अदाल न्या कर्म हिनो फिरदरवल जो जयतकी बाबत अदाल नमें कोई कार्रवाई नहीं होती-नारीख्नमंजूरी नम्बरशुमार् २५ जून सन १० ६३ई। ज्मीमेहिदायतलम्बरी(२७) मजर्पहर्द् अपरेल सन्१८ ६३ई॰ बाबन इसके कि अला रिक्री वेवयनामान्त्रीर्राहननामान्त्रीरपुत्यप्य के जिनकी खतद्भपीका का यदा जारी है दीगर वसीकेजात रजिस्टरीनकीजावें-ومفوات رحبتری ند کی جا دھے۔

मज मन

y. Q.

लिहाजादर याम्न तलव यह अमरहै किने मुक्दमात इसतरहके रियासत हायकोट जीरबूंदी जीर जैपरमें हो ते हैं तो कार्रवाई उनकी किसतरी के से हो ती हैं चुनां चिजवाब इसका हस्व सराहत जैलिल खागपा

मुक्दमातद्र्वलजोज्ञ पतमे यह्त्र्यमलर् राप्नद्रहे किवादइसहार डिगरीहरव्लजोज पत्र्यारखोरत बतामीलहुकम खहालत्र अ पत्रशोहरके चरचली जावे क्षेरिबरजा मन्दी उसके पासरह ने लगे तो सूरतं विजापरफे हो कर मुक्दमां वहीं ते हो जाता है

श्वीरश्रार्श्रीरत्यपनंशीहरके प्रकानमें पहउज्रातकरे किमुक्को मेराशोहर वि लावजह मार्पीटकरताहे पा कि हस्बहेस पत खुद्नानव पार्चानहीं देनाहे - पाकि उसकी दूसरी श्वीरत मुक्को तकली फुदेती हे पाकि खुदशोहर श्वोबाश श्वोर बद्चलन हे - तो स्सी स्रतमें हस्ब ज्ञाङ्गा उसके का नकी तसदी क की जाकर वशने तसदी क्त जवीज़ नहरीर मुचलका वगेरः से इन्सदाद स्हतमान तकली फुरसानी किया जाकर फिरश्रीरतको हिद्दा यतकी जाती है किवह अपनेशीहरके घररहे -इसकार वाई के बाद जी श्वारश्वीरत तामी ایزاریافت طلب بد امر می کد حو مفترا اسطر سطے ریاستہائے کو نٹر بزندی ا درجب پورین موسٹین لو کارروائی الحکی مطلق سے ہوتی ہی ہے۔ جنانچہ جواب اس کا حسب صراحت ذیل لکھاگیا۔

(49)

बइमराइश्वंदालत उनके रहास्तगारहाते हैं ग्डोर-प्रदालतसेवनगर इस्तहकाक डोगो हो। कोहासिल होता है बादी उल नजर में नाकी द केसायकोरतें उनके सपुर्करा दीजातीं हैं। अोरजो औरतेनककी फरिहीशोहर खुद्यि। अ म्लजरोकोव बिलावजह जाहर करती हैं उनका इन्त ज्ञाम बञ्चरव्ज मुचलका वजमा नन बग़ैरः करादियाजाता है श्रीरबाज़श्री रने इस इन्तज़ा मपरनीरवादार अपनेशी हरके साध जाने की नहीं होती और जीअह सनसेतंम्बीहहोती है नो आमादे न प्सक् । एउ शिहोतीहें इसमे जोगीर कियाजाता है तो काज़ कोराततो वाक्ईवर वज़ईख़ुर्सेमु र्तिकव रसे अमूरकी होती है औरवाज नी निस्बतशोहरों की जानिव से बेजा जि यादितयां मर्द पाई जाती है जैसा किमी ज्ञारी परगना जेहड़ा में एक जी रत ज्ञप नेशोहर साकिन इलाके गैरके यहां से बसबील रुस्वसत अपने वाल है नके यहां श्रागर्जन शीहर् उसका बुलाने खाया तो जाने सेइनकार किया इस्वइस्तगा से नाम बुई। मुसम्मात परनाकी दकी गई। ग्रेंगू १८ नो यह अने दरवाज़े अद्दालन पर पहुंचते ही आ मारा इस बान परहोगई कि मुसल । ए हैं के मानसिपाह यों के खड़ो का पानी पी लेवे 3/6 याओंकि खुर्कुशी की मुर्त किवही चुनि रहमञ्जामला मजहब अहिल हन् रकाहे

पर् उनकीः खरिज़्यां वत्नी जाया करें इसका रे में हुक्त मुनासिङ्गादर फर्मा पानावे जिसपरजवाबमे मार्फन खपील नाजिमजी । को लिखागया जिबाद हस्ल डिगरी रूप यावस्लहोनेलगेनो फिरहेसयन अपलाम् उत्नीबद्जातीहै मिस्त खाम मुस्तगी सों के इसको जीकागृज्ञ इस्टाम्पपर खराय ज़ पेशकरना चाहिये जीर सरदारानश पीलकोयह भी लिख दियागण कि नुमले महक्मातमान इतको इत्तला दे हें -

नम्बर्शुमार नारी रव मंजूरी 40 २२जूनस्न१ चर्वः

ख्लासा

कापदाबाबन इजराप मुक्रमान दर्व लजोजपत

मजम्न

मुकर्माततनाजाबाहमीजनवशाहर अवन्वा महन्द्में मारफ़तरज़ी उन्सी रिपासन टोंकसे अलावे रियासन हामको टाओं रबूंदी यहां से जी तरी का का रवाई का बि र्रीसराहतदर्याञ्जकिपागयायाकि-अकसर खीरान बाह ना अपने शीह रोंके सापजानेपर्रज्ञामन्द नहीं होनी हैं ब लकिमुन हर्फहोतीहें

(0.) 40

-(પ્રખ) प्रिस्को बज्रे पे डिगरी कु छ रूप पा वसूल हो जा यत्रो उसकी हाल नग्न फ़ला सब दलजातीहै मिस्लञ्जाम मुस्तग़ीसों केउसको नीइस्टामपरश्वरा पज वंगेर्पेश्करनाचा मजमून नाजिमजीरोसानेबज्रयेकेफ़िपत २८मई

सन१८६३ई॰ केइसतस्वाब किपाया कि थकसर् अरा पज् सादा मुद्देयान मुफ्लिस कीतरफ़से पेशहोतीहैं खगरचि मुफ़लि सीकीबिनाय पर्उसके दावे पेशा होने की वजह में वह अरा पज़ली जाती है जो दक्री व २ कुलजगह यह ही तरी का है मगर् एसी हालन में किउनको डिगरी मिल वुकी खोर कुद्धरपयाभीवकृतं फ्वकृतं वसूल हो ताहे यह तरीका दुरस्त नहीमालू महोता किथ रसागेरभहरू हनक उनकी प्ररायज्ञ मुफ्लि साना समाध्यब हुवांकरें कितानजरइसके मु फ़लिसकी हालत तीन महीने के अन्दर्व दलजातीहै खोरजेसाकिकानून खोरिका जहें कि बाद इसमियादके मुफ़लिसीका यमरहिस के तो एसी हाल उमें कोई वजह नहीं है किरबाहमरबाहमुफ़ लिसी में नालि श्हीनेकी काहरीता वेबाकी डिगरीबाव ज़रेकि रुपपा दरिषपान भैवस्त होतार हाहीसादा अरायज़लीजा पाकरें कीर मेसल दीगर्मु स्तगी सों के अकागज़

પ્ર

मज़मून

मुसम्मीयान सुन्दरहासव कलयानदाससु वामयोंनेदावाहक्कीयतस्कमन्दर् ठाकुर नीश्रीसीतारामनी कामयेश्रारानीनोग पेरांवार १९५) सालाना ही निस्बत मू सचन्द बिरहान के निज्ञामन हिनडी नमें हायरिक या भेत्रीत्वमूजिव पैदाबार् नमीन के सहचन्दहासिचके ३% का कागूज़ हार्विचिका या । मुद्दायल हो मार्फ्त सरेदारान अपील यह इसतस्वाबिकपा किमन्दर् श्रीर चाहात का तर्वमी नाहोक रक्षीसनी जावेगी पासिफं नमीनहीं पेहा बार्परही इक्लफा किया जावेगा -चुनाचिजवाबमें सर्हारान अपीलको लि खागया कि मन्दरवकी ठपात अगर सर कारीन ही हैं तो बेशक बम्जिब जाबतः के मिल्डे उनकीकोमतका तर्वमीना होकर् न्रर सूम हस्ब जाबतः लिपाजावेगां नारीखमंजूरी लम्बरश्रामार ९७जूनसन**१^{८६}३** 85

खुलासा

بالتغاكياها وبيكاب ضا لطه لهاجا ويگا -

४६ १६

(PX) मुनस्फीकी अदासत दीवानी से नर्भीमहुईहै चुनंति अव यह मुराषा यहा हवाहै चुंकि हिहायत मजर्ये में एसी सराहत नहीं है कि नफरी मन्त्रामलेके सिवा अगर्ही गर श्रमूर् मुनन्यञ्चिक् मुकर्मे की बाबन इरह लापतनवीन् मुनस्फी खीर् अरास्तरीवा नी में हुवाकरे तो वहतजवीज तर्मी मही रवा न की जावेगीया किइन फाक सममा जायगा इसकी सराहत होनी चाहि पे चुनांचिजवाबमें लिखागपा कि मुनस्फी श्रीरं अरालन की तजवीज़ में किसी किस्मका इर्वलाफ़ हो मुराफा उसका महक्ने जपील ही में हो गा क्यों कि हिदायत मजरपा में जब एसी सराहतनहीं है किञ्जगर फ्लां सूरतसे इनफाक पाइरव्रलाफ होगा ज्या यान्त्रपीलमें मुराफाहोगा-बुल्किन्यायह हायनका सिर्फे इतना ही है कि बस्र्तइस फाक्राय मुनस्फी बख्दालन का मुराफा महकेने आलि पामें हो गा फिर श्रब निस कि स्मका इरद्रलाफ मुनसफ़ी और अझरालत कीतजाबीज़में होगामुराफ़ाइसकाञ्चपी। लहीमें होना चाहिपे ي وريونا والماسية तारीख मंजूरी लम्बर्शुमार ९७ जूनसन्१८६३ रवलासा

न २ लम्बर्शुमार तारीख मंनूरी ४७ १७ जून सन १८६३

खुनासा

न्मीमें हिरायसलानरी २९६ मनरया १६ तितम्बर्सन१८८६ई॰ बाब्तमुराफेनात मुनसफी मुन्निफेक्के प्रतारान॰प्रहालतहीवानी

मज़मून

बमुक्दमें रामपर्ताबधाबाई मुद्दा पंतह अपीलांन्ड चासीराममाली मुद्ईरसपाड æ- मुराफा बनाराज़ी तजवीज़.मुर्वारान अदालनदीवानीव हाबी ५५ ७ वमू जिब ग वाहीगवाहान - सर्हारान अपील ने बज़ र्येकेफ़ियत् ४ जूनसन १८५३ई॰ यह इस तसवाब किया या कि मुराफा अपीला न् के देखने से नाहर हुवा कि महक्ते मुनसफी श्रीर्श्वरालत रीवाजी से बिल इनफा क हावा मुद्ई डिगरी कियागपा ले किन वाबनवसूल हासिल रहिननामाकेतज वीज्ञ मुनस्फी फोरखहालन हीवानी में इस्त्रनाफ्रहाः ग्रंपीलान्टने इसस्याल ८.७ से कि न अस मजामले में इन फाक्रहा । एए छ। ए यह मुराका महकी जालियामें पेश किपा िवहांसेवापिसदियागया जोरवनह वापसी की यही, पाईनानी है कितनवीन

مرجم منطورتي عا- ہون میں مام बमुक्दमें बहिडो सिंह जागीरदार्बड़ पाल मु द्रापलह अपी बांन्ट कतह सिंह मुद्ई रसा उन्टर्वा इजराय डिगरी र्खला वीत्रायामा हाजागीर ६१२)) बरहस्व गुज़रने खरजी मु रव्वार ग्यपीलान्ट महको खपीलसे हाल दर याक्षकियागया तो जवाबमें बजर्पे कैपि यत ४ जूनसन १०६३ई लिखा था पा कि महमुक्दमः बसीगे इजरा निज्ञामतमे हा यरहै - नाजिमनीने मुताबिक तजवीज अर्वीर्वज्ञ्ली पेदावार् रूपपावस्त कर येजानेका हुका सारिर कियाहे उसका मु राफा जानिबमरपूरसे पहां पेश हुवाम गरमिर्स अवतक निजामतसे नहीं भाई नर्यून ने मुराफा होजाने की वजहमें असी वृद्र्वास्त इल्लाय इचरापशकी मगर ववजहनञ्जाने मिस्न के उस्पर यह हुका निखागया किनगैरदेख ने मिसिल केदर र्बास पर कोई हुका नहीं हो स्क्रा र्वागमा कि हर सूरते कि मुराका महकोष पील में होगया है ते। कार्रवाई इजरा मु कि का परेके मुवाफिक महको का ला रस में मुराफा हो जाने पर मात हत में इजरा मु कर्मेका नहीं हो स्कूत

४४ १४

के लिये ने जे गये तीजवाबमें डाक्टवहांका मविदिवे ईज्न सन् १८ र्दे ३ र्दे बहुवाले निहरीर साहबर निस्यार्श्र रालत खुरी पा कलकता मये न्रफीस इसम ज्मूनसे मोसूल हुवा किक मीशनब मू जिबक परेकेतर्वतेषर्वस्पांकरा दियागयालेकि नका इशर्स उस्की तामीलके लिये ररखा स्तकरने हानिर नहीं दुवा आयंन्दारे से के प्रीयानों के पेजने के बक्क फ़री केन मुत्रवं ज्ञि के को हिरायत करदेनी चाहिये किवहबज़ रयेवकील यामुखारके ग्वाहों की हाज्ये का मुनास्बिनन्दो बस्तकरा दिपाकरें लिहाजाबन्द्स्वाल शोर्ज्र कमीशन्मुन सफीमें वापिसने जंकर लिखा गया किइस केमुवापिक कार्रवाईकरतेरहो श्रोरमह क्ने अपील और अदालत दीवानी की लिखाजावे किशापन्दाइसमुवाप्रिक् कार्रवाई करतेरहो

लम्बरशुमार

नारीरव मंजूरी १२जूनसन१८६३ई

खुलासा

महक्ने बाला दस्त में पुराफा हो जाने पर मातहतमें इजरा मुकद में कान हीं हो सक्न ध

मजम्न

کادروا ٹی گرستے رہو۔

8ર્દ્

लिहाजाञ्जपीलको लिखाग याकि एक सालके लिपे पही का पदाबद स्तूरजारीर क्वं ग्रीरगीराईको इन्तलातहिरीक्होक र हिरवागया क्रिला द एक सासकेनती سے اطلاع دین-मे इत्तलाहें तारीर्वमंजूरी लम्बरशुमार MA ઇય १० जून सन१०६ ख़ुलासा जबबन्द सवालमय्भीस्वास्ते क्लमबन्दीश् हादत किसी गवाह के बज़रेये रज़ी उन्टी इस केगेरमें नेजे जावें तो फरीकेन को हिदायत कर्रीजाय किवहंबज्रपेवकील पामुख रके हा जिरीगवाहों का मुनासव बन्दे। बस्त करियादारें-B मज़मून वमुक्दमसुजानमल सरावनी मुद्ईह्बा हिए देश्या जुलाहा मुद्दायले ह्रावी २ ४ २ १००० मुनसिकोनेबंद्सवानात मीक्जुलाहागवा ह मुद्ई मुकी मकलकत्ता के बाम के गये जर फ़ीस महदने जा लिया में नेज कर दर्रकास की कि मार्फत श्रदास्त कल कंचा बाद रुवाने पुरी दन्द सवास्तात वापसी जिलवा हिंदू जावमहक्री ज्यालियासे वन् सवास्मात खेला

शीस महक्ते स्त्रीउन्सी शरकी में तामील एएए

इसकी दी जाकर लिखा गपा कि बार एक स लकेनवीने सेइनलाई-चुनांचिबाद्खतमसाल नगरस सपुर उन्ह गिराई नेबज्ञरपेके फियत ३० मईसन १०६३ दें निखागया किस्जायमुजनिजानेवर्मा । थर्मे शों पर अपना रसान खूबी असरेपेदा किया किनिस्से ग्रेरहाज्री सालदरसालकमहोती अत्रेश्नोबद्माशगेर हाजिरहोगये चेवह भी हा जिर आये सन १८८ •ई • में (२२६) नफ्रइलाकेसेगेर हा निर्हुवे घे सन १८ ६१ई० में (१४६) ज्योर सन १८६२ई। ८०% में(५७)ग़ीरहानिर्ह्वे जीर प्रचके दीरे शेर्वावाटी वतास्वाटी में उनमीने हाय मांवडावगेरः इलाके तोरावाटी औरपना लंगीनगेरः इलाकेशेखावारीमें सेजोना मीवरमाश्ये(१०३) किसहसके तेएा वाटीके श्रीर (र्ट रे क्यूर्स्लाके शेखा वारीके हाज़िरश्वापे गरने किइसतन वीज़कैद रकसालासे उमदान्ती नाब रखामर हवा कि गेरहा निर होना इन लोगों काकमहोगयां जीरहा ही र्येग्बीर्डम्मेर् निनकी हा निरीकी नधी (देर) क्षेर्गान्रहोगये जीर्वास्दातहाय इंबाके गेरका इन्सहादहोगया खगर इसही तरह सिल सिला सजाकाजारी रहेगा नो कवी । स्मेह्हें कि खेरिनी निपाहाउमहानतीना इनजाम में पेहा होगा-

تے اورا کی ورہ لحلنكي رغيره علا فيستفادا في تستصروا واورتمي زما دوعر فأنطاه

8

रकदरसके वास्ते इजाज़ ते री जांकर तामील के लियेमातहत कोलिखागपा बादस्कर्मालके इस कानतीजारेखाजावे कि गुजिश्ना तीन सालें से इसका क्या नतीजा वरम्यामद्हुवा चुनाचिबाद्खनमसाल गिराईसे हाल्नतीनेका र्याम्निकागपा नोववसूल जवाव वनकरेग्या सामयानमुनश्यन्तिके महश्यमरहरपाइहुवा किश्वकसर्श्वासामियों की निसब्त तो की ई इनलातनवीन सनाकी निनामतों से गिराई मेनहीं अर्झिरजिनकी सजाका हालगीराईकोम ल्महुवाउनकीनिस्वन सजाकमहुई इसप्रमहंकी अपील से अहम निगरा नी श्री क्महियेजाने सजाखोंका हालदरपाक किपा तोबाद दर याक्त व्यज्ञनाज्ञमान सरदारानश्रपी जने जिखा कि प्रशाय हिरापतकी सममने में नाज्मोंकोधोकारहा किसलिये किहुकार्ध मई सन१८८६६ में लझ्लिको हर्ज है जिस्से रव्यानवेदाहोताहै कि एक सालकी सजा इ चूँकि इक्न र मईसन् १८ एट दूसवी की पूरी रतामील नहीं हुई थी ग्यार इसही वजह से न्तीजा भी कार्र वाई कार्र यास नही हो सक्ता थालि हा ज़ातारी रव २३ जून सन १ टर् १ ई॰ इनाज़न एक साल केवासे इस सराहतसे रीगर् कितामियाद एक साल बनु मंगैरहाज्री निस्वतमीनोंके नाजिमकीर एक सालकी तज्ञ बीज करते रहें कीर इतला निराई को देतें रहें - और गिराई को भी इनल

जीरसरशिफ्रकर विरास्त हरदो कि समने मुकद्भातको दार्वलद्यत् करके मुद्देपान कोबम्जिव हिदायत मजर्या अपनी चो जो है एंग्या कर्या अपनी चो जो है । कीहिरायतकर्दो श्रीर्यह जी उनको हिदाय तकरदो किमार्फत अपने अप्रसर्के सीगे कलक्री में कार्नाई करें

नम्बरश्रामार् RR

नारीख मंजूरी र्द जूनमन १८५३ई।

ख्लासा

जमीमे हिरा पतलम्बरी (४१) नजरपार्न मई। ७०० वर्ग हैं। वर्ग हैं। सन् ५८८ द्रवारेगीर हाज़री मानगान मावड भीर्कमहाने नजवीज़ निस्बत्गेरहानग्र

मज़मून मीराईसे गेर हाज़री मीनगानमावडः भीरकम तज्ञवाज्ञहाने सज्ञानिसबनमीनगानगेरहा जिर्के शिकायतबज्रेय के फ़ियत १४ मा रच सन१६८६ई॰ महक्ने॰प्रालिपे में लिखी श्राई पी श्रीरहर खा स्त इल जामकी की ग ई ची -

महक्मे खालि पासीगे इलाके गैरसेवादतल रूप कर्म है है है। बराय र मई मन् १८८६ई॰ की जवाब में लि एए गूर्य है हैं र्वागपाया कि नुर्म गैरहान्रीकी सन्। छःमाहतक की है अब हस्बदर ख़ासानी राई सजा के इ एक साल तक के लिये

للكري مين كاررواكي

4/4 88

नालिशात <mark>निबनियत</mark>व सार्टी फिकट र्वव स चेलों के मजम्न १६मार्चसन१८ र्वर्ड० को वाद्मालूप्तबन्द गान खाली श्री जीर्ामइकवालहुमबाव ननालशान तिबनियन रहवासचेलगान हिरायत जारी हुई थी कि चेले ख़वासों की गार्नशीनीके मुक्रमात खरालतमेंन समा अनिपेजापाकरें इनलोगों को वाजिव है कि अपने बेडेके अफसरकी मार्फत सी गे कलक्रीभेंद्रख्यासापेशाकिपाकरें-चुनांचिइमहिदायतके जारी होने पर मुर्हारान अरास्तर्विवानी ने मुक्र्मात के उनवानद्र्ज करके मह इस्तस्वाबकिया कि यह नीनों मुकद मेंहस्बहिदायन मसदूरादा खिलदफ्तराकी ये जावें गे यादस ख़ालसे कि पह मुक्रमा मरजुष्मा क्बल यज् इस हार हिदायतके है तिहिकीकातकर्क नजवीज़कीजावे रे मेजेसा लिखा जावेनामीलकी जावे-ओर पहनी ज़ाहरहे किइसहिदायत मेंबहिस इमनायगोर्भोर तिबनियतकी कीगईही नाबतस्रटी फ़िकट बिरासनके नहीं हुई भार बनस्य सर्टी फ़िकट विरासतके आसा भीपरकाबिज्हेंजाताहै सोयहमीशामिल

उसीके सम्भीना वेगी पाछलहिंदा

जिसप्जवंदमें यह लिखाग याकितिह

किजोहुङ्कामने नतीजावर्श्वामदकरके मुक्दमें को का बिलइख्राजक्रार्दियाया निहाजाहुकाममातहतको फिरतवचाहरि लाई जाती है कि रसे मुकदमान में बख़्बी गोरकियाकरं औरकोई दकीकातनकी ह जीरतहिकी क्काबाकी नरहाकरे जीर रसे मुकरमातकी इंब्रदाथा नों में फर्जी तोरेपर्मुर्तिबुहवाकरतीहे -वारदातें कुवें से लाशबर्था मर्होने की होती हे वह अमूमन चाती बीमारी मिर्गी या हीवानगी पा पेर्फिसलकर गिर्जा नां क्रार्दी जाती है जीर्ड सहीकेव मू जिवरायं कायम्हो जातीहे यहर्याल नहीं कियाजाता कि बीमारी मिर्गी या दीवानगी वग़ेरः इसवातके वास्ते सब्तभी तमें नी लाशों कामुखायना उच्छरीनहीं करायाजाताहै - अपील खोर्गिराईकी लिखागया कि हुकाममात हतक सबी तामील केवास्ते मुत्तला करेंदे तारी खमंजूरी लम्बरशुमार् ३॰मईसन १८८३ई ८३ री(१२) मजर्या १६मा

ן שנף ו

(83)

(40) र्द्यू ३ नह्कीकातवनजवीजमुक्रूमातगर्कीदगी फ्रीतीहगी इत फाक यामें बखूवी गीर कियाजा वे ज्यारकोई दकी कातनकी ह्वतहकी का बा कीन्स्वाजावे R सज्ञस्न मुक्रमातग्रकीर्गीवफोतीर्गीइतफा क्याकीतहिकीकात् इब्रहाखं धानेमेंहुव करती हे अपरेषाने से नार्फतनिजानत वा पीलकेवास्तेमुलाहिजे ग्योरमंजूरीके मह محازيمالين اليابوم क्ने थालि मा में जाती है महक्नात मातहतके मार्फ़त इन मिसले एक का महकने पालिपामें मंगायाजाना इस गर्ज (गर्ज) मेक्रारियाहै किहुक्काममातहन उनपर बखूबी गीर्कर लियाकरें नाकिकोई मुकद मामंगीन महिल्की बगैरःका इसपेरायमें मुर् तन होकरदबनजाप-मगर्थकसर् मुक्रमानमें देखागया कि ह क्काम मातहतर्नमुक्रमातमे बहुतकमत व ज्जुहकरतेहैं हालाकि ऐसे मुक्र मानपर बि लखसूसबखूबीग़ीरकरलेनावाजिबन मु नामबहै चुनांचिवकतं पवकृतं महकने श्वालिया से जव रेंसेमुकदमानमें बमुलाहिनेनाकि सकार्वा ईमातहनके एनराजिषागपाञीरमजीर्न । । हिकीकातकराई गई तो अकसर मुकर मात की असलियत उस के रिवला फवर्भा मरहूई

ोजातीहे औरञ्जाख़िरजलञ्जमर मिसले बिना रतिह्सीकातमज़ीद् नेजीजातीहें मगर्पि, त्रीरस्से मुक्दमान की नहकी कानवनक भी समेमशाय अदाल तपही है कि मुक्दमात श्लाकनवपेराये फ़ोनीदगी इत्तफ़ाक या ।दियेजावं श्रोरनीज्ञ एसे मुक्दमान कि नी कीतहकीकातहोनेसेमामूली फ्रोतीर्गी बलिकस्मीइनलाओं में वाद भंतहकी कातसे नहर खुरीसे फ़ीतीरगी मा फांसी से मारकरलाश चाहमें उलदेना व्यन्दस्त्री ज़र्बान से हलाक केंक्र खाल देना साबत हुवा हेमगरज्ञबिक्यानेदारविला नुत्रापनेडा करीके ख़ुरही हालातज़ाहरी देखकरदाग़ दिलादे वे और प्रिरतहकी कात से कोई काह ,पाई जाने तो फिर इतमीनान कुझी ववजह नही |इम्सहानडाक्सीकेनहींहोसक्का-लिह्ना मुनासव माल्म हो ता है कि मार्फ श्रीराई के थानेदारों को हिदायतकी जाप , वैजवप्रीतीमामूलीनहोनवलाशका मुखा पना ज़रूर कराना-चाहिये तारीख़ मजूरी **नम्बरशुमार** ३० मई सन १६६ वर् ८२

खुलासा

91197

(pd y

(છર

(ई३)

go)

(41)

(86)

तामीलक ती चाहिये इसके जवाब में मुन्दी जगन्ना प्य परशाह जी ना जिमसां न्य तेन हिरी रिक या कि निजामत हिन डोन में नो अरह पारात वेद ज़नी मुक्ते हासि ल थे जबसे सां न्य मुक्तिरहों कर ज्या पा हूं इस के तारे में कोई हुका सा दिस्न ही हुवा अव जै सा इरशाह हो ता मील की जावे चुनां चिजन के ची अरह पारत बेद ज़नी अता कियेगये और लिखा गमा कि वम् जिवं हिरा यत मजर यो के इस का इस्ते माल शिक्ष शिक्ष अम लंगे ला या जावे

नम्बरशुमार नारीखमंजूरी ४१ २० मईसन१००६ई

ख़ुलासा

जबमामूजीफ़ोतीनहोतवनाशका मुखापनाङ करीज़हूरकरा पाजावे

B

मज़मून

मुक्दमान गर्कीर्गी क्षीतीर्गी इत्त फ़ाक्या कीतिहिकी कात इल्लदाई याने मेहोती है श्रीरिफ़ रिनज़ामत खीर अपीलमेहोकर अमसला मह को आलियातक खातीहै - अकसर मुक्दमात मेकार्रवाई तहिकी कात निहायतना कि सहो ती है और न मुखायना उाकरी करायाना ताहे

गैरतंहिकी कान मुजवनिवं परमानदेतसे तुजरी

ने ने ने ब जु म् स्व खोर रूप या के म् खल्तक हेने में ब जु न रवरा बी के कु छ फा यहा न हीं जीर ना ज़ मों को सरज़ ता की दकी जा वे कि इसके बर रिवला ए न हो ने हेवें छोर जो जमा व रव चे न वी स कि इसके बर खिला ए अ मल रक्षेणा व ह मुसतो जिबत है। रुक कर रा र्पा वे गा खोर इस का अमल हरा महशुरू माहस जु मले निजा मतों में जारी कि पा जा वे

नम्बग्शुमार् ४० तारीर्वमंजूरी २५मईमन१८६३ई०

खुलासा

द्रवाब अतायश्रम्ब पारात वेद ज्नी मुक्ति जगन्नाच पर्शाद जीना जिम निज्ञाम व सांचर

B

मज़मून

नक्लिपिर्ध सलाना साह्ब चीफ्रमेडी कलश्च फ्सर्रानप्ता नाजो बाबतपुश्चायने जे ल सन १०६ क्रिंब्स्लहुई उसमें मिनजुमले दफ्षात इन्तज़ामपः एकद्फा पहनी है किजेलख़ा ने में के ही कसरत के साथहैं जुनाचि इसइन्तज़ाम के बारे में बहुक्त २३था पेरलसन्१० ६ क्रिंग्ज़िश नाज़मों को लिखागपा कि हिरायत बेर्ज़नी के इजरा को खर सायुज़र्गपा बिलकुल नामी ल उ सकी नहीं हुई अब उसहिरायन की प्री २

بملطامتو كمزجاري لباحار (80) नायाकरे खोर हरएक कार्रवाई हार्वनाहिशा ब्निजामत कामय तहसीलात के उनको ज़िम्मेना रिकयाजानामुनास्बहेसर्हारानञ्जपीलकी यह्रायहे किकार्वाईसीगे जुडी शलकी श्रल हदाकीजावेमख्लूनकार्रवाईकेरहने मेंस फ़ाई नामुप्रकिनहें इनजवाबान के आने पर्य ह कामजात विनादरशमूलराय सीगेकलक रीमें दियेगये सीने कलकरी से पहरायनह शरहोकर कागृजात नापिस आये किइसमें ईहरजनहीं हे मगर इसमें महकने हिसाबसेर र्या क्रकरलेना पुतासवहे न्बुनंगन्धमुहतिमाहिसाबसेट्पाफ किया। गपातोवह लिखने हैं किजमा इस्क्निनवीस सीगेश्वदालतेनकेसपुर्दसीगेश्वदालतेन की रोकड्रहेन्ब्रोरजभावख़र्वनवीसन्त्रलहदारहे ग्रीरकलक्रीकाजमा असर्चनवी सञ्चलहरा रहें इसमें कोई हर्ज नहीं हैं लिहाजा हिदा यत जारीकी जातीहै किकाम श्रीररूपयाज्ञमावरवन्यनवीस कल करीका असहरा और जमान स्वर्चनवीस अदालतेन काञ्चलहरारहाकरेएककार्सरे से कुछ वा स्तानरक्वाजावे हरदोज्यल हदाकामके ज़ि मोवार्रहें और हरहे अपना अपना रवर डा मुहरीमुर्नबर्कवाकरंना निमरोज मरी उन 01 एवाद पर तालके दस्तर्वत किया करे खीरजी रुपया किसदरमें नेजने के का विलहे

गुलतमाल्महोतीहैं - हंगामहोरेजहां जमाबल र्वनवीस अदालतेन के काम को परतालाता जो रुपया रवरहे में बाकीचा कहीं दस्त या बनहीं हुनाक्योंकिवह रूपणाजमाव सर्वववीस शीरेक लक्रीकेषासम्बल्तया पह्बडेसुक्मकी बात है खोरक जी किसीबक्स पर्पर खाजाना सम्हलनहीं सक्का औरइसवनह से अकमर रकुमात अहाल तेन की रकुमात सीगे कलक रीमें मरवृज्त होकर रवजाने संस्रों जमाहो। ५५६ ८५ नातिहैं थोरे मुद्दत्ततक प्तानहीं लगता-चुनाचिदीवानजीगर्बीने नोजप्नीपहरा घलिखीहै किखर डाजमान खुर्चनवीस्जु र्डाशलमें सेनमा व्यव्चिरक्रमात सीग्रेमन्कू रकाहोनाचाहियेथीर्डसीकेपासरपया रहिनाचाहिय मगरासिंद्क ऐकडकी परमहुर नायव फ़ीज दार्की हो नाया करे खोरकुकी। नमावरक्वनवीसजुडीशलकेपास रहाकर औरहक्षेवार् मीगेष्यदास्त्रीनका रूपपाखर डासींगकलकरी मेंदर्ज हो कर इर सालसदर होजा पाकेर और तफ़ सील वार हिसाब उस कानमा वर्वचनवीस अदाल तेन दारिवल कर्हिमाकेर श्रीर्हीवान जीशरकी ने लिखा केखाड़ा अलाहिराहोना ज़रूरनहीं हां जमाव सवर्च नवीसानसीगेजुडीशलसे एकपड़तहि साब विनाबर्यर्गनात जीर्यक पडत बिनावरम्हकमेर्शवानीतेपारकराई

(09) (त्रेड्र) मुनश्रक्तिन्माव स्वर्चन वीस सीगे क जकरी में ही दर्जहों ताहे जो (जमा वर्ज बंतवीस सीगे टिंट अरालतेन उसकी नक्ल रवरहा बिलामुह रिमं करलेता है इपपादानों सी गोंका दतिह्वी लजभावरवर्चनवीस सीग्रेकल करी रहिता है जुमले निज्ञामनों सेर्रपाप्त करनेयरज्ञाहर दुवा कि अलावे निज्ञामत हि तडोनेकजीरसबजगहइसतरहपरकार्वा र्वाज्माने प्रपनीरायमें पहनी लिखा किञ्जलहिदा रकामहोने में काम की कस्रतहोजापणि खोर्कार्वाईमोज्रा मेंकी चुनाचिहरहो हीवाना न वंसर्हारान अपीलसे रायतलब की गई श्रीर यह नुक्स त्री उनका जितला येग ये कि पहिलकोई समाहकानारीन ही हुवा है वि क्लकरीकाजमाव सर्वनवीस सब का मेर्न रेश्वोरेश्वहानतेन्क्षजमा वर्वचनबीसको राजातकीनकुल करतारहेबलंकिइसके बरखक्स केई बार ग्यहिकाम जारी हुवे हैं किन्नहालतेनके कामका ज़िम्मेवार्जमा वर्व चैनवीस सीये ध्यदास तेन रक्वा जावे भीर उसी बीत है बील ने इस्टाम ख्रीरसी गेश्रदालतेनका रूपया रहा करताज्ञीं ने जोइसकेवरिवलाफु अमलद्रा महकर् दिया इसकी को इन्जहनही माल्म हाती मकीकसरतहोजाने गी पहताहिरीर उनकी

कियाग्या अवगोरतलद पहन्यमरहें किय गर्मेसीहिदायमं जारी की जावेगी नोकार बार (वलायकमें इरन्येदाहोगा - वकील मारे श्तेकवास्ते हिदायतमज़क्राइस वास्तेनारी कीगईथीकिवह एक किस्सकातञ्जलक राजस ब्स्बब विकालत सरिश्ता के रखता याजव उस्सेकोई ऐसाफ़ेल नाकिससरज़द्दुवा किवहबर्खास्तिकपाग्यातो फिर एसे श र्व्सकी इजाज्ञत्त्र यहालतहा पराज्ञेमे विका लतकर्ने की नहीं दी गई कि बतार्पेश के विकालतजारीकरे - सिवायवकील केन्य गरकोईशस्य सना माफ्रा अपने मुक्रमें पा किसीकी तरफ़ से बती र मुख़ारके चेरवीमु बद्मातमंक्रेतां एसके वास्ते कोई मुमा नश्वत नहीं हो सकी नारीख मंजूरी १६ मईसन१८ ६३ई हिदायत्ररबावजुराजुर्।करनेकामजमा रवर्चनवी ससीगे कलकरी वसी गेजुडीशल वरसने राकड़व जिम्मेवारीके मनम्न निजामत्सां जरकी तहिरार्से मालू महुवाबि ग्रीऋरालतेनका जमा व स्वर्चनी र्व रङ्ग

ज़मीमेहिहायतन म्बरी ६३ मजर्या संन १८८७ ई॰ किसिवायवकील सरिश्ता स्जायाका केट्य गरकाईशर्ससजायाफाष्यपने मुक्दमेमें रनरी पा किसीकां तर प्रसे मुखारकारी करे ने मु मानश्वतनहीं है B

मज़मून

जोहिंदायत नम्बरी(८३) सन१८ ८०६ जारीह (८५०) ईची उसकामंशायके मुताविक् ज्यारकोईव । अर्थी देशी कील सरिस्ता किसीइलजाममें बरखास्त ग माजूलहोगा तो फिरवहवकीलबतीर मुखार श्रामवयामुख़ार्खासके मुक्द्मातमें पेखी डिज्रा कामजाज़नहोगा सेकिनजनकोई खामश स्लोमें से सज़ा पाकाहो या श्रां किकोईशस्य रिंगी आममें से अपने नीरपर्वज्रियमुखारनामजात मुखारञ्जामवरवास हो करकार्रवाई करतारिह्य दिण एउँ दिने गर् ताहो और फिरवह किसी इल जाममें सना पान हो नावेतो एसे ज्यमार्गास्कानिस्वतको ई हिदा यतनहीं पाई जाती कि खापावह सोगा जिंग हो है। बाद्सनायाफ्रगी मुखार्श्वामव (वास्होने केमजाज़ होंगे यानहीं च्किषरवक्र इजरापहिहायतप्दश्सन ।(१९) १८८७ ई॰ अमर् मुस्तफ़ सरहबाला पर्वज़ र्डाललीगर्थी औरसी केंद्र आमलोगों एउन ७ परलगानीनांगानिव ची लिहानाउसकी ए जांभू निसलत हिदायत मूजक रामें क्रक दूर्जनई

مانعت نہیں ہے۔ सरदारान अपीलनेइस्तसवाव कियाया कि

(04,

(३७)

नाकिसनरीकाकार्रवाईका द्रयाक्रहों कर बन रीखरनवम्बर्सन १८६ १ई० रोबंकारहिहा दिने १६०० हा १। भी मुफ़ स्सिल जारी हुवाया मगरमालूमहो ताहै कि अवतक उसकी तामील नहीं हुई। उन्ज पानी मुमानअतकी गई पी किना पवान हो मुक्दमात जा यद व्यज्ञ अपव्यारात उन के | ि । का है। की की कि की तहिकी कातवतजवीन नकराई नावे-बलकिएसे मुक्रमान जनके सपुर्किये जावें कि जो उनके हद् अप्त पारके मालूम हों- ले किन फिरनी देखने मं आताहै कि 15,0% बडेबंडे मुकर्मातकी तहिकी कात नापव किपाकरतेहैं ज्ञोरबादतिहरीस्तजवीज मंज्रिते लिये सबस्यपने अप्रसरके पेता करते हैं और हरहो जगह वहरेक मुकर मा हो नम्बरों पर दर्जहों ताहै ज्योरकार गुजारी | एगें रेडिंग मेहरहों के शुमार किपानाता है-दर्थसलइसमें जिपादा कामनायबकाही । १९४५ में ७४७० १ ताहै श्रोर श्रम सर सिर्फ मंनूरी पानामंन्री। एडं कंगे हैं का हुन्न लिखना है इसवास्ते मुना स्वनहीं ए है कि पहतरी का बर खिलाफ हिदायत जारी (८) प्रांची के प्रांत के प्रां किपानावे नुमलेहुक्काममात् हतको वास्ते तामी ज के लिखाजावे -

लम्बरशुमार तारीख्यंजूरी ११मईसन१८८३ई०

खुलासा -

MA

(3E)

(%)

ON

(44)

(३६)

साविक से इसवारे में मान जनकी गईवा दिया है। वर कमुक्दने में फिर् समारेखागमा कि नायबक्रीजदारने पांचकपयाञ्चरमानात | ज बीज़ करिया कौर भिसल मंज़्रीके लिये फोनदारी में नेनी कब्लयन मंजूरी केनुर मानावसुलकियागयाः श्रीर मनज़्र रीतजवीज़की हुईनहीं

लिहाना यह हिरायत जारी की जाती है किनोहुका कि मंजूरी नलक है उसका इजरा । ग्राध्या दूर्या किनो हुका किनो हुका कि मंजूरी नलक है उसका इजरा क्बल अज़िसद्रहुकन मंजूरी कियाजाना उधे एए ८८ और केतई ममन्पन्योरबेजाबा है एसाधापन्स विशेषात्र क्रिका हर्गिज़न किपानावे

नम्बरशुमार् ३६ं

नारीखमंजूरी ११मईसन् १८६३

खुलासा

अतायभ्यर्व पार्बेद्ज्नी पंडितब्जना जीनाजिमकोरकासिम-

मज़मून

नक्लिरेपोर्ट सालाना साहबचीफ् मेडीकल अफ़सर्राजपूताना जोदरबारे मुखापने जे लसन १८६३ई॰ वस्ल हुई उसमें मिनजुमले दफ्षात इनजामया एकद्फ्रेमें पहचीद्र्न या कि जेल खाने में केदी निहायत कस्रतके

८५३ मंज्री लिख्दीगई जीर वह भी लिखागया किपह नक्ल मुसन्ता मबिक्क लसेदर्याक्ष करके दीजा वेकिउसकी द्रस्वास्तकेबम् निब वकीलने। مرد رخواست کی مح بالنین-यहद्रख्वास्तकी है या नहीं -तारीख़ मंजूरी नम्बरशुप्रार् १०मई्सन१टंर्ट३ई 34 ख़लासा जो हुका कि मज़ूरी तलब है उसका इजराय क्बलखन्सर्र्ह्कामंज्री किपानानाकित ईममनूय कोर बे जाहा है मज़मून जोमुकदमाकिमंजूरी के लियेमहक्नेवाला र्स्तमें नेनानावे उसके दुकासनाका इनरा ताथां कि मंजूरीहो करइनला मंजूरीकी न पह चजावे बिलकुल ममनूय छोरबेजाला है -मगर फ़ोनदारी के कई मुक्दमात की अमस लादेखनेसे मालूमहुवा किवहां ऐसाधम ल दरम भ देहै कि कंबल अज़ मंजूरी तजवी इसदातपर र्याल नहीं होता किजबत जवीज्जारी होने के का बिलनहीं है मंजूरी तलवहै नो जो तजबीज़ किकी गई वहजा (50,00) अगरमंज्रीनहईनो फिरलसकाईफ्राक्वोंक

(ईस

सरदारान अपीलने पहलिखकर किनक्स मुखारनामनात दियेनानेमें कोईकबाहत मालूम नहीं होती इस्टाम्पपर होगी औरबरवहाँ देनेनक्सके उंसकेमवङ्गलसे इसन्धमरकी तसंदीक कर नी चाहिये कि अबकी वह मुखार्र्यना र, हिताहेयानहीं काराजात इस्तसवांबर म हको आलि ये में इर साल किये यहां सेसर्हा एन खपील से यह हर्या क्र कि यागयाकि भके इस्टाम्पपर्नक्लुलनक लिहियेजाने की क्यावजहरें इसकेजबाबमें सरहा एन जमपीलने लि रवा कि का न्वहस्य म्य सम्बन १६ १६ हि स्सार्गे क्रिक्ने (३८) की मनशाके सुवा फिक् अके इस्टाम्प पर्नक्ल रेनी महकोखालि यासेक्रार्श्वगईहै चुनांचिर् तंन्त सम्बत १६ १८ को देखा गपा तोज्यमिनम्बर्(३८) पहर्द्ज हे किनकल वनामा पाज्यानतवामा या किसी रेसी खेरिकसमकीन विश्त की जो कोई शर्वस्थ पनेपासर्खनेको यारामूल गिर्हे के लिये या किसी और गुज़ के लिये हा सिल करें ७ के इस्टाम्पपर्) पंस यह नक्ल मुसन्ना मुखार

बह्र खास्तस्राग्नथपीस

.३३

(474)

•३४)

३४

रीजावें-

खाससम्बाहा खाह द्वारायका क्बल अज दापरी मुक दमा खशतं ज़रूरत विकाजतवामी केतसदीक्करदियेजाने में कोईक्बाहतमा ल्मनहीं हो ती खोरखुद हरख़ा स्त मुद्देपान परबहवाले हिद्यमतन म्बरी (६४) मजरमः ४मईसन१८८ •ई • इ्सतस्वाब कियागपा हैं सो हिरायनमज़कूराका इस्से कुछ ताल्लुक

तारी खमजूरी नम्बर्शुमार् ट मई सन १८६३ई ३३

खुलासा

टर्वारेश्वतापश्ररद्वपार्ति वेदज्नी हकीम मुख्लिस उद्देशिमुन्त जिम हलके बोदीकुई

मज़मून

न्स्ल १पोर्ट सालाना साहब ची फ्मेडी कल श्रफ्सर्राज पूनाना जोबाबत मुखायने जे लसन१८५३ई॰ मी सूल हुई उसमें मिनजु मलेर्फ्यात इन्तज्ञामपा एकर्फा पहनी हें किनेल खाने में केरी निहायतकसरत सेहैं- चुनंचिइसइनाजामके बारेमेंबह कार्य अपरेल सन १८६३ई० क्रीजहार जीरनाजमें को लिखागपा कि हिरापत वेरज़नी के इजराको अरसा गुज़रममा वि नकुलउम्कीताभीं लनहीं हुई अब उस

برات تمنری (۱۲۴) مح مناع أتستصواب كراكيب

(३३:

(49) (ક્રફ) कवल अनु सपरी मुकरमः तस्रीक कियाजा नां ममनूयनहीं मजुम्बन बमुक्दमेइज्रायिकगरीमुसम्मीपानचुनील । लवरामचन्दर चौधरयान टोडाराय सिंहस र्दारान अपील ने बज्रये के फियत १६ अपरे लसन्१८ रं ३ ई॰ यह इस्तस्नाव किया कि मुद्देयान मुक्दमे ने मुखारनामा मीस्में वि हारीलालवकीलसरिका पेशकरके दर्खा स्तकी कि यह मुक्रमा निजामन मालपुरा प्रेंदायर होगा-मुखनार नामा तसदीक फर मायाजावे व चुनां चिमुरझर नामा नो बादत सरी कहना लेकिनमनशा यहिदायनमम्बरी(ई४) मजर्या ४मई सन१८६०ई ॰ का यह है किक्बनं ध्युन्हाय रहोने मुकर्मेक विकाल तनामा वकी ल कानसदीक निक्या जावे श्वव इसमें पह इसहिंदा पतका असर मुक़र्मातर्बराई में लिपाजावेगा पाकि मुकदमानइजराय हिगरी में भी ज्यगरको ई रापामासोदायरकरने मुक्दमहद्जराके अपनी आस् र् नी के स्वियेक्बल्हां यरकरने मुकद्में के विकालत नाम्।वकीलकातस्दीकुकरावेनी एसा विकालतन्। वृद्ल रापरहोने मुक्रमाके तस्रीकृ किपानावेयानहीं 70 इसकेजवाबमेस्रहारान अपीलको लिखा पा कि मुकद्मान सीगे अदालत रीवानीमें

()

श्रीरइजरा निगारों की हिदा पनकरदें कि मिस्ल कर्जपर्दर्न हो चुकाहै इनरानवीस्रहकाके ममहन्मा दर्ज कर्ने जस पर व्स्तर्वति वृत रहियाकरें और अहिजमइ और सिश्तेहार إنكے گران و دمه وار رمین-वहाकिमइन के निगरां बज़िस्मेवार रहें प्रचा शुमार किताब तारीख़ इचरा तारीत्व इकामुन्हें रजेकारीज म्ब्रिनराजस्थर्द्रजरा पकाग्रजातमादका नाम कागृज् उनदान मु कर मा ना दाद क्रित आत गाममहद्भुः जहां जा पगा र्सीदगीर्न्शकागृत तारी खमंज्री नाबश्यामार् ७ मई सन १८ र ई 32 खुलासा मुखारमामा मुक्दमात अहालत हीवानी में

(考约 (加以

(49) कागृज्ञातरकंतरीकेपर सबजगह नहीं मुख्नुलिफ् नोर्परक ही कुछ्योर कहीं कुछ ञ्रोर्वासमहको श्रालिया कीकार्वाई की बाबन सरिशते से रपोर्ट लीगई तोजाह है. रह्वा कि महको जालि यामें काग्जातके इजरायकरने का यह दस्त्र है किजोक गुज़ जिसतामीलके हक्ममें इंजराहोता है असहकाने तहिनमें इजरा निगार्न मुखस महक्से का किन हां की का ग़ज नेज जाता हे औरतारी ख़ इजरायका ग़ज़ मर् लाबर किताब इजरा जिसमें बहकागुज़ द्र किया जा ना हेन हिरीर करने वाला उसकेनीचे खपने दस्ते खतकरिया जीरिकताब इजरामें हर िंट रे कर्ता है بهنمسرحداگا بنه د رج एककागृज्ब नम्बर्जुरागाना द्रज हुवा करताहे ज्योरवह नम्बर हुका के नीचेइजरानवीसं लिखदियां करताहै केइजरा पकाराजातकान्प्रमल द्राभर् रीगरम्हकात भातहेत में नी जारी रहिना बाइसभ्यसल्बिकार्या लिहाजास्तर् सीलनकजनमूना पशानी किताव इनरायकाग् जातमिन सलका-ज्ञुमले र्खे मुवाफ़िक्र जिस्टर इजरायकागृजा

नेरक्षानेदारकी शिकायतमहक्नेश्व लियेमें तहिरीर्की कितामीलके लिये सम तथानेमें नेनेगयेचे मगरतारीख मुक्रिरातकथाने स्रेस्मान नामीलकर केवापिसनमेजेन कु छजवाबत हिरीर किया बरामहक्ने आलियामें परवानामीस्मे याने इंरिनिज्ञामत से जारी होने की बाबत हिक़ीक़ातकी गई तो मालूम हुवा कि निज्ञामतसवाईजीपुरभेकाग्जात केर जरापकी काई किताबनही है - किजि सपरकागृज्दर्जहोकरजारीहौताहोखोर नतहित हुकातामील करने वाला श्रेपने द्स्तरवत खोरतारी रव नामील लिखताहै श्रीरन नेनाइजरायका गर्ज ताहै सिर्फ़ एक किनाब एसी है कि जिसमें रोज़मरानाम उनखशाखासके दर्ज होते हैं कि जिनके नाम लिए। फानेजाजाय जिस्सेकु छ मालूमन हीं होता किउस लिफ़ाफ़ा के अन्दर्का २ का ग़ज़ थे जीरनइन्दुलनहिकीकात उस्से कुछ पता चलसङ्का है कि कागृज़ कबजारीह वाञीरजारीहवां यानहीं चुनां चिमारफ्तसरहारानश्वपीलके काहालहर्याक्रिक दीगर सहक्यात यागया किवहा क्या व्यमल द्रा मर् हेतोजवाबन्त्राया किकार्रवाई इजराय

(40) श्रीरनोमहीने रोमहीनेकी रुखसत चाहे तोब नुज्ञमुकम्भल इन्तज्ञामके रू स्तरेना मु नासदनहीं है जैक्षिज़ोशा, नासिक धोका रेफर हर्तसतलेबावे जैसा किना सर्चनवीस अपीलने किया किञ्चल तेथोडे हिनों की **रुखसतली और इस्टाप्प फरोश को अप** नीजगहकामकर नेके लिपेतजबीज़करें पेशकरहिया बाह्यज्ञांना नीलों मेंनी रूखसनपर्रहा जोरबाद्रवतमतातीलों के फिर खीर हर्ब सतलेली औरजो एवजी पेश किया उसने जमा खर्चनवी सी के का मकी बाकि फी पन सेइनकार कियाउस कोकजीतनरहाहरैपामरुखसत की नं ही देनीचाहिये जीर रूखसतकी हिं इन्ते ला बगर्न मंनूरीव इनरायहुक्नब नाम मोहतिमिम्बनाना हम्रेशा महका ञ्जालियामें आनीचाहिये नम्ब्रिगार नारीख्य मंजूस अमर्सन १ ट रे ३३० 30 खलासा हिद्ययतबाबतत्रीका इजरायवाग्जात गम नमू ने रिनस्टर् B मज़सून नानिमना स्वा

(PE

खनान नेजा रव्जाने से पांचरोज नक शिल कारों के शिर इसरोजनकनायवोंको ननरबाहनही दी गई। रिगेर्ड रिगेर्ड चूंकिअहालियानस्वज्ञानान्यीरजमास्वर्वन 💯 वीसश्रपीलकी इसमें ग़स्तत है लिहा ज़ाबाबन गुफलत अहालियान खज़ाने के तोनकल हु कन २३ मार्च सन १८ ध्रई कीसी गेकल करी में दीगई-जोरबहुक्म११अत्रेल सन१८६३६सर द्रागनअपीलको लिखागया किनमाखर्च नवीसकोउन्हेमामरुखसतकीतन्खाह क्लिानावाजिबनही है कि जिन रैयाम मेंने रनुद् उसनेकाम अंजाम दिया श्रोरन उसके र बज़ने-सरहारा न ऋपी ज ने ब ज़र्ये के फ़ियत २२ छप रेल सं१६ ध्रिईके लिखा कि रख सनों के बाव तथ्यकसर दिक्कतंभ्योर्जलकावपेशभ्यातेरहिलेहिं 💘 और इस का कोई कायरा श्रोर रस्तू रलश्रम लमुकरिर्नहीं है कि जिस्पर खमल दरा मद रक्वा जावे - एक मुक्क स्सिल हिरायत भि जवारीजावे किथायन्राइसके इतवाय में रुख्सतों की कार्रवाई हुवाकरे-जिसपंरजवाबमें सरहारान खपील की लि खागया कि हरवसत हर हालमें मिलस लेकिनइनज्ञामकामकाभीकर नालाबुदी अमर्हे किजिस्सेहर्जकार राजका दिनोंकी वक्रमभेन आवे यह जमल पोडे नुस्री श्रीरइनफाकी रखसत की बावत है-

(R3) स्हाराभवद्गिनहरसह नापवान निजामतस्या ईजेपुर सीगे जुडी शल ने वज़र येरिपोर्ट १६ मार्च ए । १५ सन १८ र शाकायतकी कि हो लीकी तातीलें संपहिलेनिका तनरबाहदुमाहा जनवरीव अर्वरी सन् ९८६३कातक्सीमहुवाक्यीर जुमलेमह्का तश्रीरनीज़तक्रीवननिस्मूख्याले निजामतनेत न्याह पाली मगरह मारीतनरबाह अनतक नहीं मिलीन्वीरश्रम्मन हैसाही तवकु फ़हमारी तक्सी मतनरबाहमहोताहै अबतनरबाहित्लवाईजा । युत्रीरुत्रायन्हाइनजामपुर्मायाजावे-चुनांचिइसका हालखपील निजामत खुजा नासेर्याफ्नकियागयातीनाहरहुवा किनि नामत सेतो चिडा नईफ़रवरी सन १८६ ३ई॰ को अहा अपीलमें नेजिस्यागया या मगर अपीलसे रस रोज़िकबाद ख्ज़ानेनेजागपासीरहेर में हुई कि। ८८ कालू रामनमा स्वर्वनवी सभ्यपीखने द्व्यदाय १६ प्रस्कित्तन १ चर्च इंद से रईफ़रवरी सन १ चर्च ई॰तककीरुख़सतली खोरे फिरजो हो लीकी नाती लें आई उनमें भी रख़ सतपर रहा श्रीरजव धमा रूप र्च सन १८६ ३ई को ताती ने खतम हुई नो हो हि नपानी ५व ईमार्च सन१८ ५३ई० कीं हुरीखीर लेली-श्रीरकलमाननरायरगं इस्टाम्पफ्रोप जिसको अपना सेवज मुक्रिर कर गया घाउसने कामनाख़र्चनवीसीकाकुद्धनहीं कियावलिं नैपारी विद्वेसेनीइनकारकरगयान्त्रंजामकार ज्ञास्वर्चनवीस्वमार्चसन१८५३ई॰ कोञ्जपने कामपत्र्या याःशोरचिहाने पारकरके स्मार्चको

ज्योर किर ज्यपनीराय यहानास किवरंजानकेवास्तेयहकायराजारीहान एउँ ए गुनासिबहै कि जिसगानमें युनिसहै वहां नो पुलिसकी घाहादन हो जानी नाहिये खोर्जहाँ पुलिसनहीं है वहां पटेल पर वारी की शहाद मिस्ल इलिम हो जाया करे नो असलू बीकार हे किसलिये किञ्यगर युलिसमें इनलाही जा वेगीश्रीरवहां सेकार्रवाई होगी नोबर्न्स समनकानी दिक्कतहोगी खोर इलिसको नी तवालनकामकी है। गी-निंसपरजवाब में सरदारान अपील की लि खागपा किइसमञ्जामलेका इसकर्ग्सूल देना श्रीरजीलोग बेस्जान के इस्वर्ल हुक मी सेनां वा किए हैं वाक फ़ियत पेंदा करान क्या ज़रुर है या हर में अमूमन ऐसी कार्वाई नहीं हो नी पाज़नादिरक जी एसाइन फ़ाक् बरवतन्वस्पां करने समनवे मकान में से काईश्वपनी गवाही बाबन चस पाकरने समनकेनकरतो पुलिसके सिपाही कीगवाहीकरादी जायाकरे-امی کرا دی تا باکرسے तारी खमंजूरी नम्बरशुमार् Y9) २६ं अपरेलसन१८६ र्द 49 2£) ख़्लासा

177

खुलासा

जमीमे हिरायननम्बरी (१८) मजर्यह २२कर् वरीसन १८ ६३इ॰ बाबतचर्यां करने सझनव कराने गवाही के-

मज्मून

इस्तस्वाबसरदारानश्वपीलपर २२ फरवरीसन १८ ६२ ई-को यह हिदायत जारी हुई थी किव सूरतच्यांकियेजानेसमनकेजनस्तिसी की गवाही कराना तो दूरस्त नहीं बर्जिक एसा मु नासिबहै कि जिसपुलिसके हलके में वह समन च्यां कियाजावेबसूरतनगवाही करने छहिल मुह्ला के नसांकु निन्दा समनको मुनासिबहै वि उसपुलिस्परजाकरद्त्तलाकर्श्वोर्श्वर्। ली वुलिसको शहादत से समन चसपांकरके अहाली युलिसकी यादाद तलिखवाले वे-सरदारान अपील ने बाद इजराय हिदायतमज् क्रिपिरव मार्च सन १ चर्च ईको बहवाल नहरीर निज्ञा मतदोसाब्बोर संाचरबोरसवाईजेपुरय हलिसां किबस्रतनकरने इनला याबीकेवे कं जात में यानेदारखोरमुहारिकोइत तादी नावेगी स्वोर मुहरिंग् खोर पाने दारको ब रिन्हा समनके हमराह जाना हो गातो इसमें ब कारसरकार हर्नहोगा खोरनवा लनकारहो गीपसबेरं जानके वास्तनीकायदः मुकरिं ानाचाहियेक्यों कि बे रंजान में हर्गाव में इ

(44) (३र्ट) इसके कितईबन्दकरनेके लियेहिस्यतहों के नारिये ग्रीरजोक्रीमीरसूरवाजा द्वार्व वप नामाच्यार पुन्यपत्रक्षीर रहिननामा केवा तेख नद्भीकाकायरामुकारिहें वह बरस्तूरजारी रहि नाचाहिंपे खगर्राजिस्री खसनादकी र नाज नवामहीगईनोइस्संकोईननीजाश्वहिसनपे हानहीं होगा श्रीरजो मुद्न दूराज से खन इसने की इज्जात ग्रीर रेतबार ग्राम ग्रशरवासमें होरहें वहअग्रलब कि कम होजा का। श्रीस्वस्वक्षेपे शहोनेद्रखास्त जस्टरीके अग्रद्शतहार्ज रीहोगा नोहनारहा मुक्दमात बसीगे मुत क विज्ञरहारियों के हायर हवा करेंगे श्रीर्भा रबगैरइजराय इपतहारके रजस्टरी किल निर्धेष्टरे की जावेगी तो किते ने ज़र इसके कि बाज़ मार् वेश्ववनीनां जायज्ञेतोर्पर् (जस्टर्यां हुई हैं ए लागोंकोहुकमन मोकानाजायज्ञकार्याईका हिंदी रजस्टरीकेवेशांग मिलेगा धेरहरहाले क नेकेवक उज्रदार अपनी उज्रदारी जीवेत करेंगेतो अलबत्त बहुत अपसोस्की बातही गी किउन की उज़रदारीन सुनी जावेगी भी रअगर सुनीजावेगीतो तजवीज़ अहम " जरायइ्घतहार्कीइसस्रतमें ना सारातरः व्यरहोगी-तारीख मंजूरी नम्बरशुमार् (٢1) २६्खनरेलसन ९ ६३ (११) 25

(१५) (२**ई**)

(29)

लिहाजा गिराईको लिखा गया कि यह नरीका ज्याय न्दाको बन्द करो और जो खासा प्री जिस नहको में नेजी जावे उसका साफ हुक्न बनाम ना जिरको ज रारी बिना बर जे जदे ने महक्के मज़कूर के जारी कि याजायना कि वहा से सी थे उस महक्के में व हिरास त मुलाज़मानह बाला तक्षो जदारी बिला तब कु फ़ प हुंच जा प खोर बिला सबब गिराई में हो कर फिर उस महक्के में खासा प्री नजा पाकरे- खीर जो उज़र कि प हराती करते हैं उनको मोका ऐसे उज्युक्त स्नेका न फिले

नम्बरशुमार नारीरव मंजूरी २६ १६अपरेलसन१८५३

खुला सा

ग्रसावेबपेनामान्त्रीरपुन्यपत्रश्चीररहिननामाके जिसकीरवृत हुशीकाकायदाजारीहे दीगर व सीवेजककीरजस्टरीन कीजावे-

मन्मून

च्रि.स्वत ह्यी मका नातका का यहा तो राजमें हमें श्रो से जारि है बिल फ़ेल खला वे इस खन ह्यी म का म के इक्कारा ना मा इक रार ना मा खीरही गर तमस्मुक और इस्ता के जें भी लोग जिस्सी कराने लगे हालां कि ऐसी रजस्टरी खन ह्यी से जुदा स क ख़्मर बनोर तस दी क मुक्तिर के है खीर ख़दाल नमें बगैर हका खीर हिदा पन महक्ते खाल माके कार्रवाई रजस्टरी वसी के जात की जारी कर री गई

و کا قاصرہ صاری ہی - دیا بغيا ت كى رخبى شرى جنجا وست.

मनम्न

क्रीजहारजीने नक्लकेष्ट्रियन निजामतरी साकी ग्पपनीकैफ़ियतमवर्वे २३ जनवरी सन १८ र्व ईकिस य्नेजकर लिखा किवमू जिब हिदायत महको जालपानम्बरीहर्भमवर्षे २५ जूनस्न १६ ई जुमले निजामतों से मुकर्मान ख्फीफ वसंगीनमें न्रीके लियेयहां त्राते हैं उनमें बाज़र खफीफ मु क्दमात्रसे बहुत कमहोतेहैं कि जिनमें नाजिम लोग सज़ायबेदकी तजवीज़करके मंज्री के लि वे मिसले मय खासाम यों के यहां ने जनेहें अबन ज़िमजीदोसाद्रखास्त करतेहैं किपेशेवर्वरा र्गीरों उचक्कें को नबबेरकी मृजा निज्ञामतसे निजावे- मिस्लेश्वीर शासामी फोजदारी में मंज रीकेवास्त नजायाकरें तो बहतर होगा खोर इसद रखास्तकी वजूह की अपनी कै फ्पन में दर्ज़ की-चूंकि पहरर्ख्वास्त निज्ञामतकी काबिल मंजूरी केहें किसलिये किजब निज्ञामतों को अस्त्यारा तस्जायबेद्के दियेगयहै तो उचके गरीके खफी प्रमुक्रमातमें स्जायबेर्के लिये मुजिरमें का यहां त्रानागेर्न्सरीमाल्महोताहे लिहाना फ्रोमरारीको लिख दियागया किनो हि दायतनम्बरी (८८) मजर्यः सन १५६० ई० हे सो मुत्रज्ञिल्लक् ख्रीएमुक्दमातकेनही है पस रसे मुक्दमानमें तजवीज़की मंज़ूरी के लिये प्रोज हारीमें अमसलाका आना वशरते कि हद्शाव यार्निज्ञामत्रमें होज् स्र्नहीं

८३५३ भेंसेजोलेल कि वसववबद्कि रहारी मुकद मात में मा 44K) (२४) खुजहोजातेहैं अकसर्उनमें से मरारी अरह पार करलेतेहें लिहाजातजवीज़तदारुकजारीनहीहो सकीनजुरमानांवस्लहोसकाहेळोरइसमवंब **सेइन्त जाममें खललपडता है और बाजमरतवे** इ सहीतरह सेबडेबड़े मुजारिन सज़ा सेमहपूज़रहि जातेहें ज़मानतउनकी कनी होती है खोरकनीन होहोती इसवातोन्नरेल सुपरंउटं की इसके इना जाम के वासे लिखागयाते। उन्हों ने एक मसिद्धराज्ञमा नतकातैयारकरकेन्रेजाः- चुनांविउसकोदेखाग यातो एसा नमानतनामां जिसमें तादाद जरमुन्द र्जहोत्र्योरजामिनमोतंबिरहोबरवक्षतकर्रीत्र हिलकारकेलेनामुनासिबहै ज्यार जिनकी ऐसी जमानतनहीं लीगईउन सेनीहस्ब द्रख्वा स्तंभी राईलेना वाजिबहै पतरोलानश्वीरमुहरिंगन थाने से २०० की श्वीर अफस्यन थाने ते ५०० की खीर डिपुटी सुप , उन्टान से १००० की ज्यीर उसमें शर्त इस बात की र्जे होनी वाहिये किरेपाम मुनाज़मतभे ग्रे. रवार्बर खास गीके तीनमाहनकहााज्ञेरतः रहेनेके ज़िम्मेवार रहेंगे बर्ने जर जमानत खुद मरेंगे + तारीखमंजूरी नम्बर्शुमार् (24,2 १३ऋपरेलसन१८६३ खुलासा नभीमे हिदायत्नम्बरी ६८मजर् यह २८ जूनसन

८६ ६ई॰ रखाव सजायबेर

श्रीरद्भी तरह श्रदालत के मुक्रम तमं भी कार्वादं हो ती है - भगरपहत रिकः ठीक नहीं क्यों कि यह तजकी ज़ के दव रिहाई व जुरमाने की मुजिब ज़े सर रारान अपील नहीं है बल्कि फ़ीजरारी अदालत निजामत की होती है - अगर महकाः मात हतकी तजकी ज़ के ज़िकर में यह कार हत की तजकी ज़ के ज़िकर में यह कार हत की तजकी ज़ है कि तजकी ने सिर्फ यह लिखना काफ़ी है कि तजकी ज़मान हेन का विल बहा ली के है श्रीरमुर फ़ा श्रपी लांट का विल नां मंजूरी के - स रदारान आपील श्रीर हुकाम मात हेन के नामील के वास्त्रे लिखा गया –

नंबर्ध्यमार् तारीखमंजूरी २४ ५अपरेलसन्१९८३

खुलासा

क्वायद्ञाल्त्जमानतमुलाज्मानपु लिसमुतिल्लेकेगीराई-

प्र

मज्ञम्न

तक रिरी मुलाज्ञमान पुलिस की गिरईकी
देखाल पांजूरहो ती दें जो रहंगाम तज बीज़ स
करिस ब बातों का इसी नान कले ना निमे
जनरल सुपरंड न्ट के हो ता है ले किन इस

مين بھي کارروائي ہوتي سنڌ سا یک وا تسطیلکماکرا

(58)

लिंगर्मर्कराक्षेद्रहें - श्रीर्इस हम पण्णाण

कर्र ज रमाना दें अत्लंक्ला रिहा कि मेजारें

افعه كميمي تكهدستين كفلان لان

री भुराक्षे के यह जी लिख देते हैं कि फ़ुलां रुभु

زې

(२३)

करेगी-

नंबर्युमार् 22

तारीखमंजूरी १६मार्च सन्१६६३ई

वलासा

चेले खवासां की गोर्नशीनी के मुक र्गात अय् लत में समान्त्रत न किये जावें पहे लोगमारफतअपने अपसर बेडा के सी ग़े कलकरी में दर्जास्त्र किया करें-

भज्ञभून

आज करन ऐसा अमल जारी होरहा है किज ए रेन्ट्र में एए ए वकोई खबास चेला जीते जी गार विदेशका निर्मा निर्मा लेता है तो रीगरहक़ दार दुम्तनआगोदवगे प्रेंग के विश्व रःकीनालिक्षातस्य यश्कियाकरतेहैं-अगरका ई इनलोगों में से फ़ोत हो जाता है तो जो शरस उस का बतननाहोताहेवह सारहीफ़िकड़कीदरख़ा स्त पेशकियाकरताहै-दीगरकसानकीउज़र रार्यापेश्रहोतीहें श्रीरश्रयत्ततसेहत्विमिक्क जायजाबातजवीजहोतीहैं लेकिन इंकियहिए। ्रकः खासिष्वदमतबंदगानआलीमुतश्राली जीदामह्रश्मत्रुम व इक्रवाल हमकेलिये मुक्रिरिहे- श्रीरवनका (खना न रखना लायक मुतसिहर डिंगी दें। करना नकरना मरज़ीबाला परमुन सिरहे न्त्रीरनीज़ इनके कारमुत नेहायतमाजुक जि़मोवारी

الذكالغال شعالي سري

(44) (33)

तारीख अनुरो नंबर्धभार ١٢- ماريخ ساف ١٠ ع व्वभाई सन्१० हें ई 38 خلاص र्बुलासा वापबेटेकी तर्फ से जीर वेटा बापकी तर्फ से वि ला मुरुद्वार्नामे के किसी युक्त दमे में जवा विद्ही डि. ... नंद्री करसकता-भज्ञभून नाजिमजी संचरने सरदारान जप्रपील सेड्रा एंट्एंग्रेश स्तस्वाब कियाया कि बापकी तर्फ से बे टा जोर बेटेकी तरफ़ से बाप किसी मुक दमे में जवाब दिही करेतो पुर्तार नामा चाहिये यानही-सर्दारान अपीलने अपनी राय में लिखा कि ي كي جانب बिला मुर्तार नामा बाप कीनानिब से वे राश्री रबेटेकी तरफ़ से बाप पैरवी नहीं करसक्ता है औ रू म्र में क्यें रफिरयहां से दूस बारे में दूस तस्बाव किया-اس ما برومین استصواب کیا-- كى طروت च्कि दरह्कीकृत बेटा बापकी तर्क सेखी रबाप बेटेकी तरफ़ से किसी युक्र दमे में विला उ अरतार नामा जवाब दिही नहीं करसक्ता- (८ दे। ज्या गरिने प्रे احواب مین منطوری مردارا ار بر سو लिहाजा जवां ब में मंजूरी सरदारा न जापील को लिखीगई-

(56)

नंतरश्रवार तारीसवसंज्ञी (८) केंग्रें। २० प्यार्चसन् १ वर्षे ३ई. १७१८/००

खुलासा

हिंश यत द्रबाद मुकाम ना लिश

४ मज़ भून

नाज़िमजी दोसा ने लिखा कि अकसर होगा होता है कि फ़री क़े नरह ने वाले तो एक निज़ा मतके होते हैं नगर्दूसरी निज़ामत में जा कर नालिश करते हैं-

श्रीर्चाहते हैं कि एक हिरायत इसवाब में जारी होना चाहिये-

चूंकि स्परी गुक्रदमे के लिये तीन हैं. रते गुक्रिरिहें-

(१) एकतो उस इलाक़े की अयालतभें जा क्षेत्र हां मुद्दा यलेहकी सक्तनत हो-

(२) द्सरे उस इलाक़े की अदा लतमें ज प्रिया प्रीय के कि कार्य हों हो हा यं नह की अस्य दा दही-

(३) तीसरे हस इलाके दी अदालत में

अहां लेग देग हुन्आहो

लिहा जा ना ज़िमजी को जवा बालिखा

पिक्री में पिक्री में जिल्ला को अवा बालिखा

लिहा जा ना ज़िमजी को अवा बालिखा

गयाकि ब्रम्जिब इनस्रतों के समान्त्रन युक्रदमान की करनी चाहि थे -

	\				
ৰ্যুদ্ধাৰানা	र केम्प्रयत सबब ब.फान जंदा तक नंद्रकी कहुत्या हो-	४४	=	ئىنىيىتى ئىنىن ئائات تېرانىكى ئىنىق ئالابو-	
जेजातरजसवार्तीयुरमें अन्याने स्तम्मिक्किनिमाभत	मरत हाल यानी मुक्सिस्सिल्हालत नाशकी कि निशानात रस्सी पाजर ब ब जरबा तनवार ब लाठी वशेरः के के से और कहा कहा है ज वान मुह्मे नाहर निकली हुई है या अन्दर्ह और ररंग जबान का कैसा है और हरदे हाथ कि स तरफ़ और किस तरह से	ે		مورت مال فی شامال نفتی کا نظامان اسی ا نبان نفیرست با برنای بولی بر یا ارسیت - ادر زبان نفیرست با برنای بولی بر یا ارسیت - ادر زبان نفیری ست سیم - اور درده تعمیمی طون ادر محطری سیم سیم - اور درده تعمیمی طون ادر	مين انفاذ
	हिस्माए। १९६ है। देश है। किस्टा क्रकेटे कि	w	9	- بهنباهٔ العوامم المرجسة ، المجرائع	Cit
सनाईज	क्षिष्ठ प्रामिन्द्रिक किछ रिहेर हिंस	· 2	٥	وينباد كالمرابا المحالية	
नक्ष था मेजेजाने ना घटकार्यान नाइना कार्महम हान के श्रमाखने नान एन	ज़ुए, में हैं कि कि हो के एक एक क़िक्र हैं ए कि ज़िक्र में क़िक्स में इस्क्रिक्ट के ज़िक्स में ज़ुक्स में कि	9	. 7	نتونع مع المحاضة المح	ي كيميان في سائد المدالية
	क्रित्रकृतिकार्काकिम्हमाम विवृद्धिकियाम दिल	**	h	ام اداد الأدناء ودنت الماراد! - الإيوارية-	اسطاسيا
द्विश्	हार क्षितक सि हे डेर सका	24	D	- رفال الخسيه	Consider the
उद्गार्गान	रिक्ष कि दिए में ड्राष्ट्र स्व हिए कि वि	8	٦٧	خشراء الألائي المناسعة - الإبلائيد المناسعة	الفائلان
नेनाश	ग्नि कि	ત્ત	£	-666 - 10 Sold	100
ये के अ	हाइस्क्रिस्ट इस्ट्रिक् इस्ट्रिस	۲	T	- برائع يمينه الوارز	650
13% YII	्रिक्तप्रकाने के क्रिक्स माम स्रोप देस हो स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट स्टेस्ट्रिक्ट	11	-	المرائد الميانية المرائد المر	المعادية

र्द

हिर्गयत व नक्ष्ण कवायद नेजनेना प्विनाबर् मुन्त्रायनाडाकरी-

मन्भून

डाकुर साहब बहादुर ने क़वायद नेजने नाप बिनावर मुआपना डाक्टरीके मुर्तिब करके बज़र्ये के फ़ियत १३ फ़र्वरी सन् १६ र ३ ई. महत । - इक्ट एर आलियः में नेनी कि नाजिम छीर तहसी كالمرادراورانسرال लदार जीर गाम याने जात की | كاندمات كواكس كالعميل इसकी तामील के वासे लिए वादिं। --याजावे चुनांचिजोनो मरारिज कि के। फ़ियतं जीर्कवायदमें किये वह ब तोर नक्षो मुन सलका के मुरत्तब हो कर्शाये किये गये और एक २ परत तमाम महक्यों में जीर ४० पचास फर्द थानों में जेजी गईं-

ت محکمون مین اور پجازشنرخانره فرد کھانون من مجی گئین (1A) (8E) दर्ज है कि जिसवक़ समन च सांकिया जावे को गवा ही जी हम सा यो की करा ली जावे बिर में आवा ही नहीं करते- अव द संब रेमें गवा ही जबर कराई जावे या क्या-जिस पर जबाब में लिखा गया कि बस्र ल च सांकिये जाने समन के ज बस्न गवा ही करा ना किसी की तो दुर स्न नहीं बल्कि ऐसा मुना सिब है कि जिस पुलिस के हत्न के में वह समन च सांकिया जावे-

ब सर्त न गवाही करने अहिल मुह्झों के चस्मं कुनिन्दा समनको मुना सिब है कि उस पुलिस पर जा कर देन ला करे और अहालियान पुलिस की प्रहादत से समन चस्यां कर के अहा लियान पुलिस की शहादत लिखवा ले वे-

जुमले मानहेत महक्यात को इत ला दी गई छोर फोज दारी को यह भी लिखागया कि मारफात कोत बाल के पुलिस दारान को मुत्रला कियाजावे कि बम् जिब इसके तामील करते रहें -

नं बरश्रमार तारीरव मंजूरी १६ ३४,५वरी सन्१६-५

(14) (39)

खलासा

ومن کوایی شر

साबिक में जोहिरायत इस बाब में जारी
हुई हैं उन पर प्रग २ लिहाज़ रहे इस लि
ये अब दुबार अन्दरी बाब किसी तज़र्वी
ज़ की ज़रत नहीं है मगर इस दिरायत
की इल महक्तात में सरदारा
न अपीरन में नहीं ही छी-

लिहाज़ा सरदारान छापील कोलिख गया कि जुमले मह्कात मातहेत में इसकी इनला देदें -

नंबरश्रमार तारीरवंगज़्री ९८ २२ इरफ़र्वरीसन्१८६३

स्वासा हिराधन तामील समन -

मज्ञान्न सर्राणमधापील ने बज़रथे के ग्रियन १३ फर्ड्री सन्१६ दंश दंश दंश तस्त्र व कियाचा कि जो समन रसपा डंटकेन मजारिहों ते हैं उन पर खाज़ जो कात इसता! याबीन ही हो ती क्षीर वजह यह कि रसा डंट रस्त याबन ही हो ता कि सी जगह चला जाता है- चुनां चिबस्रत महो ने रस्या ड न्ट के ह ख मन गाहि रायत महक्ताः आलिय म कान मिसकिन रस्या ड न्ट पर समन च

ت كى اطسار ع كامتحكمات مرداران اسبل سنفنهدوي ال ع وبدين ٢٧ فروري منهم ११८)

سرداران اس است بذر نعیر کیفیت ۱۱- فروری شوشه عمیر استصوا کیا مفاکه جوسمن رسیا درط سکے مام جاکا موستے ہیں - اول بربعین اورت ت اطلاعی بی بن برتی اوروج مربر اطلاعی بی بن برتی اوروج مربر ارسیا دست رسیا بہت جین برو آکسی مرب اور سے رسیا ورف سکے حربی بنار اندوسے رسیا ورف سکے حربی بنار (14) (14)

(44)

अल बत्तः अदम पेर वी मुहर्में जो मुकरमा राखिल दफ़ तरहोगा उ सका मुराफ़ा नहीं हो सकता है-कों कि नफ़स मुक्दमेकीबाबतकोई त जवीजही जबनहीं हुईतो फिर्ड सका मुराफा के हो सके गा-लिहा जा सरदारा न अपील के लिखा गया कि कुल महकात मान हेत को इस्से दल्ला हैं-

इस्से दुलाना दें-नंबरे श्वमार तारीख़ मंज़्री १७ २२ फ़र्वरीसन्१^{८ ६}३ई

.खुलासा हिरायतदरबाबसमाञ्जतनज़रसानी-

मज़्मून

करहरू द्रस्तस्वाबनाजिमतोग्वादीश्व फ़र्वरी सन्१८६३ ई को यह हिदायतजारी होचुकी श्रीकिजोमुक्रस्मात्यकतर्फायाञ्ज दमपेरवीमें फ़ेसल् या दाखिल दफ़्तरहेजा वेंडनकी नज़रसानी तो हाकिम सानीजोब दलकरञ्जावे बेपाक सुनसक्ताहैमगरजो मुक्रदमा बहिसक्त्रदादी होकरएक हाकिम कीपेप्री सेतेहु ज्ञाहै उसकी नज़रसानी दूस ए हाकिमजो अव्यलहाकिम की जगहबद लकरञ्जावे सुन नंदी सक्ता-बल्किं उस मुक्रदमे के फ़रीक नाराज़ को बज़रये मुगफ़ अपनी चाराजो ई करना चादिये जीर

خماصب هابت درباب عرت نطن زانی-مه مصنعون معن منطن ما

برحسب بمستصواب اطنب تو دوائی اا منسروری سافتنام کو کیمه بدایت مار برومای همی که جومعت را ت یک طب رنه باعدم مبروی مربخت را تداحت از فتر بموما وین اون کی نظف را نی توصاکم انی جوبدل کر آ وسے بیشک مسر سکتا ہے گرجومعت دمریجت رو دا دی موکرامک فاکم کی مشیح سسے طربواسے اسکی نظری دوسرا ماکم جواق اس کے اسکی نظری

ज़मीमे हिदायत नम्बरी १० मजर्यः इ फ़र्वरी सन्१८ टर्ट ई॰ बाबत ग़ैरहाज़रीमुह ईवसमान्त्रत नज्रसानी वगेरह-

मज़मून

मुख़ारान अदालत दीवानी ने लि र्वाकि दिस्यत में जो दर्बाव हाज़री रिंह जेंप्य केंप्र निक्ति हाज़री गैरहाजरी फरीकेन जारी दुई है उसमें यह सराहत और होजा वे कि अगर अस् एंट्रंट्रंट्रंट म पैरवी में नुइई के काग़जात दाखिल द्फ़त्रकिये जावें-तो मुद्र्को असि थारहेकि बजरये नज़रसानीया मुराफ़ाचा - 5रिंग्ये एक्र में राजोई करसक्ता है-चुनाचि अन्दरी बाबजो हिल्ला मान्या है। हिदायतें जारीहुई हैं मुलाहिजाकियागयाता । गण्याग्याति। अगरचिहिदायत३ सितंबरसन्१८०६ई में षु इर्ड की बाबत कोई बहस नहीं की गई मगर नो हिरायत ३ फ़र्वरीसन्१० टर्ट ई को जारी दुई। ८ ० - १९७ ५ ८ -है उसंकीद्रे अञ्चल में साफ़ तीर्पर्स एहत हैकि अगर अदम हाज़री में का ग़ज़ात दाख़ि। एड ल दुझतरकिये जावेंगेतो ३० दिन के अन्द रमुर्द्र अपनी अदम हाज़री की वजह का फ़ीदरज करके नज़र सानी करके कार्रवा ई मुक़दमाक्र (सकेगा-पस जरीर ई जारी की कीई ज़ररत नहीं - अ गर मुद्ई ३० यो ममें नज़रसानी नकरेगा ती उसको दुखारा रस्म दाखिल करकेना

लिश करने की मुमान अतनहीं है

خوان غناران عدالت دیوانی سنے کھی کیرما -عنظرتا نی که

(10)

(84)

वाजिव से महरूम रह्जावेगा द्सनज़ रिलालजी हिए एक स्म मुक्त द्मे में मुम्मिनगत विहारिलालजी की राय से इनका करें लालजी यह मिक्त महक्त अति वालजी विकास मुखारन अय लत इस राज़ से मेज दी जावे कि जब दस का के मेज दी जावे कि जब दस का के में मुम्म के बेज़ाल गी के साथ मुन सिकान किसी रावे को बसी गेम स्वाक अति के विज सहार के में मुग्फा बसी गे वे जावा मी हक्ता म अदा लत समा अत

चुनांचि व वजह् मज़क्र्यहमिस् लमहकाः आलियामें आई-

मुलाहिजे मिरल से जाहर हुआ कि
यह रावा जो मुद्दे पान ने किया है मुतन्त्र
स्निक वह की यत माल्म होता है और
रावा मुनन्त्र स्निक वह की यत में २५ हिः
तक तज वीज़ मुनसिफ़ान की नातिक
नहीं है लिहाज़ा सरदागन ज्यपी लकोलि
रवा जा वे कि ऐसे मुजामलात ह की यत
में अगर मुनसफ़ी के फैसले से को ई नार
ज हो कर मुगफ़ा करेतो उसका मुगफ़ा
कावि ल समा यत के हैं -

محكر عالب بين أستسوا بأحر ت من مرا نونصبغ رمبن بطاً محام عدابت ساعت كب كرين-نے کیا ہومتعان مجعبہ من قابل ساعت سکے ہے۔

(88)

काविल्ननंही है मुनास को ने ग़लतन्त्रीर गदुरलका र्वाई की ओरचंदतनकी हात कु ग्रहेकर मिला वापिस ने जने की तजनी ज़ की ओरिल खाकि द समुक्द मे की बम हख़ भी फा होने से मुद्द श्री पालकी चारा जोई से महस्म रहजाता है और यह मुन्ना मत्ना हकी यत का है औ रिमल को ब वजह इस्त्रला फ़राय म्हको श्री पीत में इस्साल किया - और यह भी दरस्वा स्त की कि महको आ लिया से भी दस मुन्ना मले में इस तस्बा ब कर िया जा वे कि ऐ सी स्तरत में मुराफा का बिल समान्त्रत हो गाया न ही

तिबहारीलालजीकी दुरसह देस में कि
सीतरहका करना मनहीं कि दावी ज्ञा
मदनी छिति की किसी हालत में
राख़िल मह ख़ फीफा नहीं हो सकती कें।
के यह एक नरहकी हक्की यत है और ओर
के यह एक नरहकी हक्की यत है और जोर
के यह एक नरहकी हक्की यत है और ओर
के यह विश्वास है अगर इस कि सम के दावे
को मह ख़ फीफा में ज्य मार कर लिया जावेगी कि बसा जो कात फर के नार्ज़
नावेगी कि बसा जो कात फर के नार्ज़

(88) (14)

४ मज़्नून

मुसमी यान रघना छ। र बाला ब्र्यू अज़वाम पुरेहित ने युस मीयान भूर मिंह भीरलाल सिंह जार गिरानलों दर्वा ड़ाकीनिस्वतमुन सफ़ी में स्वार्यरिक याकि दो प्रांदियों के 30 ह. मु ज्को इन्हों ने नहीं दिये डिगरी होजावे- औरएक बा स्रा को भी मुद्दा यस्तह गर्दाना कि जिसे भूरसिंह वरारह मुद्दाल इम ने शादी में काम लिया-मुन्सिकानने व मद् खफ़ीका इ समुकद्मेको सनकर है सल कर दिया है। रितर्व दिपाकिनमूजिन हि रायतम्बरय २०तितंबरतन १८६७ई इसका मराका मकी किथ्य बाला दलमें नहीं ही सके गा-मगर मुद्देन ब सीरेबैजा लगी अदारतत दीवानी में मुग्फाकरिया-बाब्ह्रान्चन्द्र्चटा जीने श्रमतंबरसन् १एर्ट २ई को तज वीज़ की कि चूँ कि ता सद स्वीकी बक़दर मद्रवफ़ीफ़ाकेकरंग्रपाई है-श्रोर उसीकायदेके मुवाफ़िक़ मुनसिफ़ान ने तजवीज़की है और हाँ ७ देगुन सिफानकी रायश्गमिलहोचुकी श्रीरम इ्ख़फ़ीफ़ाकोतजबीज़ मुनसिफ़ान नातिक हो तीहें द्रालियेबसीग़ेबेज़ाझ गीमुराफ़ालाय क्समाञ्चनकेनही है कागृजातदाख़िल दफ़तरिक्ष ए १५०० येजावें मुन्गीनगतिबहारीलालजीनेयहरा यदीकियह मुक्तद्भः मह्रवक्रीक्राकीसमाञ्चत

(83) (144) एक मुक्दमे में जुदा जुदा महकाः अपी ल से म्हकाः आलियामें मुक्दमे वारशा या करती हैं इस में बहुत तवालत तहरीर भीरकाग जात की होती है इसलिये मुना सिव है कि ऐसीर्क्रमानकी बाबत एक नक्रशार्थतारीख़को बाबत पन्दरहरोज़ा अन्वत्नओरदूसरा न्क्रपाआ खिर्माइ कोबाबत १५रोज़रोमबदुतः श्रहेतयात से मगतिबहोकरमहकाः अपील से महकाः दारानश्तरपीतनको लिखा जावेकि माह मार्च सन्१८ ६३ ई.से रुसकीतामी त करें-तारीख मजूरी ११ ऋवेरी सन् १ वर्ध ३ई 89

(원) (원)

खुलासा जमीमे हिरायतनंबरी ५३मजरयः २० सितंब्रसः १००० ई बाबतसमात्रत्य खु कर्मात ख़फ़ीफ़ा महन्नः मुनस्फ़ी किरावीमु तत्र्प्र ख़िक वह क्रियतभेरथ रु तककी तज्ञ बीज़ मुन सिफ़ान ना ति क नहीं है -

रायर हों तो उन मुक्रमात में बंदा कि प्राथित कर लसे वाहिद सब मुक़द्मात का हवाला दिया जाकर एक तज वीज सादिर की जानी चाहि ये

श्रीर उसही तज वीज़ की नक ल हर्एक मिस्ल में प्रामिल की जाय कि सब मुक़र्मात की तजवी ज़ब्ही एक समजी जाय ताकि व्रवन्न मुराफ़ा उस तज्ञ बीज़ के त गैयुर्व तव दुल में महको मातहे तकी तज वीज का असर वह ही रहे कि जो महको वारना में सादिर कि यागवा है इसकी दूजराय की मंज़्री निजवादे-चूं उं किएय सरदारान अपील की दुरस्त थीजवार व में मंज्री लिखीगई श्रीर लिखा मया बि मातहेतको नीवास्तेश्रमल दरामदके द्ता एर धर्मि के नि लादें-

नबरश्रमार्

23

रखोत्तवापसी जुरमाने मा अश्रदहका नक्रप्राहरमाह में ये पाज़दह रोज़ के हि साबसे आयन्दाम्हकाः अपील सेआया करे-म्जभून

तारीखमन्ति। ८० के र फर्वरी सन् १८६३ई। हिंगीहरू

(14) (3) (11)

होते हैं- एक दर्खा स देहन्दा की जानिब से और एक या दो तीन उज़ रदारों की नर्फ से बल कि बाज्ये कात चंदर्बोस देहन्दा सारही फ़िकट के होतेहें सहस्मातमातहेतमें कभीकभी एक जाती देशेरिवा इशोकात दमा वंद्रतजारतजबीजनानिक उज़रदारी लतबीरक्याजाताहैसोयहकार्रवाईएकस् ग्तसेहोनी चाहिये-एः, मुकदमे में अलिहिश्रतजवीज़ की गई और जिस केरे क तज वीज़नदूई वह उस ही मिरल की नक़ल लेकर गुरंफ़ा करता है ख़ीरमु क्रमा सानी उसके इक्में द्स सबब से कि उस ने मुराफ़ा नहीं किया नाति क़ हो कर उस का रूजरा ऋमल में। आता है और जब मुराफ़े पर तजवी। ज्ञमातहेतमें तरीयुर तब दुल दुःजा तो तजवीज्मातहेत छोर तजवीज महकाः जालियामें तना किस वाके हो जाता है ब गर्ज रफ़ेनुक्स - मजकूर

व गरज़ रफ़ेनुक्स - मज़कूर मुनासिब मालूम होता है-कि जब मुकद मात सारटी फ़िकट व उज़र दारी किसी म्हकों

الی نعت استے کے مرا نعد کرتا ہے۔ اور معت دمتہ انی ادر سے کہ ادس نے مرا نعہ بندین کب اطلق ہو کہ اوس کا احب را بعمل بن آتا ہے۔ اوجرب مرا نعب دیر تجویز استحت بن تعتید مرا نعب دیر تجویز استحت اور بمتب دل موال نو تجویز استحت اور بمتب دل موال نو تجویز استحت اور باتع موما تا ہے۔

लिखिदयाकरें-महकाः आलियाके रिष्णुंगे ىرورىتى-लिखनागैरज़रहै जीरदरहाले कि धिरी अंगेर ने किसी-अमरकी बाबतमहका: आली याको ही लिखना मुनासिव हो तो इस रिप्रिटि में - द के वास्ते कोई मुमान अत नहीं हैं-म सलनठाकुरबहादुरसिंहजीकिसीमी एंड के के ने की आवारीया बरवा स्त्र गी काहा लस्योक्त करना चाईतो वह नाज़ि एंग्री मसेबराह् ग्ला दर्गा फ्रकरसके हैं सका श्रालिया को इसवारे में लिखना औरमा रि इकाः ज्यालियां कीमारफ्त निजामतसे द ए। उट पिर्वा र्याक्रकरानालाहासिलहैश्रीरइसीतरहश्रीर كاظرواي سيم. म्हकातके बाब तालिहाज होना चाहिये तारीख मनजूरी नंबर्श्वामार् च फर्वरी संन्शब्द ३ई १२ (\$) खुलासा उक्दमात साररी फिकर वउज्र दारी मुतन्त्र 📗 ८० किंग्रेस्ट १ चित्रेमें वजल्से बाहिर मुक़रमातकाहवाला ह देकर्एक तजवीज़की जाय जीर नसही की न रिंग ने निर्मा कल हर एक मिरल में शामिल की जाय-मज़भून सरदारान अपील ने बज़रये के फियत १४ नवस्बर्सन्१६६२ के एक स्व कार म्हकाः आतियः में मेजा उस में दर्ज कियाहै कि मु कदमात सार्टी फिकट में चंदमुकद्में ग्रात्व

(11)

(41)

10

तारीखमंजूरी नंबर्धमार् ७ फर्वरी सन्१० दे ३ (11)99 (56) खुलासा हुकाम मातहेतविस्नाजरूरत खासम ह्काः आलियः में वास्ते ताकी द्यातः मील दीगर् महकात वगेरहके दर्खी स्तन किया करें बलाकें बराह रस्त इयुन्नि करलियाकरें-नजम्न बाजम्हक्तान गातहेन में ऐसाकायश विकास में मुरी वज है कि बजाय इसके कि नाजिम को या गिराईको कि सी अमरकी तामी ल के बाबत हस्य जायता तहिर करेंमही एर्ट्रिंग् को जालियामें दरवाति मेजने है कि फलानीनामीलफलाने महको से कंगई जावे-यायहिक फलां वनील की याथा ने दार्को हि दायतः كوابحا ندداركو بدايت كرديجاد वेसो द्स कायदेकेसबब से-, पदातवाल त तहरीर जीर कसरत कार होता है-इस वा ले यह हिस् अनजारी की जा निष्ट ती है कि अगर के. ई अमरमाने नहीं विके श्री स्जाबते के अमूजिब्लिख ना वां जिल होतो हुकाम माकतहेत तह रात मुन्दरजे वाला वराहरास्त

सारेकागज परसमाञ्जत स्वीहोतीही - द्रिंड हैं। इसी तरह मुरहार नामा औरफीसका कागज भी परदेदार और दों से कियान कागज भी परदेदार और दों से कियान का करें-

- मजसून

मन तक ऐसामान दरामद है कि । भूमिन भाग जब कोई युफ़ लिसबाद मंजूरी इफ़ लास दावी दायरकरता है तो उस्ते र सूम सरकारी ऋबाल नहीं लीजाती पेंप्पेंड्र सारे कागज परनी उसके सार्विकी समा (55%) अत होती है- लेकिन जो मुखारेना मा वगैरह लियाजानां है यह का गजइसा म्य परलियाजाताहै अगर्कोई पर दे दारुओरत किसीको मुखारकरतीहै ती उसी फीसका कागज हस्ब दस्त्रव स्त, होता है-दरस्रते कि औ रस्स म सरकारी ऐसे गुफालिस सेनहीं ली जाती इस रस्मका लियाजानाभी वां है। जिब नहीं जैसे कि सादे कागजपर्र बीकी समान्त्रत की जाती है इसी तरह मुरतार्नामा न्त्रीर फीसका कागूज नी परदेदार्जीरमुफ़ लिस जीरतें। से जियाजायाकरेकाहिल ज़क्रके लियेतप्ररिहकरनेकी कुळ जरूरतन ही क्यों कि वह खुद्येरवी कर सक्ता है। न्त्रीर जब्बह सुफ़लिसहै तो वकील र्रेड डि कहासे करेगा

السيطرح مختار

तारी खमज्री नब्रश्वमार् ईफ़र्वरी सन् १८ हैं ३ (a)

ख़ुलासा

नकल् ज्वाब दावा मिर्ल बिनाय दावी के लेना बे जरूरत है

अज्ञाम्न

सरदारान अपील नेब इवाजे तहरीर के फियत २५ जनवरीसन्१५६३ई० बगुक्दमेगुसमा त वज़ीरी मुद्देयः बनाम रहि मतन्त्र ज़ीर्वं मुद्रायलहरू वीदिलायेजाने जायदादम् नक्ताकोर्मनक्ला इस्तस्वाबि याषा किनक्ल जवा बरावी की मि ल बयानदावीली जावेया कवा री बमेंसरदारानअपीलकोलिखागयावि अंध जवाबदावीकी नकुल लियेजानेकी बा बतजदीदकार्रवाईश्वरुकरनेकीकोईज् स्रत नहीं किसी फ़रीक़ केंज़ सरत होगी तोह्स्नु नाबतेनकल्लेसकाहे नवरश्रमार तांरीखमजूरी **६्ं** फ़र्वरीसन् १ दर्भ ३ 80

खुलासा

<u>मानमुकालिसी बें</u>डि

(60)

त्रपीलनेमहकाः आलियेसे इस्त रबाबाकिया चूँकिएयसरदारानञ्ज प्राणाणा पील दुरस्त थी जवाब में मंज़्री लिखी तारीख मंजूरी नंबरश्रुमार् **रफ़र्वरीसन्१८**६३ खुलासा

य्वाकरादियेजाने शादीका बमू जिब्जाबते के काबिल समाञ्जत नहीं है-

गंगाराम म्हाजन मुह्ईने नारायरा। एडां टं प्रांत क्रिक्न मुह्ईने नारायरा। म्हाजन युद्य यलह की निसबत दा वाकरादियेजाने पादीकादायर किया औरमातहेतसे बहक मुहरी दावाडिगरी कियागया मगर ऐसा रावा प्रादीकरा दिये जाने का वस् जिब ज़ान्ने के क़ाबिल समाञ्जत ही नहीं था किसलियेकि दरसरत डिगरी किये जाने के जारालत से इ सका इजग्कंगयाजाना एक अभरद् श्वारश्रीरनामुम किनहे-लिहांजा मुर्फामुद्दायलह पेश होनेपर्दावामु इई डिसिमसिकयागया और अपीलका र्तलाञ्जं जोर्तामीलनलिखागया

رمت تھے ہوا ب میر منظوری کھی ہے (2) نے کوا دسلے جانے مثادی كانموحب منا بطرسك قابر سماعت ئے مبلنے مٹنا دی کا دائر کہ عن إساعت مهراتها يل كواطلاعًا ورتعميلًا لكهاكيا-

ce

रोयमयह कि मद्यून अगर किसी श्रीर इलाकेमें चला जावेतो मदय न के हाजिर्छाने के उमोद में सुदई दर्बिस्त सालाना पेश करे या उस इ लाके में पैरवी करेकि जहां मदयून सकुनत पिजीरहों-र्सकेबाबतयह एय गलेखी कि जब मुद्द को यहमाल्यम हो जावे हिन्दी कि मदयूनदूसरेइलाके में सक्नत विजीरहोगया है तो उसदला के में बाबतज्ञरित्रगरीयेरवीकरे-द्सपर सरदारान आपीलने अप उंग्रें नीराय द्नहरदोश्यमरके बावत बनप्रसीलजैलं जाहरकी-अमर अञ्चल के बाबत तो यह कि र्स में राय ना ज़िमजी की की कहें है किन- ५, ८६ मको जी इल फाक है-अमर दोयम के बाबन यह लिखा कि जब मद्यून की जायदाद इला के एजमें हो और थोड़े रोज़ के वास्ते मद्यू एंडर न किसी दूसरी जगह चलाजावे तो के ईजरुरत नहीं है कि मुद्र इस इलाके एं र में जहां वह सक्तत पिज़ीरहै पेरवी मुक्दमंकी करे मदयून की जायदाद से दुरस्ती जरिंगरी की होनी वाजि । नंद यह राय अपनी जाहिरकरके सरहारान

لاقتهين بيروى لاقبراج مين سو اور

(B)

लिहाजाजवाब में मंज़्रीलिर्स गई श्रींर तहरीर किया गया कि इसी मुगक्तिक अमलद्रामद्र तनेके लिये कुलम् सातमातहेत् का एप्टर्ण प्रेंटिंग प्रि नारीखा न्री नव्रश्रमार كم فروري موماع १फर्चरी मन १८६३ई खुलासा हिरायत मृतस्त्रिक मुक्ररमात इजः गया डेगो मज़भून नाजिमजीरावाई माधोपुरने रोशमरद्रल खाबतलव करारदेकरमयक्षपः रायके गिर्ं। कर्मिन् सररायन अपील को हस्ब तफ़ सील र्रिक रिल जेल लिखा-∙ अवलयहाकि मद्यूनकी जायल्द्बा न्रे बत गातमी व तफावत के ज़न्न हो तो इस न्त्री के ऐयाम में मुद्र वाबत दिक्तमि याद दर्खास्त सालाना पेराकरेया र्सके बाब्त तो यह राय लिखी वि वे श्यक मुद्र दरकी स्वाबत दिन्न मि यादपेशंकरसकाहै-जीर्बस्रतवा गुज़ारतवारमें नी रखिस्त करसाता है पहज़रूर्नहीिक ऐयाम जन्नी में द र्वास पेश करी है-

जीर दूसरे वह कि जिन में तरिय । नि न मालियत का नहीं है जैसे - ति वियत नामा-तिलाक नामाः भाषा रव ती वरोरः जिनमें कित ऐ युनमा लियत है उन मंतो फ़ीस रजिरहरीकी बहिसाब एक रुपया फ़ी सदी ली जा रिंडे एडे एड तीही और जिन में तरी युन मालियत दिए में नही है उनमें एक रुविल मक्ता लि याजाताहै- चूंकि तिंबनियतनामाजी इ सही कवील में है कि जिन में तरियन रिंग्ने रिंग्ने मालियतकी नहीं है इसी लिहाज के निज्ञ के निज्ज के निज्ञ के निज्ज के से नाजिमजीनी एक रु बाबत फ़ीस रजरुरीके लेसके हैं-इसमोके पर्इस नुकतीश्रसे यह और माल्यम हुआ कि फ़ी सर्जिस्री कीबाबत जो रूपया लियाजा ताहे वह ज़रनक द होता है-हिरायतनम्बरी(२२) मवर्विश्जनवरी सन्१८६३ई स्बोरेखत छपीजारीहर्द है। दें एं प वस में प्रीसयानी मुहराना कान क़र्तिया जाना बंदिक या गया है - जोरबंजायर सके का ग़ज़ रूसामशामिल कियाजा। एए ताहेपस सीसरजिस्टरी की जी बजाय एटिंड में नक़दकेक़ाग्ज़द्रहाम पर लीजानी गैर युना सिब होगी-चूँकि यह गयसरदागन अपील की कि फ्रीसमुहराना की बाबत बजाय नंक दके कागजइस्राम्यलियाजावेद्रस्तहै-

कायरा वस्लक्षीस मुहरानारजस टरीवव्यक्तिजात कि जिनमें तरेख नमालियत का नहीं होता-

H

मजभून

नाजिम नी गंगापुर ने बजर्य के फिय
न २० दिसंबर्सन १९ ई२ सरदारा न अ
पील से इस न सबाब किया वाकि गुममी
कल्या च मार कम बे बामन बाम नेनि
बिन यन नामा मांज्याका वाम ली १)
रुपया के का ग़ज़ पर ब मुराद तम
रीक पेश किया - इसमें स्योक्ष नला
व यह जामर है कि जला वे का ग़ज़ित
बिन यन नामे के मुहराने का रुपया
भी मायल तस दी क कराने वाले से
लिया जा व या किया-

सरदारान अपील ने एक रूपया बज़रये काग़ज़ दूस्हाम्म बाबत फ़ीस मज़क्र लियेजाने की राय लिख कर मंज़्री मह काः आलिया से बज़रये के फ़ियन ११ जनवरी सन् १८ ६३ ई० के चाही और सराहत दूस की दूसतार से की कि दो किसा की निव प्रतंरिज स्री के लिये अदालत सी गे में पेश होती हैं -एक वह कि जो ज़र नक़ द की बाबत हैं-

دحبشري وتمينعه جار جن من تعين السيث كانهمونا. لفىدىن كرانے د ابے سے

(0) खुजाने में नेज दियाजावे श्रीर एक (8) त रासे रूपया के कि बाद इख़राजातक दाख़िल खज़ाने हुन्त्रा नेज दें-न्त्रीर न्त्रायन्दा को माइ वारी नकुशा नेजने रहें तारीख मंजूरी नंबरश्रमार १फ़र्वरी मन् १८६ ३ई. (0) खुलासा अर्ल्यार खुद देदिया करें और इस्से ह का वन्त्रारित यार्खिद दे दिया करें होर काएनम्हकाः आलिये से तत्न बिक्या करें 1£3 नंबरश्चमार तारीख मंजूरी (4) १फवेरी सन् १६ ६३ .खलासा

ب ه کو ما ہوا رمی نقت ہے رہین نقط ۔ नंबरश्वमार

तारीख मंजूरी २५ जनवरीसन् १ रहे ब्र हिंगु हैं ।

खुलासा

जोरुपया जामदनी नकल नवीसीसे बादतक्सीमतनख्वाहनक्लनवीसा (७) न वगेरह बचेबहफ़ीरनजमाखजानेकिया नावे मीर एक नक्षा माहवारी भीउस निम् वर्ष का श्रामा करें-

8

बज़ स्न

इकिज़र आमरनी नकल नवीसी बार्ड स एफ ज़रुरे खुजा ने नहीं ने जा जाता है हैं रें हैं रें स्कोनहरम्हका कज्भवनत जमारहता है नुना सिव है कि सरदारान अपील को लिखा जावे कि जिस्क दररूपया श्रामदनी नक लनवीसीका बाद्रवर्च ज़रुरिमंजर पिंगी शदर् के महकात में अखीरजनव री सन्१६६३ ई. पर बाकी रहें-

उस को राखिल खजाना व इन्द्राज ख डी करने की दिस्यत की रन जारी क रें श्रीर जायन्दाको जिस कद्र आगर भी से बाद् ज़रुश खर्च मंज़र श्रदह के ब्चन होवेबह फ़ारन बरेबक तक सीम तनरबाद के नकरन नवीं सान

ر موسطوري ردسه آمدتی نقل نویسی-ھے اسکا آیا کرسے -وس كو داحسل خزا نه باراج

وونورا بردنت تعتيم ننخوا و

(11)

S

(14) (3)

तारीख़ मज़्री नव्युमार् एक्स नवरीसन्१८६ में नियार

खुलासा

हिरायतद्वी इरजस्रीतमस्तुका त जो तहरी रसे पेश हों

मजमूज

मुस मियान रामकुंबार व रामच दर बाह्मरा करन दहन्दाजीर्य (डिप्ट)। २ ल्ला हजाम करज़ गीरनः हरही ए फ़रीक़ ने नावि प्त ता दादी ४६) की उ १७ दिसम्बर्सन् २० ६२ ई० को मुन सफ़ी में रिजिसटरी हो ने के लिये पे प्रार्टि ने प्र की - निब्द्रतिग्वीहुई आगुनि ८ + ७८ बदी १ सम्बत् १६ ४८ की है जीर जी रसे के बाद माह पोसमें पेश हुई थी उं एं एं मुन सिफो ने अदारनत दीबानी से इ सका इसतस वा वा किया - मुरिन्न मा ए। रेट ए । ने र्न अस्तितने रजस्टरी हो जाने की रा थालिख कर्महकाः आत्विवासे इ सतमजाज किया चूंकि तमस्तक करजेका होना लाज़भी नहीं था-लिहा- जिल्ला एं एए ८० जाजवाज में मज़्री मुख्ति यारान असे अंग्रेंड लनको। तिस्वरी गई किंत्रगरमुकिर एन्ट्रैंग्रेंगरिक्ष रिज उर रीक राना चारे तो कर

ت در باب رحب شری تمسکات ے میں -کے عدالت دیوانی سے نزاج کس - چونکه مشک قرضه کا إنا مياسيم توكر د ونقط-

लावें उनसे तो मुज़ाहमत न की जावे एं।ए हैं हैं उनको शिकार्वाने में पेशकियाजा سبراورمول كرى لاوين वे चुनाचि ऐसी स्रत में शिकार्याने पूर्व के के लेक हैं। से हरब ही सियत सज़ा ही जाती थी जीत जालावे इस के मोके २ के पहेरवालाजा पनीफेरीके बनी का बन्दो बस्त रखते। ए थे- ज़ंबाद जंगलात से रायलीगई (अन्तरं कि में कि में कि के कि के कि तोयह लिखा आया कि जंगलात में द्स कदरमुलाजिमन इं हिंकि हर मोके पररक्वे जावें -स्रार्भ । ए। ए गर शिकारख़ाने की तरह से हर ज गह आदमी रक्ते जावें गेतो इसमें सरकारकाहरजहोगा-अगरदवी ने के दवान मुक्सान कर्ने वालों को वक्तन्फवक्तन्दयोक्षकरकेगिरम रकर्लेंगे तोसरकारका बहुत फ़ायर है- जीर्उनको यह ती लिखा दिया जावे कि मुलाज्ञानजंगल को मर दमी देनेरहें -

चुनानि फ्रोज रारी को लिकर गयाकि दर्वानान को हिरायत कर दो कि हस्ब तज वीज मह काः जंगतात इन्तजामरक्वें और जंगलात को भी इतला दीगई -

سر مست برهگیم ا دمی رکھے . ج موگا - اگر در وازہ کے د رمان نعقب ان کرسنے والون لوونستًا نوقتٌ دریا فت کرسکے ادكرليو. ركے توسركا ركا ركمنين- ا ورحب كلات كو تجيم اطلاع

(۲)

(₹)

जंगल को उनकी गिरकारी में मद्ददेन नाहिये-मगरद्वनों ने जवा व मेंयह नि वपानकियाकि वृगेर हुका कोत वा रनी हमनतो लकडी गिरफ़ारकरम क्रे हैं और नमद्द दें सक्ते हैं-लिहाजा कोतवाली को लिखादियाजावे कि द्वीनों को फ़िहमायश करदे कि मुलाज मान जंगल को व व क्री। डिंग्डें रक्षारी मुल जिमानमद्दि दियाकरें। ओरजो लोग वक्त बे बक्त लकड़िया श्रहर् मे लाया करें उन के पास परमर देख लियाकरें- अगरबितापरम र ख़िलाफ़ कायरे लाया करें उन्की गिरकारकरके मय माल जंगलात में नेज दिया करें-

जिसपर पिकार खाने से दरपाफ़ किया गया कि क ब्ल जाज़ न कर्र महकाः जंगलात के जो लक ही बा हरसे प्रहर में जाती धी जस का दंत नाम दर्वा जो पर कि सतरह रहिता हा जवाब में पिकार खाने से यहलि खा जाया कि पाना ने नाती पिकार पान व गेरह के देखने से हरदर्वा जे और हरमोरी पर एक एक जा द जी का ते नात रहना पाया जाता है खोर यह ते नाती रस गर ज़ से हुई थी कि मोर प जी की रख पक कही जो गरिब आर मी तो हका

ن- آگريلاس

अश्र की नकूल के काग़ ज़ पर ही जा

र महक्तात मानहित में जो सिवाय नकु
ल फेसला के बाक़ी जुमले का ग़ ज़ानकी
नक़ल भ के काग़ ज़ पर ४० हर से कम
नक़ल भ के दाग़ ज़ पर ४० हर से कम
तारार के मुक़ र मान में दी जाती है यह
जीक नहीं हैं नम्बेर श्रुमार
ना एंख मंजूरी
१६ जनवरी सन् १६ हैं

.खुलासा

जोलोग हो वक्त या विलापरमहजं गलान की ज्वक डी शहिरमें लावेंडर कार्लजाम दर्वानान दर्वाना रक्वें

> ४ मज़सून

کے کا غذیرصہ رسے ١٠- جنوري مسام حولوك بيوتس إيلارمسط خبكل ت کی لکڑی شہر مین لاوین اوس کا أنتظام دربانان د روازه رکھیں۔ سے لکڑیا ن حوراکہ شارمى سكتے گئے اور دروازہ در انون سے کہاگی کہ ، سبے وقعت ککٹریان۔ يناجا منے اور ملاز مان ح

हिरायात मज़ार्यः मृह काः आलियः कांसिलसीर जुडी प्रायलबाबत्सन्१६

नम्बरश्रमार्

तारीख़ मनजूरि **८जनवरीसन्१८**६३

खुनासा

नक्ल काग्जात हस्ब शरहनक्ला । हिकाम पचास रुपया तक के मुकंदमा 🚽 त में इ के इस्राम्य पर जीर उसके करप र ॥ के दूरराध्यपर्दी जाया करें-

मज़ मून चूंकिकान्न इसाम मजरियाहा लमें ब नज़रसह लयत नक्लिश । अंधे पिनी वर्षे हिकामद्राका गाज र १७ तक की मालियत। १७४ १८ में के के में इ का और उसके अपर एका का गाज़ त दि हैं हैं अहै कि है ने हैं। मवीज्दुः आहे - श्रीरमब यह के दलगाई है रिटर र्रं है है गर्हे हैतो का ग़ज़ात मुक़ दमात मुत्र लिक़े

مام بردى جا ياكرين

(6)

	(वर्षर	(10)	
च्हें द्यं	मॉन संगीन- नेंचिंर-बताई र हिरांधतनंब री (क्ष्र)मेंजरये रूपई सन्१८६३	المرابع المراب	. A
	ई बावनमुकायंने डांकटरीना प्रहाय फोती गेरमाम्ली नोंबर- दबीब तरतीब मुक रमातफोती रगी इत्तफाकिया- दिसंबर-हिरायत बाबत ना निप्रात रावे गस्ने व उसके इज	بامق معامینده الری مسس آ فوتی غیر معمولی - رنومهر درباب ترشیب مقدمات فوتیدگی اقت قیسه- دشمبر مدامیت با سبب نالثات دعوسی علده ادر سک	45-
- टर्ड १ ४	एय की- दिसंबर-हिदायत बाबत कु रकी व नीलाम जाय पादब कदर मतालिवे डिगरी- दिसंबर- बज़मी मे हिरायात नं बरी ७ र मज रसे २ र नों बर सन्	وحب لامر عب مرا د نفس در مطالبه وگرمی- ۱۱ رسمبرته مضیب مرد بات	7
£ q 7,	१६८९ ई. व नंबरी (ई१) मजर्मे १६ सितंबर सन्१८ ६० द्वा बत तामील समन हाय मुन सफ़ी- दिसंबर-दर्खात हाय करवस तमें साविके करवसन काहालगी दर्ज होकर आयाकरे-	منتشکه و ممبری (۹۱) مجربها ۱۹ مرت مراه کله بابت منسی کسس	,
	-(0)	(0)	

जाते ब का बिल कबूल खराल तहोनेन होनेकें-७८ ३० अकत्बर- बेटे शलिसमेसा हेपाच फ़ंट से कम करके आ द्मीनर्तीनक्षेजावें-७६ ११ निंबर- हिदायनबाबतछार दफंबरम्हेक्यातमातहेत-८० १२ नोंबर्-जमीमः हिदायननंव ए रिस्सन् १८८३ ई० च १६६ सन्। दीवते । १९४० १८६५ ई. बावत तहरीर इबार त तसदीक इज हाएत-१२ निंबर - मजीद नाकी र नामी दिन ल दिश्यत नंबरी ११६ सन्१८ टपई बाबत कवाय दत्तलबीग विशेष J41, वाहान वतरती व रेजिस्टर-प्र १२ नेंबर- चराई मवेशी लावारि उंग्रे के सका एक नक्षा माहवारी जा। याकरे-८३ १४ नें बर-कायदः तकर्री शह नः वतमञ्जूकदारमालजवन ७४ १६ फर्वरी- जमीम:हिदायनन बरी ६३ मजरयः १ मई सन्१६ ६० ई. बाबतकांय दः इजराय اجرائد گرمات. डिगरीयात्-व्य २५ नों वर- जमीमे हिदायत नंबरी द्व। मजर्ये २०मार्चसन् १८८४ई। दिना मजर्ये २०मार्चसन् १८८४ई। بالقسدين اقبال مأوان रश्वाबनसरीक इकबाल

(13)	(11)
७४ र अकत्बर हंगाम इज्राय डिगरी कजू मालाकलामीकी	۱۹۱۳ اکتوبر- منبگام اجساسے
जीमिसिलकार्रवाइ खतस्यी	بهنی کارروانی خطاحینی
के इजराय इश्तहारका हो नाव हिंथे-	الجساسية-
७४ १२ त्रकत्ब्र- जमीमेहिरायतने बरी(२२) मजरयः १६माचिस	ا (۲۲۲) فبسريه ۱۹ر مارج
न् १०६३ई० वनंबरी (४३) मज रियः ३० मईसन्१८६३ई० बा	مربر ۱۸۹۸ مربری (۱۸۹) جربیا
बत्समान्त्रतनालिशातरवव सन्वे लोंके-	11 /1(~ = /# (# V / _F () 11
७५ १४ अकत्बर्- मुलाजिमकी सर्वा	
काचालान मुल्जिमकेचालान सेअल्लह्य कियाजावे-	سے علی و کیا جا وگے۔
७६ २२ अकत्बर-अगर्कसी मोकेष जरूरत मुज्जाफीकस्राकिसी	ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا ا
लाजिमकीहोतोन्त्रव्यसमहक ज्ञानियः सेबाजावितः मन	
री हासिल करलेना चाहिये हुह ममान हेत बतोरखु द बिलामन	المسطور مي حاصل كرلينا جاياً
री महकाः आलियः तः बीज मुजाफी कस्र नही	
रसकते-	النبين كركتي
99 २५ अकत्बर्-बनमीमः कान् इस्राम् मजस्यः सन्१८ र	الرياني مراهما عاد
बाबततहरीरतकसीमन	0 - 4

जयपुर खारके नाम से २व न्त्रगस्त- तजाबीज़ में ऐसे न्त्र लफ़ाज़ कि (देखो फुलां नक्ष्ण या फुलां इज हार् भ्जो खिलाफ दाब अय्नत वना मोज्हे आ यन्दा नालिखेजावें-६६ ११ सितंबर- जिससीग्रेसेकि कार्वाई नीलामकी होती हाउसहीसीग़े में अव्बल उजर दारी जी समाज्य तहो सक्ती है ७० १३ सितंबर-जमीमः हिदायतनं वरी २५ मजरयः १४ अगस्तरन १८८३ ई. बाबत तहरीर फेस लेमुक्रमात-७१ १३ सितंबर- जमीमः हिरायत नंब्री (४६) मजर्यः १६मई सन् १८ रें३ ई० बाबत जुरा २ करनेकामजमाखर्चनवीस कलक्रीव जुडीशियल-७२ २७ सितंबर- अगर कोई शख्स इ रटाम्यमुकरिरः से जियाराकी मतके कागुज्यरतमस्सुकलि खावे मगरउसकों बाकायरा न खुपाचे तो वोइ की मत काग ज़ मुजरा नहीं होगी- ग्रीरहरू क्रायरा उससे तावान लिया يا جا وسيه كار जावेगा-

बाबन अखजरस्म चाहात व गेरह-६२ ७ अगस्त- मीनोंकीकाप्तकारी के बैल दादर सी में मुद्देपान को निहलायें जावें-१७ ज्यास्त- जमीमः हिदायतन वरी(३६) मजरयः ३ जूनसन् १८ रेश् ई। कि विलायुजा ज्तमह काः आलियः नीलाममें नीतवा यफ़ों के नाम जाय रार्मु नाकि ल नहीं होस्की-१६ अगस्त- अहिकामर्म्लासजुम लेमेम्बरानमें सिर्फ तारीखतन वीज सीगे के इन्दराज परही इब जिल्ली तिकान कियाजा वे बल्कि गाह सज़नी दरहासारके साथ दर्ज ह का कियाजाय-६५१० अप्रास्त् - जमीमः दिदायतनंब री (ई०) मजरयः ५ श्रगस्त सन १८ र्द् र् बाबत मुक्रमात बर दापरो शी व गेरह किर्र जहबर रजः म्हकाः आलियामें आया हरे १० त्रागंस्त- कायराबाबत तर तीब पाना बटवारा वतः संगीना जायदादके-हैं। १० त्रास्त - कवायर्वराय इनसर रे भिर्मित दालिये जाने खारी अजरियासते। दूर्राए

	** <u>*</u> *******	- municipal de la constanta de	(%)	(1-)
Ý	2		जुत्नाई-हिदायत द्रखाब इंत	عوم ولال عراب در ما ب
4) Face (जाम मफ़ररीमुलाजिमानज़ेर	انطف م مسروری ملزان ایر میجانی م
		2	तजवीज़-	مر و رحولانی - اگرکسی کو در گرسے
41	- 6		जुलाई-अगराकिसीको डिग	الملا المرجولات الرين في ملكراطق
			री दखल या वी ज़ भी नकी मिल	موحا وسيا ورنصفي زمين
		Į	कर नातिक हो जाय और निस	کافک ماون کے نا وسندہ کے
			फ़ीज़मीन का चकमस्यून के	
	Ì		नाम बंधरहा होती इजरायमें	مولو البسرارين ا ومس كا عك نبام دكريما رسقسل موك
			उसकाचक बनाम डिगरीदार	ا ا قصب داداهاس ع
			मंत्रिल होक्रकब्जादिला	-2-
	2		याजासका है-	الهونم اكثت بيكسي مستنه مريما
4	5	9	अगस्त-जबिसीजुर्मकावस्	الم وقوعدا أدرسا فرجا زحس
			आंश्रंदरमुसांफ़िरवोनः हद्द	اسٹیش رمیوے نگے ہوتو
ľ			स्टेश्नर्लवेके होतो फीजरार	فرسدارحي اوسكي تحقيقات
1	_		जी उसकी तहकी कात वसमाञ्चत विला इत्तलाव इसतमञ्जान म्ह	وسماعت الااطلاع والتماج
			काः रज़ीडन्सी नाकियाकरें नत्रीर	المحكمة مرتبين كيب كن-
			म्हकाः श्रालियः के बिनाबरइ	اورمحكب عالبيه كوبنا الطلاع
			त्त्वा लिखाकरें-	ا كلها كرين-
	60	น	त्रगस्त-मुकर्मात बरदाफ़रो	٩٠ ٥ السنت - مقد الت برده فردي
1	5,4	7	शीवनीज जिनमुक्र द्मातमें कि	ونیزجن معتدات مین که
			म्हकाः आलियः कीन्सिलको	المما عالميت توسس لو
-			इत्रता देना मुनासब दमसल	المسلاء ومنيامنا سب ولحت
			इत हो उनकी इत्तला म्हकाः	موا ونمي طسالا عظمياليه كريس احب مرو
	,		न्त्रालियः कोरेनाचाहियै-	الله الكه و منهم رام و يوم
	६१	4	अगस्त-जमीमःहिदायतन्ब	المال المساعد المراج المالية على المراج المالية على المالية على المالية المالية على المالية ال
			री(४८)मजरयः १७ ज्ञूनसन्१८६	30

			العوان مضمير عامت بندي رب	10 01
49	२५	ज्न-ज़मीने हिदायत नंबरी २७	ا بون مسیمتری مبری دند. محد به مدر در ما مرسوه در بر	
		Landam Company of D. J.		
		and the second s		
		भारति वसामान्यी पत्यपत्रके जिनकी व		
		तख्पीकाकायदाजारी है दीगर	ا جنازی کا کارونواری دربیر	
		नमी के जात रजसरी नकीजा वे-	و شقیات رجبطری دکیج و ا	
n3	39	ज्न- जब नफसमुकद्मे में जुम	م جون - حب تقن م فدمه بين حمله	74 DT
$\ \cdot \ $		ले सर्यारान ज्ञपीलकी पेशी सेत		
		जवीज्होजाय तो दरख्वासा नजर	الحويرسوماك تو درخواست لطر	
		सानीमें ब इन्त्रज़ारएक सरदार	أنى من باسطا را كسوار	
		ख्रपीलके जो मौजूदनहों मुक् द	امل مے جوموج دہنون مقارب	
		मामुन्नवीनहीरहसकाबाकी दो	المتوتمي بنين ره سكنا بابقي دوسرا	,
		सरदारश्चपीलतजवीज़करसकेहै	المب المحويز كرمستين	
43	र्न	ज्न- तश्रीहतादादमियाद्केद	رجون - تشريج مقدا وسيعاد ويت	1950
	1	एवज जुरमाना व सदरसी-	المعوص مبدرا نددا دري –	
48	2 9	जुलाई-हरहाकिभगुजिबक्ते	جولائي- برحاكم محدركو لمزمكا	אום א
	1	ञ्चलाजिमकाइज्हार्युफ़ासिल त	الأما المهوم المنتا أأ	
		हरीरकरनान्त्रीर्डसकेडजरातकी		ľ
		तमाञ्जतकरना श्रीरसबूत ब्रप		
		तलेनावाजिब है-	لينا واحمد	
ч	4 4		رولائي منسمد مدايات مبري	0 50
		४०सन्१८८१ई० बाबन शरह	(۲۸) مششه بایت شرح	
		कागज इसाम्पनक्लिक्रिये	كاعت يمسطام يلول	
		नामेजात-	كرايرناي ت-	
1	ई व	र जुलाई-इज़हार्परकातिबङ्	جولائ-اللباركة شير-	it 04
		जहारके नाम दर्ज हो ने की जर	اطب ارکے ام درج ہوسی	
· L		रतनही-	صرورت البين-	

~ ~ ·

		(^)
	गैरमें नेजे जावंतो फरिकेन कोहि	نعرمين بهيج جا دين اوزلين
	ययतं करदी जावे किवह वजरेषे	1 4 / 4. / 1 1
	वकील पामुरतार्के हाजशगवा	فررىيدوكس ومحاد كصفاصري
	होंका मुनासिव वंदीवरल कर दिया	گوامیون کامناسب میدوب
	करें-	کرد باکرین- نفیه
४ई	१२ ज्न-म्हकाः बाला र्स्तमे मुरा	وم المام جوك - محكمه الاوست عين مرآ
	काहोजाने पर्मातहेतमें इजरा	البوجات برافحت من أمسترو
	मुक्दमेकानही होसकता-	مقدمه کالبین پوسکما -
898	१ ज्न- जमीमे हिदायतनंबरी	يه ١٤ جون صميمه عابي تمسري
	(२१६)मजरयः १६।सितंबरसन्	(۱۹۱۷) مجربه ۱ استمبر شده
	१८८६ई० बाबतमुरापेजातमुन	ابت دانعه دجات منصفی
	सफी मुत्तिके मुरङ्गारान अया	المتفقة محنت ران عدالت
t	लत रीवानी-	ديواتي -
85 8	अञ्चन-वह मान्दिरव कोठयाति '	۱۲ مر مرور و مندرو کوشهات ار ر سرور
	जोसरकारी हो उनकी की मतका	الجرنسيركاري مبوك أدع
	तखमीना होकरजरश्स्माले	المنت كالحميد لبوكر رررسوم
	याजावे-	الام الام الماج وسے - اوا الام المراج ان - حب مفلس کون له
४६ व	अन-जबमुफालिसकोबजर	1111
	ये डिगरी कुछ रूपया वस्त	ا و گری لیم رومبیه وصول ہوہ ا توا وس کی سالت فلاس
	होजायतो उसकी हालत अफ़	ورون می مت علام
	तास बदलजाती है मिस्लग्रा	المتغييون المرابي
	ममुस्तगी सोंके उसको नीइस्ए	الأرام الفرنانر فرما
	म्य प्रम्मरायजवग्रहपेशकरना	ا كناجاسية-
-	चाहिये-	العلم المراجن - قاعده ابت اس
५० ३३	ज्न-कायराबाबत इजराय	مقدمات وخل روجسيت
ì	मुकरं मात र्खल जोजयन-	

३६ १६ मई हिरायत दबोब जुरु जुरा करने काम जमारवर्च नवीस सीगे कल्क्ट्री बसीगे जुडीशि यलवरखनेरोकड जिभेवारीके ४० २५ मई-दर्बाब अताय अरित्रयाप त बेदजनी मुन्यी जगन्माथपर पूरादजीना जिमानिजामतसां नर-छे १ २ मई- जब मामू ती भोती नहोत्व شر , کامعامنه ڈاکڑی *فرد*، नाप्रका मुज्जायनाडाकरीज्ल र्करायाजांवे-४२ ३० मई- तहकीकातवतज्ञानमुक غرتبا گی نو نید گی اقف ایت इमातग्रकीदगीकोतीदगीइस फांकया में ब्रस्बी गीर किमाजावे खोरकोई दक्षीकातनकी हवतह कीककाबाक्षीन (क्खाजावे-४३ ३० मई-जमीमें हिरायत नम्दरी(२२) मजरयः १६मारच सन्१८६३ई० मुभान-अतद्र बाब समा ग्रातना विशान तबानियतवशारकी फेकर खबासंचेलोंके-४४ ६ ज्ल-जमीमें हिरायतनं वरी (पर) मजर्षे धनईसन्श्टरद्र्यारेगेर हाजरी मीनगाज मालड: न्होरिक्स विवर्गे के एडिंग कर होनेतंजवीज़निसव्स्थेरहाजस्य ن برجافران-१० ज्ल-लबबंदसवासमधानुहा एन् बास्तेद्रल्यनबंदीशहादनदिनी उर्टिंग गबाहके बजरपेरजीई री इलाहे।

+					
33	τ,	गई-दर्बारे अताय अस्त्यारात	امنی- درباره عظام احتیالات	20	مزم
		वेदजनीहकीभमुखालिसउद्दी	مبدرن عكيم خلص الدوانسطم		
		त्नामुन्तजिमहलके बांदीकुई-	علقه ما ندی کوئی -	1	
38	ર્સ્ટ	मई-नकुलमुर्ह्वार्नामेजा	اسی-نقل مخت را مجیات	14	17.
		त वुकलाय की बाद्दर्गा फ़	و کلار کوب دریافت ۱ و سیکر		
		उसके नवक्तल के इस्टाम ॥	موکل کے اسطاعی مربر		
		पर्दीजावे-	وي وي-		
34	Sc	मई- जो हुका कि मनज़्रीतल	منی و جوک کم کومنظور طلب	/!	0
		बहै उसका इजरायकब्ल अ	سبيه وسكا اجرا رمتب از		
		जसदूर दुक्त मनजूरी कियाज	صدور حکی منظوری کیساجا ما		
		नाकितर्भमन्यश्रीर्वेजान्नोहे	فطعی منوع اور مفیالطرسیے - مرک عول پریفتال مین از		.,,
3 8	२१	मई-अताय अर्झ यारवेदन	منی- عطاسے اختیارات بیزرنی رینڈٹ بینیا ہتہ جی ' ناظسے م	1)	7
		नी पंडित बेजनाथ जीनाजिम	الرف قائم المرابية		
		कोरकासिम-	مئی ضمیمه طرسیمنیسری	,,,	1/2
35	58	मई-ज़मीने हिदायत नंबरी	المي ميري عبري عبري الميري		
		ईर्धनजर्यः ४ न वेम्बर्सन्१६	المره جمنة الجرة قارم		
		र्धर्ड् बाबत अस्त्रियार्तर्की	العتدات (49)		
		कात व नज़वीज़ भुक्रमा	نائبان فوصدارونائب		
		त(हरी) नायनान फीज सार्वना	الطنسان-		
		यबनाजमान- मई- ज़मीने हिदायतन्बरीय	ا مئی-ضمیم وایت بنری سوم-	11 8	1/4
3	१४	मज्यः सन्१८६७ई किसिवाय	المجرية عشمه المحارك كوسواسك		I
		वकील सरिष्तासङ्गयाकाके	وليل مورست السافقي الر		
			الوي صحفي سرا يافرسم		
		अगर्कार्पारल्य लजायया करि	المسيم من دم عن سروي السي		
		की तर्फ से मुरतार कारी करेती मु	الرفسة المراكاري كرسه لو		
		मानञ्जतनहीं है-	5 0,1	1	

بم اليرن واعده حالان آساميا १४ अपरेल-कायस्चालानन्त्रा सामियान अजमहक्ता गीगड्डी वम्हक्सात दीगर्-२७ २६ अपरेस- अलावे बबेनामा श्रीरयुम्प पत्र ज्वीररहिन नामा حب می خط جہی کا مت عدہ के जिसकी खत ख्रीका काय حارى ہے- دگروتىغمات كى या आरी है री गर्व सी के जातकी رحب ملرى كيجادك रजस्ट्रीन की जावे-١١١١ ايرل- سيدعويت تبري २८ २६ अपरेल- जमीने हिरायतनं (۱۸) محبسری ۲۲ فرنسروری ब्री (१८) मजरयः २२ फर्वरी مطفعناع باسترسيان كرسك सन्१८६३ई० बाबत चस्पाकर سمن دکراسنے گراہی کے۔ नेसमनवकरानेगवाहीके-र्धे र्धे अपरेल- जिस हा किम का पै सत्नामनस् खहोकरतजवीज واليهم تبيحياجا و सानीके लिये वापिस नेजाजा वेवझे हाकिम बादमज़ीरतहकी कात तज्ञवीज़का मजाज है मिरू ستاركا مانحت بنهجباطلا कामात हेतमें नेजना खिलाफ क . قاعدہ سیے۔ यदेहें-२०२ मई-कायदारुखसत्राहिलकारान्- - " अर्थः क्रियः । ज्या ३९ । मई- हिरायत बाबत तरीकाइ الما عذات موتبورد رقب شر-जर्य काग्जातम्यनम्नेरजिस्य منى- فخراً رئاميعت دات ३२ ७ मई मुरबारनामा मुक्र स्मातः अ عب الت ويواني مين قبل از रालत दीवानी में कवल अजरा وائري بقدمه تسيدن كباجاما वरीमुक्दमः तस्रीक कियाजा ممنوع بين يم-ना ममन्य नही है-

फर्वरी-हिद्ययत तागील समन १६ १६ फर्वरी-हिदायत वनकत्राक गयन नेजनेनाश विनाबर मुऋायनाडाक्री-२० ५ मारच-हिदायत दर्बा बमुका मनां लियाः २१ १२ भारच-बापबेटे की तरफ से। ا ورميع ي*ا بيدكي فرق* और **बेराबा**पं की मंदफ से विला **इरतारनाभे के किसी मुकदमें** जवाबदेही नहीं कर्सकता-१२ १६ मारच-चेलेख बासों की गोद नशीनी के मुक्रस्भात ऋदाल तमें लगान्त्रतन कियेजावें यहली ग वारक्षत अपने छा इसरबेंडा के मीग़ेकरकारीमें द्रविश्वकिपाकरे_न २३ ४ अञ्रल-जबमुराक्षानामंज्र्सि **याजायतो सिर्फनामंज्री** पुरा फाही जैंदीन में लिखनी काफीही तजवीज़ मातहै तका श्रत्या राहु का में न किया जाय-५ अन्नेल-कवायद्भारवजनग 38 नत मुलाज़मान पुलिस चुन हिन के गीराई-१३ अपरेल-जंभीमे हिदायतनव री घट मजरयः २८ जूनसन درباب کشیر کے بید۔ १८ ६० ई० इरबाब सजायबेर

(3) (4) वंबज्य दारी युत्रमिक में बज ल्हें वाहिद् अक्रस्मातका ह्वाला र्राहित्रीक्ष का के का देशरांक तजावीज़ की जायक्तीर (५५) १०१८ एउं में उसही की जक़ल हरएक मिस्ल में। एए एं शामिल की जाय-र्ध फर्वरी-दरव्यस्ति वापसी जुर्मा उपारिका निर्मा ने माफ खरहका नक्षा हरमा विकास के हमें दो पाज़दहरोजके हिसाब एएड गंग का गंग सिश्रायन्दा म्हकाः श्रपीलमे श्रायाकरे-१९ फर्वरी- जमीने हिरायतनेव (उमें क्रांग्री) री ५३ मजरयः २०सितंबर्सन १११०६ ११ = ३९० १५ १८६७ ई बाब्त समाज्यत मु कदमात खफ़ीफ़ा महका:मुन रिं दुंख्या सफ़ीकि रावी मुनअस्ति क बही किंदिन हैं क्रियत में २५) रू तक की तजा रे हैं दे पर विकार के वीज मुनसिफाननातिक नहीं है। - एंटरं ए एंटरं श्रेषार्वरी-दरव्यक्ति मनजूरीस्त् द्राष्ट्रेश-(५) सल कम अज़क म एक हक्षेपेषा निर्देशिय तरंकरनी चाहिये-१६ ११ फर्वरी- जमीमः हिस्यतनंबरी () १०मार्यः इसर्वरीसन्१८८ स्त्री १००९ वन्तर्याणी व्योरह-रणक्यां क्यां हरा हर सम्बद्ध समात्र عت فرورسی-بایت درباب سما त अज़र्सानी-Ul be

करें जीर इसे जियादाहरव सत की मनज़्री महकाः आलि यासे तलब की जावे-१ फर्वरी-कायदावस्लाफीस एक्टिक्टिन्डा مترا مذر مبري وتبقيض ت मुहराना रजस्टरी व सीकेजात كحن من تعسين والبيت كا कि जिनमें तरीयुन मालियत का नहीं होता-१ फर्वरी-हिस्यतमुतिसक दू 9 اسے دگری۔ जराय डिगरीं-وعومي كراوي २ फर्वरी - दावा करादिये जानेण दीका बम्जिब जाबते के काबि लसमा अत नहीं है-६ फर्वरी - नकल जवाब रावाभि रल बयान राविकेलेनिक जिरुति दे ए गा ई फर्चरी- मुक्रमात मुफ़लिसी एंड में जिसतरह सादेकागज़परस माज्यत दावी होती है इसीतरह مختأرنامها ورنسيكا كاعن يز मुरलार्नामा औरफीसंकाका गज़ जीपरदेदार श्रीरतों सेलि याजायाकरे-१९ ७ फर्वरी-दुक्ताम मातहेत विला जरत खास महंकाः जातियः। में वारते ताकी द्यातानील दीगर म्हकातवगेरहके दर्खास्तन किया करेंब ल्किब ग्हरा हा द = फर्गी- मुक्स्भात सार्शिकित्य

(1

(P)

नसन्१८ ६३ई॰ .खुलासा सन्१८६३ र जनवरी- नक्ल काग्रजात ब शर्ह नक्स्न अहिकाम पचास हपया तक के मुक्दमात में इ के इस्टाम्य पर श्रीर उसके ऊपरण لمام رد سیاری के इरहाम्पपर दीजाया करें-१० जनवरी-जो लोग बे वक्स याविल परमर जंगलात की लकड़ी शहर मेलावे उसका इन्नजांम दर्वाना न दर्वाजा रक्खें-३ १६ जनवरी - हिदायत दर्बाब रजस्री سكات री नमुस्सुकात जो तहरीरसे बाद्युर्धि के और ४ रिप जनवरी - जो सपया आमदनी न कलनवीसीसे बादतकसीमतन ر ل يونيان زعيره بح खाहं नकल नवीसान वगेरह برأحيجت زادكيا فاويخ बचे वह फ़ीरनजमा खुजाने कि याजावे जीर एक नक्षण माहवा ८. ५०० रीजी इसका समा करे-श्या पर्व शे- नकल नवीं सो को एक मा فروري فيهيه لللي فور ह तंककी रुख्सत हाकिमस्

7		

